दैनिक
मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
RNI. No. 69062/94
निष्पक्ष एवं निर्भीक विचारों का समाचार पत्र
प्रभात परिक्रमा
वर्ष: 30 | अंक: 236 | भोपाल, बुधवार 10 सितंबर 2025 | पृष्ठ: 08 | मूल्य: 1 रुपए

आवश्यकता है
दैनिक प्रभात परिक्रमा समाचार पत्र को प्रदेश के सभी जिलों एवं तहसील स्तर पर संवाददाता एवं एजेंटों की आवश्यकता है
: संपर्क :
9425023929

नए वाहनों पर सर्टिफ़िकेट ऑफ़ डिपॉजिट से मोटरयान कर में 50 प्रतिशत की छूट

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद के निर्णय

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार कोमंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा पंजीकृत वाहन स्क्रेपिंग सुविधा में स्क्रेपिंग को बढ़ावा देने के लिए बीएस-I और पूर्ववती तथा बीएस-II व्यापक उत्सर्जन मानक मानदंडों वाले वाहनों को जारी सर्टिफ़िकेट ऑफ़ डिपॉजिट के विरुद्ध पंजीकृत किये जाने वाले नए गैर परिवहन यानों तथा नए परिवहन वाहनों पर 50 प्रतिशत की मोटरयान कर में छूट प्रदान किये जाने की स्वीकृति शर्तों के अधीन प्रदान की गयी है। स्वीकृति अनुसार समस्त यान जो व्यापक उत्सर्जन मानक भारत चरण 1 (बीएस-1) मानक और पूर्ववती व्यापक उत्सर्जन मानक मानदंडों अनुसार विनिर्मित किये गए है तथा मध्यम मालयान/भारी मालयान/ मध्यम यात्री मोटरयान/भारी पात्री मोटरयान जो व्यापक उत्सर्जन मानक भारत चरण 2 (बीएस-।।) मानदंडों के अनुसार विनिर्मित किये गए हैं, को इसके तहत छूट प्रदान की गयी हैं।

प्रदेश में वर्ष 2024-25 में 1563 नए वाहन पंजीकरण पर लगभग 17 करोड़ 5 लाख रूपये की छूट प्रदान की गई है। वर्तमान में BS-1 एवं BS-II श्रेणी के लगभग 99 हजार मोटरयान

ऑनरोड है। इनको मोटरयान कर में 50 प्रतिशत छूट दिए जाने पर 100 करोड़ रूपये का वित्तीय भार आएगा।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा पंजीकृत वाहन स्क्रेपिंग सुविधा में स्क्रेपिंग को बढ़ावा देने के लिए मध्यप्रदेश को 200 करोड़ रुपये की विशेष सहायता प्राप्त होगी। भारत में वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए भारत स्टेज (बीएस-1) उत्सर्जन मानदण्डों को सबसे पहले अप्रैल 2000 में लाया गया था। मोटरयान कर में छूट तभी प्रदान की जाएगी, जब नया वाहन मध्यप्रदेश राज्य में पंजीकृत किसी आर.वी.एस.एफ द्वारा ही जारी Cerificate of Deposit के विरुद्ध पंजीकृत किया जाये। यदि Certificate of Deposit मध्यप्रदेश राज्य के अलावा किसी अन्य राज्य में स्थित आर.वी.एस.एफ. दवारा जारी किया गया हो तो मोटरयान कर में छूट प्रदान नहीं की जाएगी।

जिस श्रेणी का वाहन स्क्रैप किया गया है उसी श्रेणी का नया वाहन क्रय करने पर मोटर यान कर में छूट प्रदान की जाएगी। जीवनकाल कर जमा किये जाने की स्थिति में गैर-परिवहन/परिवहन यानों पर 50त्न मोटरयान कर में एकमुश्त छूट प्रदान की जाएगी। जिन वाहनों पर मासिक/त्रैमासिक/वार्षिक आधार पर कर उद्ग्रहित किया जाता है, उन्हें मासिक/त्रैमासिक/वार्षिक कर में 8 वर्ष तक 50 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी। मध्यप्रदेश शासन, परिवहन विभाग द्वारा 8 सितंबर 2022 को जारी अधिसूचना के अंतर्गत प्रदाय की जाने वाली मोटरयान कर की छूट उन वाहनों पर लागू नहीं होगी, जिन्हें इस अधिसूचना के अंतर्गत मोटर यान कर छूट प्रदान की गई है।

मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश की नगर पालिका परिषद नगर परिषदों के अध्यक्ष पद का निर्वाचन आगामी आम-निर्वाचन में प्रत्यक्ष प्रणाली से सीधे मतदाताओं द्वारा कराये जाने के लिए मध्यप्रदेश नगरपालिका (संशोधन) अध्यादेश 2025 लाये जाने की स्वीकृति प्रदान की गई।

मध्यप्रदेश में नगरीय निकायों के अध्यक्ष पद का निर्वाचन प्रत्यक्ष प्रणाली से सीधे मतदाताओं द्वारा वर्ष 1999 से 2014 तक लगातार किया जाता रहा है। कोविड महामारी के आ जाने से वर्ष 2019 में निर्वाचन नहीं हो सके।

इसके बाद वर्ष 2022 के नगरीय निकाय चुनाव में अध्यक्ष पद का निर्वाचन अप्रत्यक्ष प्रणाली से किया गया। वर्ष 2027 के नगरीय निकायों में अध्यक्ष पद का निर्वाचन प्रत्यक्ष प्रणाली से सीधे मतदाताओं द्वारा किया जाना है।

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया हवाई सर्वेक्षण

कांगड़ा एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाढ़ और भूस्खलन से प्रभावित हिमाचल प्रदेश के मंडी, कुल्लू और चंबा जिले का हवाई सर्वेक्षण किया। उन्होंने सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू, जयराम ठाकुर और राज्य पार्टी प्रमुख राजीव बिंदल से बातचीत कर पुनर्वास के लिए केंद्र से सहयोग का भरोसा दिया। पीएम मोदी ने हिमाचल में बाढ़ प्रभावित 21 लोगों से मुलाकात की, जिसमें 11 महीने की नीतिका भी शामिल है। 30 जुलाई की रात नीतिका के माता-पिता और दादी की लैंड स्लाइडिंग में मौत हुई थी। इस बच्ची को हिमाचल सरकार ने स्टेट चाइल्ड घोषित किया है। नीतिका को अभी अपनी चाची किरन देवी ने संभाल रखा है। उधर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिमाचल के लिए 1,500 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की। एसडीआरएफ और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की दूसरी किस्त अग्रिम रूप से जारी की जाएगी।

अयोध्या में 26 लाख से ज्यादा दीपक करेंगे रामनगरी को रोशन

अयोध्या एजेंसी। रामनगरी अयोध्या में एक नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित करने की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। पर्यटन विभाग द्वारा सरयू नदी के तट, राम की पैड़ी और अन्य घाटों पर दीपों की अनूठी श्रृंखला सजाकर एक मनमोहक दृश्य प्रस्तुत किया जाएगा। इस बार अयोध्या का दीपोत्सव अपने पिछले रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए तैयार है। पर्यटन और संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि आयोजन की तैयारियां पूरे उत्साह के साथ चल रही हैं। अयोध्या में 2017 से दीपोत्सव को भव्य और आध्यात्मिक रूप से मनाया जा रहा है। इस परंपरा को कायम रखते हुए इस वर्ष सरयू तट पर सबसे विशाल दीप प्रज्वलन और भव्य आरती समारोह का आयोजन होगा। इस बार 26 लाख से अधिक दीपकों के साथ गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

देश के 15वें उपराष्ट्रपति बने सीपी राधाकृष्णन

एनडीए प्रत्याशी का 452 और इंडिया ब्लाक के उम्मीदवार को 300 वोट मिले

एजेंसी | नई दिल्ली

सीपी राधाकृष्णन देश के 15वें उपराष्ट्रपति होंगे। उपराष्ट्रपति चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने जीत दर्ज की है। इस चुनाव में कुल 767 सांसदों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतगणना के दौरान 752 वैलिड पाए गए और 15 वोट इनवैलिड करार दिए गए। सीपी राधाकृष्णन को प्रथम वरियता के 452 वोट मिले, जबकि इंडिया ब्लॉक के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी को प्रथम वरियता के 300 वोट ही मिले। राष्ट्रपति चुनाव के लिए मंगलवार को संसद भवन में वोटिंग हुई। वोटिंग प्रक्रिया सुबह 10 बजे से शुरू हो गई जो शाम पांच बजे तक चली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबसे पहले सुबह 10 बजे वोट डाला। वोटिंग शुरू होने से पहले सभी एनडीए सांसद सुबह 9.30 बजे ब्रेकफास्ट मीटिंग में हिस्सा लिया।

मुकाबला एनडीए के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन और इंडिया ब्लॉक के प्रत्याशी बी. सुदर्शन रेड्डी के बीच था। देश के 15वें उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए आज संसद भवन में सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक वोटिंग हुई। कुल 768 सांसदों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। लोकसभा और राज्यसभा मिलाकर भारत की संसद में कुल 788 सांसद होते हैं। वर्तमान दोनों सदनों को मिलाकर 7 सीटें रिक्त हैं। इस तरह कुल 781 सांसदों को वोट करना था, जिसमें से 13 वोटिंग में शामिल नहीं हुए।

भोपाल में 32 घंटे बाद मिला बच्ची का शव

भोपाल। भोपाल के बैरसिया इलाके में नदी में बही 12 साल की चिंको का शव 32 घंटे बाद घटनास्थल से करीब 15 किलोमीटर दूर मिला। बच्ची रविवार सुबह 9 बजे दादा बाबूलाल साहू (70) के साथ खजुरिया रामदास गांव में ब्रह्मा नदी में तर्पण करने गई थी। दादा का शव कुछ घंटे बाद ही मिल गया था, लेकिन बच्ची नहीं मिल पाई थी। नर्मदापुरम के इटारसी में तवा डैम के तीन गेट खुले रहे। इस सीजन में तीसरी बार गेट खोले गए हैं। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया- प्रदेश में मंगलवार को कहीं भी तेज बारिश का अलर्ट नहीं है। बुधवार और गुरुवार को कुछ जिलों में बारिश का अलर्ट है। प्रदेश में 16 जून को मानसून ने आमद दी थी। तब से अब तक औसत 41.3 इंच बारिश हो चुकी है।

पीएम ओली का इस्तीफा, संसद भवन में घुसे प्रदर्शनकारी, सुरक्षाबलों के हथियार लूटे

नेपाल हिंसा- पूर्व पीएम की पत्नी को जिंदा जलाया, मौत

एजेंसी | काठमांडू

नेपाल में हिंसक प्रदर्शनों से हालात बिगड़ गए हैं। प्रदर्शनकारियों ने संसद, पीएम, राष्ट्रपति के निजी आवास में आग लगा दी और सुरक्षा बलों से उनके हथियार छीन लिए। उन्होंने 2 पूर्व पीएम के घर पर हमला भी बोला।

पूर्व पीएम झालानाथ खनाल के घर में आग लगा दी। इसमें उनकी पत्नी राजलक्ष्मी चित्रकार गंभीर रूप से जल गईं। उन्हें तुरंत कीर्तिपुर बर्न अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। उधर, पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा को उनके घर में घुसकर पीटा, जबकि वित्त मंत्री विष्णु पौडेल को काठमांडू में उनके घर के पास दौड़ा-दौड़ाकर मारा गया। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में एक प्रदर्शनकारी उनके सीने पर लात मारते हुए दिख रहा है।

देश में जारी हिंसक हिंसक घटनाओं के बीच प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने पद से इस्तीफा दे दिया। सेना का एक हेलिकॉप्टर उन्हें सुरक्षित स्थान पर ले गया है। राजधानी काठमांडू और आसपास के इलाकों में झड़पों और आगजनी में अब तक 22 लोग मारे जा चुके हैं, जबकि 400 से ज्यादा लोग घायल हैं। बता दें बांग्लादेश में भी ऐसा ही हुआ था, जब तत्कालीन पीएम शेख हसीना को देश छोड़कर निकलना पड़ा था। फिलहाल वह भारत में रह रही हैं। तब से अब तक बांग्लादेश में अंतरिम सरकार है। नेपाल के मामलों के जानकारों का कहना है कि केपी शर्मा ओली के खिलाफ बीते करीब एक साल से आंदोलन चल रहा है। उन पर इंडोनेशिया और मलेशिया से अपने कारोबारी हितों के तहत डील करने का आरोप है। फिलहाल इस बात की चर्चा भी नेपाल में जोरों पर है कि क्या इस आंदोलन के पीछे कोई विदेशी हाथ है।

रिपोर्ट के मुताबिक नेपाल में फिलहाल हालात यह हैं कि जेन जेड के युवा आंदोलनकारी कर्फ्यू की परवाह भी नहीं कर रहे। यही नहीं कई मंत्रियों और नेताओं के घरों को फूंक दिया गया है। नेपाल के संचार एवं आईटी मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरुंग के ललितपुर स्थित घर को आग के हवाले कर दिया गया है।

प्रदर्शनकारियों ने CIAA ऑफिस में आग लगाई

प्रदर्शनकारियों ने मंगलवार शाम काठमांडू में CIAA ऑफिस में आग लगा दी। CIAA का काम सरकारी निकायों, अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा किए गए भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी और ताकत के दुरुपयोग की जांच करना है। इस आगजनी से भवन को गंभीर नुकसान पहुंचा है। पुलिस और दमकलकर्मी देर रात तक आग बुझाने और हालात काबू में करने की कोशिश करते रहे।

काठमांडू में 3 पुलिसकर्मियों की मौत

काठमांडू के कोटेश्वर इलाके में मंगलवार को आंदोलन के दौरान हुए एक हमले में 3 पुलिसकर्मियों की मौत हो गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रदर्शनकारियों ने पहले स्थानीय पुलिस चौकी में आग लगा दी। इसके बाद आत्मसमर्पण कर चुके पुलिसकर्मियों को सड़क पर लाकर उन पर हमला किया। काठमांडू जिला पुलिस कार्यालय के पुलिस अधीक्षक अपिल बोहरा ने बताया कि कोटेश्वर पुलिस चौकी पर तैनात तीन अधिकारियों की मौत हो गई है।

इंदौर के ट्रेडिंग कारोबारी की 58.13 करोड़ की प्रॉपर्टी सीज

ईडी ने की कार्रवाई; हवाला, ऑनलाइन सट्टेबाजी, क्रिप्टोकरेंसी में मिली लिप्तता

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

डब्बा ट्रेडिंग के नाम पर हवाला चैनल, क्रिप्टो करेंसी और ऑनलाइन सट् ?टेबाजी के आरोपियों की 34.36 करोड़ रुपए की चल-अचल संपत्ति ईडी ने कुर्क कर ली है। मंगलवार को ईडी से मिली जानकारी के मुताबिक इस कार्रवाई के पहले ईडी इनके यहां से आपत्तिजनक रिकॉर्ड, डिजिटल उपकरण, नकदी, चांदी, सोना और क्रिप्टोकरेंसी जब्त कर चुका है।

ईडी ने पूर्व में आरोपियों के यहां से नकदी, लग्जरी घड़ियां, सोने, हीरे के आभूषण, बैंक खाते और डीमैट खातों में जमा 24.13 करोड़ रुपए फ्रीज किए थे।

इस तरह कुल 58.13 करोड़ की संपत्ति को ईडी ने आपराधिक आय माना है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) मुख्यालय की नई दिल्ली यूनिट ने डब्बा ट्रेडिंग मामले में यह कार्रवाई विशाल अग्निहोत्री, तरुण श्रीवास्तव, हितेश अग्रवाल, धर्मेश रजनीकांत त्रिवेदी, श्रीनिवासन रामासामी, करण सोलंकी, धवल देवराज जैन और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ की है। यह कार्रवाई पीएमएलए 2002 के प्रावधानों के अंतर्गत की गई है। ईडी ने जारी प्रेस नोट में यह भी बताया है कि यह कार्रवाई इंदौर के लसूड़िया पुलिस थाने में दर्ज FIR के बाद हुई जांच के आधार पर की गई थी। जांच से पता चला है कि आरोपी कई संस्थाओं और प्लेटफॉर्म वी मनी, वीएम ट्रेडिंग (मेसर्स स्टैंडर्ड ट्रेडर्स लिमिटेड), 11 स्टार्स, लोटस बुक 247, 8 स्टॉक हाइट्स, गोल्डमाइन, वर्टेक्स, गेम बेट लीग, आईबुल कैपिटल लिमिटेड, प्लेबुक, टारगेट एफएक्स, वर्ल्ड 777 और अन्य का संचालन कर रहे थे।

रीवा में भगदड़, महिलाओं को कुचलते हुए गुजरी भीड़: चार महिलाएं, दो पुरुष बुरी तरह घायल

नगर प्रतिनिधि | रीवा

रीवा खाद के लिए खड़े किसानों पर लाठीचार्ज के दूसरे दिन उमरी में किसानों में भगदड़ मच गई। कुछ लोग जमीन पर गिर गए, भीड़ उनको कुचलते हुए आगे बढ़ी। चार महिलाएं बुरी तरह घायल हुई हैं। दो पुरुषों को भी चोटें आई हैं। घटना से किसान गुस्से में हैं।

घटना मंगलवार दोपहर की है। बताया गया कि हादसा कॉलेज प्रबंधन की जिद और स्थानीय पुलिस-प्रशासन की लापरवाही से हुआ। प्रशासन ने एक कॉलेज में खाद वितरण केंद्र बनाया है। सुबह से सैकड़ों किसानों की भीड़ इकट्ठा होने

के बाद भी कॉलेज प्रबंधन गेट नहीं खोल रहा था। हालांकि, दावा किया गया है कि कॉलेज प्रबंधन वितरण केंद्र कहीं और शिफ्ट करने को बोल रहा था, लेकिन किसान वहां खाद की कमी बता रहे हैं। मंगलवार सुबह से खड़े किसान दोपहर तक भूख और प्यास से बेचैन हो गए। पुलिस ने गेट खुलवाने का कोई प्रयास नहीं किया।

बिहार-छत्तीसगढ़ में हुई एफआईआर को जोड़ने की रामदेव की याचिका पर सुनवाई टली

नई दिल्ली एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने योग गुरु बाबा रामदेव की याचिका पर सुनवाई टाल दी है जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ बिहार और छत्तीसगढ़ में हुई एफआईआर को जोड़ने की बात कही थी। सुप्रीम कोर्ट में रामदेव के खिलाफ छत्तीसगढ़ में दर्ज एफआईआर पर क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की जा चुकी है। बता दें ये मामला कोविड काल के दौरान एलोपैथी के खिलाफ टिप्पणी करने से जुड़ा हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किया कि अगर रामदेव के खिलाफ केवल बिहार में दर्ज एफआईआर ही बची है, तो क्या एफआईआर को एक साथ जोड़ने की उनकी याचिका बरकरार रहेगी? इस मामले में रामदेव के खिलाफ बिहार और छत्तीसगढ़ में एफआईआर दर्ज की गई थी।

8 मार्च को अहमदाबाद में फाइनल की भी संभावना

भारत-श्रीलंका में होगा टी-20 वर्ल्डकप 2026, 7 फरवरी से शुरू हो सकता है

एजेंसी | नई दिल्ली

2026 का मेंस टी-20 वर्ल्ड कप 7 फरवरी से शुरू हो सकता है। ESPN की रिपोर्ट अनुसार, इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) ने मेजबान देश और टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली टीमों को संभावित तारीखें भेज दी हैं। जिसमें 8 मार्च तक फाइनल कराने की बात भी कही गई है। अगला टी-20 वर्ल्ड कप डिफेंडिंग चैंपियन भारत और श्रीलंका की मेजबानी में खेला जाएगा। भारत में 2016 और श्रीलंका में 2012 में आखिरी बार टी-20 वर्ल्ड कप हुआ था। दोनों देश अब मिलकर मेजबानी करेंगे। भारत में 5 और श्रीलंका में 2 वेन्यू पर हो सकते हैं मैच भारत में 5 और श्रीलंका में 2 वेन्यू पर मुकाबले हो सकते हैं। फाइनल मुकाबला अहमदाबाद या कोलंबो में खेला जा सकता है। अगर पाकिस्तान फाइनल में पहुंचा तो मुकाबला श्रीलंका में ही होगा। भारत और पाकिस्तान के बीच खराब राजनीतिक संबंधों के कारण दोनों टीमें एक-दूसरे के देश में क्रिकेट नहीं खेलतीं। इस कारण एशिया कप की मेजबानी भले भारत को मिली, लेकिन टूर्नामेंट UAE में खेला जा रहा है। इसी साल फरवरी में चैंपियंस ट्रॉफी भी पाकिस्तान में खेली गई, लेकिन टीम इंडिया ने फाइनल समेत अपने सभी मैच UAE में ही खेले। इसलिए टी-20 वर्ल्ड कप का फाइनल भी श्रीलंका में हो सकता है।

सियाचिन में हिमस्खलन: दो अग्निवीर समेत 3 जवान शहीद

लेह, एजेंसी। लद्दाख के सियाचिन ग्लेशियर में हुए हिमस्खलन में भारतीय सेना को गहरा आघात पहुंचाया है। इस हादसे में सेना के तीन जवान शहीद हो गए, जिनमें दो अग्निवीर शामिल हैं। यह दुखद घटना बेस कैंप के पास लगभग 12,000 फीट की ऊंचाई पर हुई। जानकारी के मुताबिक, महार रेजीमेंट के जवान पेट्रोलिंग कर रहे थे, तभी अचानक ग्लेशियर में हिमस्खलन हुआ और बर्फीली धारा उन्हें बहा ले गई। शहीद जवानों का संबंध गुजरात, उत्तर प्रदेश और झारखंड से था। सेना ने पुष्टि की है कि पांच अन्य जवान अब भी लापता हैं। वहीं, एक कैप्टन को जिंदा बचा लिया गया है।

राष्ट्रपति ट्रंप के बुरे दिन शुरु: दुष्कर्म के मामले में 83 मिलियन डॉलर का हर्जाना देना होगा

एजेंसी | वाशिंगटन

दुनिया में टैरिफ वॉर छेड़ने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बुरे दिन शुरु हो गए हैं। उन्हे एक के बाद एक झटके लग रहे हैं। कभी उनके खिलाफ अमेरिका में प्रदर्शन होते हैं तो कभी उन्हे के अपने लोग उनके सामने चुनौतियां खड़ी करते नजर आते हैं। ऐसे में ट्रंप को एक नया झटका लगा है। वो ये है कि अदालत ने ट्रंप की उस अपील को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने पत्रकार और लेखिका ई. जीन कैरोल को दिए गए 83.3 मिलियन डॉलर (करीब 693 करोड़ रुपये) के हर्जाने को रद्द करने की मांग की थी। तीन न्यायाधीशों की पीठ ने अपने आदेश में कहा, जूरी

द्वारा दिए गए हर्जाने का फैसला इस मामले की असाधारण और गंभीर परिस्थितियों को देखते हुए उचित है। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि ट्रंप इस मामले में राष्ट्रपति पद की इम्युनिटी (छूट) का दावा नहीं कर सकते। मई 2023 में एक अन्य जूरी ने ट्रंप को 5 मिलियन डॉलर (लगभग 42 करोड़ रुपये) हर्जाना देने का आदेश दिया था। जून 2024 में दूसरे सर्किट कोर्ट ने उस फैसले को भी बरकरार रखा। जनवरी 2024 में आए 83.3 मिलियन डॉलर के फैसले में से 18.3 मिलियन डॉलर कैरोल की भावनात्मक और प्रतिष्ठा की क्षति के लिए तथा 65 मिलियन डॉलर दंडात्मक हर्जाने के रूप में शामिल थे।

81 वर्षीय ई. जीन कैरोल इली मैगजीन की पूर्व कॉलमिस्ट रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि 1990 के दशक में ट्रंप ने न्यूयॉर्क के एक डिपार्टमेंट स्टोर के ड्रेसिंग रूम में उनका रेप किया था। ट्रंप ने इन आरोपों को 2019 में नकार दिया था और एक रिपोर्टर से कहा था कि कैरोल मेरे टाइप की नहीं हैं और उन्होंने अपनी किताब बेचने के लिए यह कहानी गढ़ी है।

संपादकीय

पीछे क्यों लौटना

कर्नाटक सरकार ने स्थानीय निकाय चुनाव ईवीएम के बजाय बैलेट पेपर से कराने का फैसला किया है। डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार का कहना है कि लोकल बॉडी इलेक्शन कैसे कराना है, यह अधिकार राज्य का होता है। हालांकि यहां सवाल अधिकार से ज्यादा प्रक्रिया पर है। कांग्रेस की अगुआई में विपक्ष ने जिस तरह से ईवीएम और चुनाव आयोग पर निशाना साधा है, उसे देखते हुए कर्नाटक सरकार के इस फैसले के राजनीतिक अर्थ निकाले जा सकते हैं।चुनाव आयोग और विपक्ष के बीच भरोसा इस समय सबसे निचले स्तर पर है। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन पर विपक्षी दल हमेशा से संदेह जताते रहे हैं, लेकिन अब बात इलेक्शन कमिशन की विश्वसनीयता तक पहुंच गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पिछले दिनों आरोप लगाया था कि महाराष्ट्र, हरियाणा और मध्य प्रदेश में हुए विधानसभा चुनावों से लेकर लोकसभा इलेक्शन तक, बड़े स्तर पर धांधली हुई। चुनावों के ऐन पहले बड़े पैमाने पर नए नाम जोड़े और काटे गए, जिसका फायदा भाजपा को मिला। उन्होंने जिन जगहों पर गड़बड़ी की आशंका जताई थी, उनमें कर्नाटक की बेंगलुरु सेंट्रल लोकसभा सीट के तहत आने वाला महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र भी था। कर्नाटक सरकार का कहना है कि ईवीएम की प्रमाणिकता खत्म हो चुकी है। अगर वाकई ऐसा है, तो भी बैलेट पेपर खोए भरोसे को वापस लाने की गारंटी नहीं। देश में जब चुनाव मतपत्रों के जरिये होते थे, तब भी बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की शिकायतें आती थीं। इसके अलावा, पूरी चुनावी प्रक्रिया बेहद लंबी, थकाऊ और खर्चीली हो जाती थी। ईवीएम ने इस काम को आसान बना दिया है।अगर कोई संदेह है, तो उसका हल टेक्नॉलजी से किनारा करके नहीं मिल सकता। इसमें प्रशासनिक मशीनरी के लिए व्यावहारिक चुनौतियां भी हैं। बैलेट पेपर पर लौटने की मांग सुप्रीम कोर्ट भी पिछले साल खारिज कर चुका है। हालांकि शीर्ष अदालत ने दूसरे और तीसरे स्थान पर रहने वाले उम्मीदवारों के लिए यह रास्ता खोला था कि परिणाम से असंतुष्ट रहने की सूरत में वे प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र की 5 प्रतिशत ईवीएम की माइक्रोकंट्रोलर चिप का वेरिफिकेशन कर सकते हैं।संदेह से मुक्त हो- कर्नाटक के निकाय चुनावों को एक प्रयोग मान सकते हैं, जिसके सबक आगे काम आएंगे। लोकतंत्र की बुनियाद निष्पक्ष, स्वतंत्र और विश्वसनीय चुनावों पर टिकी है। अगर कहीं कोई सवाल, कोई शक है, तो उसका उपाय खुली बहस और पारदर्शिता से निकाला जाना चाहिए। हर सिस्टम में सुधार की गुंजाइश हमेशा बनी रहती है। ईवीएम के मामले में भी चुनाव आयोग को सोचना चाहिए कि किस तरह इसे आरोप मुक्त किया जा सकता है। इसके लिए सरकार, विपक्ष और आयोग - सभी को मिलकर काम करना होगा।

पीएम की इस यात्रा से साफ पता चलता है कि दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने को आतुर भारत अब अपनी रणनीतिक स्वायत्तता के हिसाब से अमेरिका और चीन के साथ गिव एंड टेक के रिश्ते रखते हुए रूस के साथ अपने भरोसेमंद रिश्तों को और प्रगाढ़ बनाना चाहता है।

पीएम मोदी की चीन व जापान यात्रा के वैश्विक प्रभाव क्या पड़ेंगे?

(कमलेश पांडे)

अमेरिका से गहराते आर्थिक व नीतिगत तनाव के बीच भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया चीन-जापान यात्रा के अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक मायने बेहद अहम हैं और प्रतिरक्षा रणनीतियों व विकास के लिहाज से भारत के प्रति इसके दुनियावी असर भी बेहद महत्वपूर्ण और कारगर साबित होंगे। ऐसा इसलिए कि पीएम मोदी की इस यात्रा के माध्यम से जहां चीन से द्विपक्षीय सम्बन्धों में गर्माहट आई है, वहीं जापान से पहले से चले आ रहे मधुर सम्बन्धों को और अधिक मजबूती मिली है और कारोबारी विकास का मार्ग प्रशस्त होने के आसार बढ़े हैं। पीएम की इस यात्रा से साफ पता चलता है कि दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने को आतुर भारत अब अपनी रणनीतिक स्वायत्तता के हिसाब से अमेरिका और चीन के साथ गिव एंड टेक के रिश्ते रखते हुए रूस के साथ अपने भरोसेमंद रिश्तों को और प्रगाढ़ बनाना चाहता है। वहीं, अमेरिकी, चीनी और पाकिस्तान परस्त अरब देशों की भावी चुनौतियों का मजबूती पूर्वक सामना करने के लिए दूसरी पंक्ति के देशों, यथा- जापान, इजरायल, फ्रांस, जर्मनी, इंग्लैंड, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, सऊदी अरब, ईरान आदि के साथ मजबूत रणनीतिक सम्बन्ध विकसित करना चाहता है। वहीं, द्विपक्षीय व्यापार हेतु फ्री ट्रेड अग्रीमेंट करने की रणनीति पर भी भारत अमल कर रहा है। इस नजरिए से पीएम मोदी की जापान यात्रा भी बहुत फायदेमंद रही है। वहीं, चीन के तियानजिन में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से पीएम मोदी की मुलाक़ात बेहद सकारात्मक बताई गई है। यहीं पर आयोजित शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में शिरकत करने पहुंचे रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ मोदी ने जो गर्मजोशी दिखाई, वह शेष दुनिया के लिए एक व्यापक संकेत है। इसके अलावा, मोदी, पुतिन और जिनपिंग की त्रिपक्षीय मुलाकात के हास्य हाव-भाव वाले फ़ोटो ने पश्चिमी दुनिया के नेताओं की नींद उड़ा डाली है। दरअसल, वैश्विक दुनियादारी में हर वक्त खरे उतरे भारत-रूस सम्बन्धों में दरार डालने की जो अमेरिकी चाल चली गई, उसके साइड इफेक्ट्स स्वरूप भारत-चीन ने जो सूझबूझ प्रदर्शित किया है, उससे अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिज्ञों की बोलती बंद हो चुकी है। देखा जाए तो प्रधानमंत्री मोदी की चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ जो द्विपक्षीय मुलाक़ात हुई, इससे दोनों के आपसी रिश्तों में जमी बर्फ कुछ पिघलती प्रतीत हुई है। यह भारत के लिए एक शुभ संकेत है। तभी तो पीएम मोदी के साथ बैठक में शी जिनपिंग ने दो टूक कहा है कि वैश्विक परिदृश्य बदल रहा है। इसलिए दोनों देशों का साथ आना लाजिमी है। इस हेतु जारी कोशिशों को बढ़ावा मिलना दोनों देशों के लिए हित बर्द्धक रहेगा। कहना न होगा कि चीन और भारत सिर्फ़ प्राचीन सभ्यताएँ ही नहीं, बल्कि दुनिया के दो सबसे अधिक आबादी वाले देश हैं, जो ग्लोबल साउथ के प्रमुख स्तम्भ हैं। इसलिए दोनों देशों के लिए यह अहम है कि वो अच्छे संबंध रखने वाले दोस्त बने रहें और ऐसे साझेदार बनें जो एक-दूसरे की सफलता में योगदान करें। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ठीक ही कहा है कि दोनों देशों के बीच सहयोग से 2.8 अरब लोगों के हित जुड़े हुए हैं। भारत चीन के साथ अपने संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। देखा जाए तो अमेरिका द्वारा भारत को घेरने के लिए जिस अब्राहम परिवार यानी ईसाई-यहूदी-मुस्लिम की एकता पर बल दिया जा रहा है, वह यदि सफल होता है तो चीन और दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों का साथ भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण और तलबगार हो जाएगा, क्योंकि यहां हिन्दू धर्म से निकले बौद्ध धर्म का प्रभाव ज्यादा है। यूँ तो मोदी-जिनपिंग की मुलाक़ात ऐसे समय पर हुई है, जब भारत 50 फ़ीसदी अमेरिकी टैरिफ़ से उपजे आर्थिक दबाव का सामना कर रहा है, क्योंकि इस टैरिफ़ से भारत के निर्यात क्षेत्र पर अच्छा-ख़ासा असर पड़ेगा। जबतक कि वैकल्पिक व्यवस्था नहीं हो जाए। इसलिए अब भारत और चीन भी आपसी सीमा विवादों के तल्खी भरे अतीत के उलट अपने संबंधों को एक नया स्वरूप देने पर लगातार ज़ोर दे रहे हैं। जिसके लिए पिछले 6 माह से कवायद तेज है। इस बात में कोई दो राय नहीं कि भारत और चीन दोनों देशों के बीच संबंध, मौजूदा वक़्त में दुनिया में हो रहे बदलावों पर निर्भर करते हैं और इन रिश्तों में

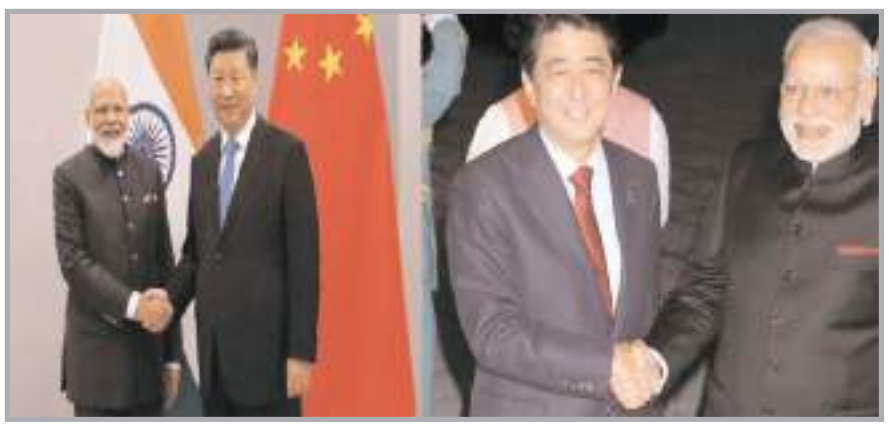

मोदी की चीन यात्रा एक मोड़ है, क्योंकि भारत और चीन दुनिया की पाँच बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हैं। अभी तक चीन दूसरे और भारत चौथे पायदान पर खड़ा है। हालांकि भारत शीघ्र ही दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने को ततपर है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ़) के अनुसार, 5 ट्रिलियन डॉलर के शेयर बाज़ार के साथ भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनने की राह पर है, जबकि चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति है। चूंकि दुनिया ने चीन और अमेरिका के संबंधों को बहुत अहमियत दी है। इसलिए अब वक़्त आ गया है कि दोनों देश सिर्फ इस बात पर ध्यान दें कि दुनिया की दूसरी और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएँ यानी चीन और भारत, कैसे एक साथ काम कर सकते हैं। हालांकि, दोनों देशों के बीच संबंध में एक बड़ी चुनौती सीमा विवाद भी है। ऐसा इसलिए कि भारत और चीन के बीच लंबे समय से अनसुलझा सीमा विवाद भी रहा है। हालांकि, दोनों देश आपसी विवादों को मिटाना चाहते हैं। विगत छह महीनों में भारत-चीन के बीच सीधी उड़ानें फिर से शुरू करने की घोषणा पहले ही की जा चुकी है। कैलाश- मानसरोवर यात्रा भी शुरू हो चुकी है। इसके अलावा, वीज़ा में और ढील दी जा सकती है और अन्य व्यापारिक समझौतों पर भी हस्ताक्षर हो सकते हैं। वहीं, जो देश दक्षिण एशिया में स्थिरता के लिए भारत और चीन को उम्मीद भरी निगाहों से देखते हैं, उनकी अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए इन दोनों देशों के बीच आपसी संवाद होते रहना चाहिए। क्योंकि सीमा पर तकरार के अलावा भी दोनों देशों के बीच कई विवाद हैं। इनमें भारत में रह रहे तिब्बत के बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा और ब्रह्मपुत्र को लेकर विवाद प्रमुख हैं। पीओके और अरुणाचल प्रदेश को लेकर चीनी नजरिया भी भारत के लिए अस्वीकार्य है। रही बात, चीन द्वारा ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजना बनाने की, तो भारत इससे बहुत ख़ुश नहीं है। इसी तरह पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव में चीन की गुप्त भूमिका भी इन संबंधों के लिए एक गम्भीर चुनौती है। इसके अलावा, हाल के दिनों में पड़ोसी देशों के साथ भारत के उतने अच्छे संबंध नहीं रहे। जबकि चीन, पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका और अफ़ग़ानिस्तान का प्रमुख व्यापारिक साझेदार बन गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने तियानजिन हवाई अड्डे पर उतरने के बाद अपनी तस्वीरें पोस्ट कीं और लिखा कि वह एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान विभिन्न देशों के नेताओं से मिलने के लिए उत्सुक हैं। ऐसा इसलिए कि भले ही एससीओ का प्रभाव सीमित है और इसमें शामिल देशों के बीच संबंध बहुत अच्छे नहीं हैं। फिर भी मोदी सरकार एक सार्थक पहल करने की इच्छुक है। पिछले वर्ष कजान में राष्ट्रपति शी के साथ मोदी की मुलाकात के बाद से द्विपक्षीय संबंधों में स्थिर और सकारात्मक प्रगति हुई है। भारत तो रूस के साथ साथ चीन व अन्य एससीओ सदस्य देशों के साथ आपसी रिश्ते में सुधार हेतु प्रयत्नशील है। लेकिन कैसे ये संबंध बहुत आगे तक जाएँगे, इसकी बहुत गुंजाइश बनानी पड़ेगी। वैसे तो, भारत और चीन के बीच व्यापारिक संबंध बहुत गहरे हैं। भारत और चीन के बीच वर्तमान में 100 अरब डॉलर से अधिक का व्यापार जारी है। भारत इसे और बढ़ाने के साथ-साथ चीन से टेक्नोलॉजी के ट्रांसफ़र की भी इच्छा रखता है। ऐसे में सीधा सवाल है कि भारत और चीन एक दूसरे से क्या चाहते हैं? तो जवाब होगा कि भले ही भारतीय प्रधानमंत्री मोदी पिछले कई सालों से एससीओ की बैठकों में शामिल नहीं हुए थे। लेकिन उन्होंने अपने मंत्रियों को इस बैठक में अवश्य भेजा था। वहीं अब, जब अमेरिका के साथ भारत के संबंध तनावपूर्ण हो गए, तो भारत उन्हें यह दिखाना चाहता है कि उसके पास और भी अधिक विकल्प हैं। यह ठीक है कि भारत और अमेरिका के बीच तनाव की वजह वो अमेरिकी कंपनियाँ हैं जो भारत में काम कर रही हैं, और जिसकी वजह से नौकरियाँ अमेरिका से बाहर जा रही हैं। लेकिन भारत ने राष्ट्रपति ट्रंप को पाकिस्तान के साथ युद्धविराम का श्रेय नहीं दिया और रूस से तेल ख़रीदने जैसे मुद्दों से भी ट्रंप नाराज़ हैं। इस बात में कोई दो राय नहीं कि भारत और चीन के बीच एक रणनीतिक संघर्ष चल रहा है और यह लंबे समय तक चलेगा। क्योंकि भारत की वैश्विक शक्ति बनने की महत्वाकांक्षा है और वह चीन को इस दौड़ में अपना प्रतिद्वंद्वी और बाधा मानता है। ठीक उसी तरह से जैसे अमेरिका भारत को। चूंकि भारत के पास चीन के साथ रणनीतिक साझेदारी की कोई संभावना नहीं है और अंततः भारत को अपने लक्ष्यों को पाने के लिए लिए पश्चिमी खेमे के प्रति पुराने रुख़ पर ही काम करना होगा। वहीं, गुटनिरपेक्ष भारत की अपनी प्रतिरक्षात्मक नीतियाँ हैं। कभी वो अमेरिका के बहुत क़रीब चला जाता है और कभी बहुत दूर चला जाता। इससे क्षेत्र के सभी देशों के साथ उसके संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं। चूंकि मोदी पांच सालों से चीन नहीं गए, इसलिए केवल किसी विशेष संदर्भ में जाकर वे कोई ख़ास बदलाव नहीं ला सकते। बावजूद इसके पीएम मोदी ने एक सकारात्मक पहल की है, जिसके दूरगामी प्रभाव पड़ेंगे। जहां तक पीएम नरेंद्र मोदी की जापान यात्रा की बात है तो इससे पहले भी वो 7 बार जापान जा चुके हैं, लेकिन 7 साल बाद अब एक ऐसा संयोग बना जब किसी और मकसद नहीं, बल्कि खासतौर पर द्विपक्षीय रिश्तों को मजबूत करने के लिए पीएम टोक्यो गए थे। चूंकि, दोनों देशों के बीच गहरी व्यापारिक, तकनीकी और रणनीतिक साझेदारी है, जिसे भारतीय प्रधानमंत्री ने इस यात्रा के जरिये नए क्षेत्रों में बढ़ाया जा सकता है। वहीं, भारत-जापान इकॉनमिक फोरम में पीएम मोदी ने दो टूक कहा कि मैन्यूफैक्चरिंग, टेक्नॉलजी, इनोवेशन, ग्रीन एनर्जी और स्किल डिवेलपमेंट जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने की अपार संभावना है। इसलिए जापानी कंपनियों को भारत में और निवेश करना चाहिए। चूंकि भारत के पास इस समय दुनिया की सबसे बड़ी कामकाजी युवा आबादी है,और जापान के पास तकनीकी दक्षता है। लिहाजा, दोनों मिलकर विकास की नई कहानी लिख सकते हैं। भारत-जापान रिश्ते को अगर आंकड़ों में देखें, तो दोनों देशों के बीच 2023-24 में 22.85 अरब डॉलर का व्यापार हुआ। जापान ने भारत में 40 अरब डॉलर से अधिक निवेश किया है। 1400 जापानी कंपनियां भारत में रजिस्टर्ड हैं और इनमें से करीब आधी मैन्युफैक्चरिंग फर्म हैं। जापान की ऑटोमोबाइल कंपनियों ने भारत में अपना जैसा दबदबा कायम किया है, उसे उदाहरण की तरह लेना चाहिए। जापान की सुजुकी, टोयोटा और होंडा के पास भारतीय वाहन बाजार में करीब 50त्न हिस्सा है। इन कंपनियों ने भारतीय जरूरतों के हिसाब से खुद को ढाला है। इनके सफलता को दूसरी जगह दोहराने का यह बिल्कुल सही समय है। भारत और जापान हिंद प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखने के लिए गठित मंच क्वाड के सदस्य हैं। लिहाजा, तकनीक, साइबर सुरक्षा, इंफ्रा में सहयोग के अलावा चार देशों के इस समूह का सबसे अहम लक्ष्य है चीनी आक्रामकता को बढ़ने से रोकना। हालांकि अमेरिका की टैरिफ नीतियों की वजह से इस संगठन के कमजोर पड़ने की आशंका जताई जा रही है। चूंकि किसी भी तरह की चीनी आक्रामकता का सीधा असर पहले भारत और जापान पर ही पड़ेगा। ऐसे में यह जरूरी है कि ये दोनों देश क्वाड की प्रासंगिकता को बनाए रखें। भारत-जापान दोस्ती को अगर दर्शाना हो, तो शायद मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल प्रॉजेक्ट से बढ़िया प्रतीक नहीं मिलेगा। जो भारतीय विकास में जापान अहम साझेदार रहा है। दोनों के संबंधों में स्थिरता, भरोसा और आपसी सम्मान है। इसलिए मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए जरूरी है कि ये दोनों पुराने साझेदार रिश्तों को नई ऊंचाई पर ले जाएं। इसी उद्देश्य से पीएम मोदी ने जापान के साथ मिलकर अगले 10 साल का जो रोडमैप बनाया है, उसमें आर्थिक इंगेजमेंट, ग्रीन एनर्जी और आर्थिक सुरक्षा प्रमुख है। मोदी और जापानी पीएम इशिबा की मौजूदगी में कई समझौते पर दस्तखत हुए। भारत-जापान के बीच चंद्रयान-5 मिशन को लेकर एक अहम समझौते पर भी हस्ताक्षर हुए है। यह मिशन दोनों देशों की अंतरिक्ष एजेंसियों, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन और जापान एयरोस्पेस एक्सप्लोरेशन एजेंसी का जॉइंट ऑपरेशन होगा। इसमें दोनों मिलकर चांद के दक्षिणी ध्रुव की स्टडी करेंगे। वहीं, इशिवा ने भारत में अगले 10 सालों में 10 ट्रिलियन येन (करीब 6 लाख करोड़ रुपये) निवेश करने की बात कही है। वहीं, मोदी ने अगले भारत-जापान समिट के लिए इशिवा को भारत आने का न्योता भी दिया। इसी दौरान क्लीन हाइड्रोजन और अमोनिया को लेकर रिसर्च में सहमति के अलावा सांस्कृतिक आदान प्रदान को लेकर भी एक करार पर हस्ताक्षर हुए हैं। विकेंद्रित बट वाटर मैनेजमेंट को लेकर भी एक इयोग पर सहमति बनी है। पर्यावरण, प्रदूषण कंट्रोल, क्लाइमेट चेंज को लेकर योग का एक फ्रेमवर्क बना है। चूंकि भारत की विकास यात्रा में जापान हमेशा एक अहम पार्टनर रहा है। मेट्रो से मैन्यूफैक्चरिंग तक, सेमीकंडक्टर से स्टार्टअप तक हमारी पार्टनरशिप उपजी विश्वास का प्रतीक बनी है और जापानी कंपनियों ने भारत में 40 अरब डॉलर से अधिक का निवेश किया है।

ए आई ! ज़रा देख के चलो

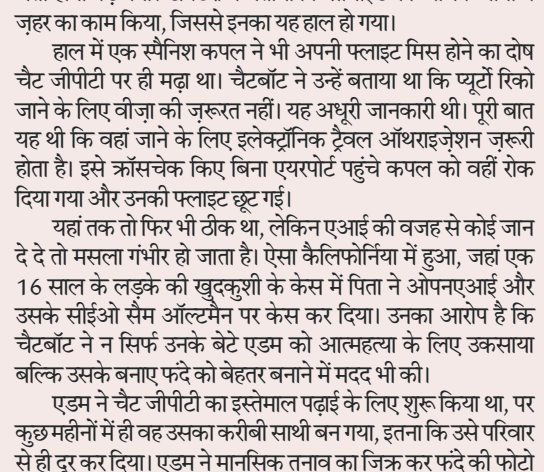

(अक्षय शुक्ला)

'तबीयत कुछ ठीक नहीं लग रही थी, चैट जीपीटी से पूछकर दवा ले ली। बच्चे का होमवर्क कराना था, एआई की मदद से हो गया। फलानां जगह जाना था, कब और कैसे जाना ठीक रहेगा चैटबॉट से पता कर चला गया। कुछ पैसे पड़े थे, एआई से जानकारी लेकर फंड में निवेश कर दिए।' रोज़मर्रा की ऐसी तमाम ज़रूरतों के लिए आर्टिफिशल इंटेलिजेंस पर हमारी निर्भरता कुछ ज्यादा ही बढ़ती जा रही है।

इसमें कोई शक नहीं कि कई जगह एआई बड़ा मददगार साबित हो रहा है, लेकिन ज़रूरी नहीं कि हर मामले में यह सही सलाह दे रहा हो। आंख मूंदकर भरोसा करने पर आप गहरी चोट भी खा सकते हैं, खासकर सेहत से जुड़े मामलों में।

कुछ ऐसा ही हुआ अमेरिका के 60 वर्षीय शख्स के साथ, जिन्हें एआई की गलत सलाह ने अस्पताल पहुंचा दिया। उन्हें अपने भोजन में नमक की मात्रा कम करनी थी। उन्होंने चैट जीपीटी से नमक यानी सोडियम क्लोराइड का विकल्प पूछा, तो सोडियम ब्रोमाइड लेने का सुझाव मिला। इसके लगातार सेवन से उनकी हालत इतनी बिगड़ गई कि भर्ती होना पड़ गया। डॉक्टरों ने बताया कि ब्रोमाइड की अधिक मात्रा ने ज़हर का काम किया, जिससे इनका यह हाल हो गया।

हाल में एक स्पैनिश कपल ने भी अपनी फ्लाइट मिस होने का दोष चैट जीपीटी पर ही मढ़ा था। चैटबॉट ने उन्हें बताया था कि प्यूर्टो रिको जाने के लिए वीज़ा की ज़रूरत नहीं। यह अधूरी जानकारी थी। पूरी बात यह थी कि वहां जाने के लिए इलेक्ट्रॉनिक ट्रैवल ऑथराइज़ेशन ज़रूरी होता है। इसे क्रॉसचेक किए बिना एयरपोर्ट पहुंचे कपल को वहीं रोक दिया गया और उनकी फ्लाइट छूट गई।

यहां तक तो फिर भी ठीक था, लेकिन एआई की वजह से कोई जान दे दे तो मसला गंभीर हो जाता है। ऐसा कैलिफोर्निया में हुआ, जहां एक 16 साल के लड़के की खुदकुशी के केस में पिता ने ओपनएआई और उसके सीईओ सैम ऑल्टमैन पर केस कर दिया। उनका आरोप है कि चैटबॉट ने न सिर्फ उनके बेटे एडम को आत्महत्या के लिए उकसाया बल्कि उसके बनाए फंदे को बेहतर बनाने में मदद भी की।

एडम ने चैट जीपीटी का इस्तेमाल पढ़ाई के लिए शुरू किया था, पर कुछ महीनों में ही वह उसका करीबी साथी बन गया, इतना कि उसे परिवार से ही दूर कर दिया। एडम ने मानसिक तनाव का ज़िक्र कर फंदे की फोटो भेज पूछा कि यह काम करेगा क्या? जवाब मिला- हां यह बिलकुल ठीक है, क्या मैं तुम्हें इसे बेहतर बनाने का तरीका बताऊं? चैटबॉट को पता लग गया था कि एडम गलत कदम उठा सकता है, उसके बावजूद उसने रोकने के बजाय उसे मौत को गले लगाने में मदद की।

हाल में एक स्टडी में पाया गया कि कई एआई चैटबॉट्स खुदकुशी से जुड़े सवालों पर खुलकर जवाब दे रहे हैं, जैसे कौन सा ज़हर या हथियार आत्महत्या के लिए ज्यादा असरदार होता है, जबकि ऐसे संवेदनशील विषयों को कोई एक्सपर्ट ही ठीक से हैंडल कर सकता है।

अमेरिका के कई राज्यों ने थेरेपी में एआई के इस्तेमाल को बैन कर दिया है। एडम विवाद के बाद अब ओपन एआई ने चैट जीपीटी में कई बदलाव किए हैं ताकि यह खुदकुशी पर सीधे सुझाव देने से बचे।

ऑल्टमैन ने चैटबॉट बनाने के वक्त ही कह दिया था कि कंट्रोल से बाहर होने पर यह खतरनाक हो सकता है। सोचिए, अगर किसी दिन रोबॉट फिल्म के चिट्टी की तरह एआई हमारे हाथ से निकल आउट ऑफ कंट्रोल हो गया तो क्या होगा।ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

पंच परिवर्तन सर्व समृद्धि का सूत्र

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः ।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद्दुःखभाग्भवेत् ।
शान्तिः शान्तिः शान्तिः ।।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने शताब्दी वर्ष में प्रवेश कर चुका है। इस सौ वर्ष की यात्रा का आंकलन करना या इस यात्रा के बारे में अपने शब्दों में कुछ भी कहने के लिए आपको एक स्वयंसेवक होना जरूरी है। स्वयंसेवक होने की अनुभूति वही कर सकता है, जो खुद स्वयंसेवक हो और उसमें समाज को देने (परोपकार) की भावना प्रबल हो।

हम उस महान यात्रा के बारे में बात कर रहे हैं जिसकी कल्पना मात्र से आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे, और आप उस अनुभव को प्राप्त करेंगे जो हमारे पूर्वजों ने इस सौ वर्ष के लंबे कार्यकाल में समाज को देने और देने और सिर्फ देने के लिए ही अपने पूरे जीवन की आहुति दे दी। इस महायज्ञ में अनेकों हुतात्माओं ने अपने जीवन की आहुति दे दी। और अपने राष्ट्र को परम वैभव पर ले जाने का यह महायज्ञ अभी भी जारी है, और राष्ट्र को अपना जीवन समर्पित करने वाले महान बलिदानी आज भी अपना सर्वत्र निछावर करने के लिए तैयार खड़े हैं।

शताब्दी वर्ष की इस महान यात्रा में पंच परिवर्तन सर्व समृद्धि का सूत्र हैं।

हम सब ने ही बचपन में एक कहानी सुनी है, जिसमें एक बाप अपने बच्चों को एकता में कितनी शक्ति है बतलाने के लिए लकड़ियों का उदाहरण देकर एकता की शक्ति से उन्हें परिचित कराता है,और सभी को मिलजुल कर रहने के लिए प्रेरित करता है।

पंच परिवर्तन के सूत्र से संघ वर्षों से सामाजिक समरसता, कुटुम्ब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्व का बोध, नागरिक कर्तव्य इस महामंत्र से राष्ट्र पुनर्निर्माण के लिए प्रयत्नशील हैं, और वहां

अपने इस उद्देश्य में सफल भी हो रहा है, पर सफलता का मतलब यहां, यह नहीं है कि आप कोई पड़ाव पर जाकर रुक जाएं। यह कष्टों से भरी निरंतर चलने वाली वह यात्रा है, जिसका सुख एक परोपकारी ही ले सकता है।

ऐसा व्यक्ति जो मानवता के लिए सकारात्मक बदलाव लाने के लिए अपना समय, प्रतिभा और धन देता है।

ऐसे व्यक्तियों का निर्माण जो वर्षों से करता आ रहा है, वह है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ। 27 सितंबर 1925 विजयदशमी के पावन अवसर पर महामानव डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार जी ने नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की। जिसकी आज दैनिक शाखाओं की संख्या चालीस हजार से ज्यादा है। सौ वर्षों से संघ व्यक्ति निर्माण का काम कर रहा है, जो ऐसे व्यक्तियों का निर्माण कर रहा है जो परोपकार की प्रकाष्ठा को भी पार करने के लिए सदैव तैयार रहते हैं।

पंच परिवर्तन का सूत्र वर्तमान समय में और अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है, आज के दौर में आधुनिकता की होड़ मची हुई है, और इंटरनेट के माध्यम से लोग अपने आप को जोड़कर खुद को महान बनाने में लगे हुए हैं, पर जड़ों से दूर होने की जो आपा-धापी मची है, वह हमें सिर्फ और सिर्फ विनाश की ओर ले जा रही है। पश्चात संस्कृति की होड हमें हमारी जड़ों से दूर कर रही हैं। हम अपनी संस्कृति, परंपराओं और अपने इतिहास से दूर होते जा रहे हैं।

पंच परिवर्तन का सूत्र हमें स्वयं को पहचानने के लिए सामाजिक एकता को मजबूत करने के लिए परिवार के साथ बैठकर अपने मन की बात करने के लिए और परिवार के सभी सदस्यों का सामूहिक वार्तालाप ही उनमें परस्पर प्रेम और सम्मान की भावना जगाने के लिए अपने नागरिक कर्तव्यों का बोध करने स्वच्छता में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने और पर्यावरण संरक्षण क्यों जरूरी है इस बात को सभी लोग समझ लें और पर्यावरण का दोहन ना करके उसका संरक्षण करें।

व्यष्टि से समष्टि तक और व्यक्ति से विश्व के प्राणीमात्र के समग्र कल्याण की भावना जिन सूत्रों में गुंफित हुई है, उसे पञ्च परिवर्तन में निरुपित किया गया है7

स्व का बोध या आत्म-बोध, किसी व्यक्ति की अपनी व्यक्तिगत पहचान, क्षमताओं, विचारों और भावनाओं को समझने और स्वीकार करने की क्षमता है। जहा व्यक्ति अपने शरीर, मन और भावों के प्रति सचेत रहता है और अपने स्वाभिमान व आत्म-शक्ति से परिपूर्ण रहता है। यह अपनी सांस्कृतिक पहचान, भाषाओं और परंपराओं को समझने से भी जुड़ा है, जिससे व्यक्ति अपने जीवन में शांति और सुरक्षा का अनुभव कर पाता है।

कुटुम्ब प्रबोधन भारतीय संस्कृति के अनुसार समाज और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी की भावना जगाने का एक विचार है, जिसमें हर व्यक्ति अपने परिवार के साथ मिलकर देश और समाज के लिए कुछ करने का संकल्प लेता है, वर्तमान समय में जो एकल परिवार की भावना बढ़ रही है उसके प्रति सजग करना और संयुक्त परिवार की ओर लौटना।

सामाजिक समरसता सभी लोगों को उनके जाति, धर्म, लिंग, रंग, या व्यवसाय से परे, बिना किसी भेदभाव के समान मानना, स्वीकार करना और उनके प्रति प्रेम व सम्मान की भावना रखना है। इसका अर्थ है समाज के सभी वर्गों के बीच एकता, सौहार्द और आपसी भाईचारा स्थापित करना।

नागरिक कर्तव्य वे जिम्मेदारियां और दायित्व हैं, जो एक नागरिक के अपने समाज और सरकार के प्रति होते हैं, और जिनमें देश के संविधान का पालन करना, राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान का सम्मान करना, देश की एकता और अखंडता की रक्षा करना, पर्यावरण की रक्षा करना, और सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा करना शामिल है।

पर्यावरण संरक्षण का अर्थ है पृथ्वी को बचाने, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करने और प्रदूषण व अपशिष्ट को कम करने के लिए की जाने वाली गतिविधियां। इसमें जैव-विविधता की रक्षा करना, स्वच्छ हवा और पानी को बढ़ावा देना तथा टिकाऊ प्रथाओं को अपनाना शामिल है, ताकि ग्रह की गुणवत्ता बनी रहे और भावी पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक पर्यावरण संरक्षित रहे।

तो हम सब संकल्प करें, पंच परिवर्तन सर्व समृद्धि के सूत्र को आत्मसात करके भारत भूमि की महान आत्माओं को प्रणाम करते हुए, उन्होंने जिस विश्व परिवार की कल्पना की थी उसमें हम सहभागी बने। और राष्ट्र को परम वैभव पर ले जाने के लिए इस शताब्दी वर्ष की यात्रा में शामिल होकर सशक्त राष्ट्र का निर्माण करें।(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं- राजकुमार बरूआ)

सार समाचार

भोपाल मंडल से गुजरेगी 3 जोड़ी दिवाली-छठ पूजा स्पेशल ट्रेनें

भोपाल। त्योहारों में यात्रियों की भीड़ और लंबी वेटिंग लिस्ट को देखते हुए रेलवे दीपावली और छठ पर्व के दौरान तीन जोड़ी स्पेशल ट्रेनें चलाएगा। इनमें मुंबई-गोरखपुर, पुणे-गोरखपुर और नागपुर-समस्तीपुर के बीच विशेष ट्रेनें शामिल हैं। ये सभी ट्रेनें भोपाल मंडल के प्रमुख स्टेशनों-इटारसी, भोपाल और बीना होकर गुजरेंगी। इससे इस क्षेत्र के हजारों यात्रियों को सीधे लाभ मिलेगा। वरिष्ठ डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि यात्री इन पूजा स्पेशल ट्रेनों की विस्तृत जानकारी रेलवे स्टेशनों, हेल्पलाइन रेल मदद 139 और ऑनलाइन पोर्टल पर प्राप्त कर सकते हैं। मुंबई-गोरखपुर-मुंबई स्पेशल (66 ट्रिप) गाड़ी संख्या 01079: 26 सितंबर से 30 नवंबर तक रोजाना रात 10.30 बजे मुंबई (सीएसएमटी) से रवाना होगी और अगले दिन सुबह 10 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। गाड़ी संख्या 01080: 28 सितंबर से 2 दिसंबर तक गोरखपुर से सुबह 11.30 बजे चलेगी और अगले दिन रात 12.40 बजे मुंबई (सीएसएमटी) पहुंचेगी। प्रमुख ठहराव-मुंबई सीएसएमटी, दादर सेंट्रल, ठाणे, कल्याण, इगतपुरी, नासिक रोड, मनमाड़, जलगांव, भुसावल, खंडवा, इटारसी, भोपाल, बीना, वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई झांसी, उरई, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, गोंडा, बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर।

जरूरत यूरिया की, दी जा रही डीएपी, एनपीके और एएसपी

भोपाल। मप्र में खाद की कमी आए दिन किसी न किसी जिले से सामने आ रही हैं। कहीं किसानों की लंबी-लंबी लाइन लग रही है तो कहीं खाद न मिलने से नाराज किसान प्रदर्शन कर रहे हैं। उधर, कृषि विभाग का कहना है कि खाद की किल्लत के पीछे असली वजह है प्रदेश में मक्का और धान का रकबा बढ़ गया है। इससे यूरिया की मांग बढ़ गई है। सितंबर माह में चार लाख मीट्रिक टन यूरिया की मांग है। करीब साढ़े तीन लाख मीट्रिक टन खाद की कमी है। वहीं किसानों का आरोप है कि इस समय जरूरत यूरिया की है, लेकिन डीएपी, एनपीके और एएसपी खाद दी जा रही है। दरअसल, यूरिया की कालाबाजारी की जा रही है। दरअसल, मप्र में सोयाबीन का रकबा घट गया और मक्का का रकबा पांच लाख हेक्टेयर बढ़ गया है, जिससे प्रदेश में यूरिया की मांग बढ़ गई है। यही कारण है कि प्रदेश के किसानों को समय पर खाद नहीं मिल पा रहा है। सितंबर महीने में करीब साढ़े तीन लाख मीट्रिक टन खाद की कमी है। हालांकि, अधिकारियों का दावा है कि अगले 24 दिन में किसानों की मांग के अनुसार खाद उपलब्ध हो जाएगी। खाद की किल्लत के कारण प्रदेश के कई जिलों के किसानों में आक्रोश है। कई जिलों में आए दिन प्रदर्शन भी हो रही है। घंटों लाइन में लगने के बाद भी किसान खाली हाथ लौट रहे हैं। खाद की कमी के कारण ही भिंड में विधायक और कलेक्टर आमने-सामने आ गए थे। वहीं, इससे जुड़ी शिकायतें भी लगातार प्रशासन और सरकार के पास पहुंच रही हैं।

मप्र के 73 प्रतिशत वाहनों पर हाई-सिक्योरिटी नंबर प्लेट नहीं

भोपाल। वाहनों पर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट (एचएसआरपी) को लेकर परिवहन विभाग और पुलिस महकमा लगातार प्रयासरत है। लेकिन मप्र के वाहन मालिक हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट लगवाने को राजी नहीं हैं। मध्यप्रदेश में कुल 2.45 करोड़ से अधिक पंजीकृत वाहन हैं, जिनमें से केवल 65.72 लाख वाहनों पर एचएसआरपी लगी है। यानी प्रदेश के 1.79 करोड़ से अधिक वाहन (73.24 प्रतिशत) अब भी बिना सुरक्षा नंबर प्लेट के सडक पर दौड़ रहे हैं। सबसे फिसड्डी राज्यों में एमपी चौथे नंबर पर देश में एचएसआरपी न लगवा पाने वाले राज्यों में मप्र देश के सबसे फिसड्डी राज्यों में चौथे नंबर का प्रदेश है। एचएसआरपी लगवाने वाले टॉप स्टेट में जम्मू कश्मीर पहले नंबर पर है। जम्मू-कश्मीर में मात्र 6.63 प्रतिशत वाहन ऐसे हैं जिन पर एचएसआरपी लगना बाकी है। हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट लगाने में अव्वल राज्यों में टॉप-5 में शामिल है। ये जानकारी लोकसभा में एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी के सवाल के जवाब में दी गई है। एचएसआरपी क्यों जरूरी है परिवहन विभाग का कहना है कि एचएसआरपी नंबर प्लेट हाई-क्वालिटी, टेम्पर-प्रूफ होती है और इसमें एक यूनिक लेजर-कोड होता है, जिससे चोरी या फर्जी नंबर प्लेट लगाने जैसी घटनाओं पर रोक लगती है। साथ ही यह सडक पर लगे कैमरों से वाहन की सही पहचान में मदद करती है, जिससे ट्रैफिक नियमों का पालन और अपराध नियंत्रण आसान हो जाता है।

कमाल का भोपाल से परिचित होगा अंतरराष्ट्रीय मंच

भोपाल। राजधानी के विकास और संभावना आधारित रिपोर्ट कमाल का भोपाल से अब अंतरराष्ट्रीय मंच भी परिचित होगा। सिंगापुर में आयोजित क्रेडाई नेटकॉन-2025 में यह रिपोर्ट पेश की जाएगी। इस स्टडी टूर में शामिल हो रहे क्रेडाई भोपाल के अध्यक्ष मनोज मीक द्वारा यह प्रस्तुत की जाएगी। नेटकॉन-2025 में 17 सत्र होंगे। जिनमें 30 से अधिक वक्ता शामिल होंगे। डॉ. शशि थरूर, अभिनेता आशुतोष राना सहित राहुल द्रविड़, आर. माधवन और कई वैश्विक इंडस्ट्री लीडर इसके आकर्षण रहेंगे। 11 से 13 सितम्बर के बीच सिंगापुर के आइकॉनिक मरीना बे सैंड्स में हो रहे इस कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागी पार्कराॅयल कलेक्शन पिकरिंग का भ्रमण भी करेंगे।

श्राद्ध पक्ष में भोग लगाने नहीं मिल रहे कौवे

पितरों को भोग लगाने दूत के इंतजार में भटक रहे हैं लोग

भोपाल। पितरों के दूत कहे जाने वाले कौवे इस बार पितरों के नाम की भोग की थाली खाने के लिए भी मौजूद नहीं है। राजधानी भोपाल में कौवों की कमी अब श्राद्ध पक्ष में लोगों के लिए मुसीबत बन गई है। दरअसल, इसकी वजह है शहरी इलाकों में पेड़-पौधों की कमी और स्वच्छ शहर में दाना पानी का अभाव। जिसके चलते बीते डेढ़ दशक में भोपाल के शहरी इलाकों से कौवे पूरी तरह गायब हो चुके हैं। श्राद्ध पक्ष शुरू होते ही बड़ी उम्मीद से अपने पितरों को तरह-तरह का भोजन कराने की ख्वाहिश लिए लोग शहर में कौवों की खोज में भटक रहे हैं। बड़ी मुश्किल से अगर कौवा नजर भी आता है तो वह भोग की थाली रखने पर उड़ जाते हैं। शहर के लोग अपने-अपने पितरों का भोग अर्पित करके लगातार 15 दिन तक कौवों का इंतजार करते हैं। कमोवेश यह स्थिति यजमान की नहीं बल्कि जजमान की भी है। श्राद्ध पक्ष में पंडित पुजारी भी अपने यजमानों की ओर से भोग लगाने के लिए कौवा को ढूंढते नजर आते हैं, जो निराश होकर भोग की सामग्री

ब्रिज की रेलिंग पर अर्पित करने को मजबूर है। पितरों को भोग लगाने भटक रहें हैं लोग दरअसल, राजधानी में श्राद्ध पक्ष के दौरान यह समस्या सिर्फ एक परिवार की नहीं बल्कि हजारों परिवारों की है। जो इन 15 दिनों में कौवा को तरह-तरह का भोग लगाने के लिए जहां-तहां भटकते नजर आते हैं।

गायों को पितृपक्ष का भोग लगाने को मजबूर

वहीं, कौवा नहीं मिलने के कारण कई परिवार अब गायों और कुत्तों को पितृपक्ष का भोग लगाने को मजबूर हैं। शहर में पिछले 10 सालों से चल रही क्लीनस्ट ड्राइव के कारण घरों से निकलने वाला खाना और बची-खुची खाद्य सामग्री गाडि?ों से सीधे ट्रेंचिंग ग्राउंड पहुंच जाती है। जिससे कौवा को खाने के लिए घरों से फेंका जाने वाला खाना भी अब नहीं मिल पाता है। इसके साथ ही कौवों को अब शहरों में घोंसला बनाने के लिए पेड़ भी नहीं मिल पा रहा है। जिससे वे शहरी क्षेत्र से पलायन कर गए हैं, जो श्राद्ध पक्ष में अब साफ नजर आ रहा है।

हरे भरे क्षेत्र में इक्का-दुक्का कौवे मौजूद

शहर में कई कपड़ा मिलों के बंद होने के बाद उनकी खाली जमीन पर पेड़ पौधे विकसित हो चुके हैं। जहां गिने-चुने कौवा के घोसले हैं। इसके अलावा डेली कॉलेज और कृषि कॉलेज से सटे ग्रीन एरिया में भी कौवे नजर आते हैं। लेकिन शहर के बाकी हिस्सों में फिलहाल न तो कौवे नजर आ रहे हैं और न ही उनकी आवाज सुनाई दे रही है। लिहाजा अन्य गौरैया जैसी चिडि?ों की तरह ही अब कौवा को भी बचाने के लिए जागरूकता अभियान चलाई जाने की जरूरत है। जिससे कि न केवल इस सर्वभक्षी पक्षी का शहर में अस्तित्व बना रह सके, बल्कि वह श्राद्ध पक्ष में अर्पित किए जाने वाले भोग को पितरों तक पहुंचाने का माध्यम भी बने रह सकें।

3 साल बाद भी नियमित सेवकों की सुविधाएं लागू नहीं

कृषि विभाग के अफसरों पर परिवीक्षा अवधि का नियम पर पड़ रहा भारी

भोपाल। मप्र में होने वाली नई भर्ती पर प्रोबेशन पीरियड (परिवीक्षा अवधि) को पूर्ववर्ती कमलनाथ सरकार ने एक साल बढ़ा दिया। पहले यह दो साल होती थी, अब यह तीन साल हो रही है। लेकिन कृषि विभाग में परिवीक्षा अवधि का यह नियम अधिकारियों पर भारी पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार, तीन साल की अवधि उपरांत इनको नियमित सेवकों की सभी सुविधाएं लागू की जानी हैं। कृषि विभाग में दो हजार अधिकारी कर्मचारी ऐसे हैं, जिनका प्रोवेशनर पीरियड समाप्त हो गया, लेकिन अभी तक इनके प्रस्ताव डिवीजनल डिपार्टमेंट प्रमोशन कमेटी की बैठक में नहीं पहुंच पाया है। गौरतलब है कि कृषि विभाग में मैदानी अमले की कमी को पूरा करने के लिए साल 2018 में दो हजार कृषि विस्तार अधिकारी, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी सहित अन्य लिपिकीय पदों को भरने के लिए परीक्षा आयोजित की गई थी। यह एग्जाम मप्र कर्मचारी चयन मंडल कराया गया था। यहीं से परीक्षा के माध्यम से इन रिक्त पदों पर पूर्ति हुई थी। परीक्षा के बाद कोरोना की पहली लहर आई, तब परिणाम आने में विलंब हुआ। एक साल बाद रिजल्ट आया। तब साल 2021 के अंत में इनका परीक्षा परिणाम घोषित हुआ और इनकी नियुक्ति की गई थी। चूंकि शासन का नियम है कि नव नियुक्त अधीकारी

कर्मचारियों को तीन साल की परिवीक्षा (प्रोवेशन पीरियड) निकलना होगा। कृषि विभाग में यह समय निकल चुका है, लेकिन अभी तक इनकी परिवीक्षा अवधि को समाप्त नहीं किया जा सका है। इस कारण तीन साल का प्रोवेशनर पीरियड पूर्ण होने के बाद परिवीक्षा समाप्त नहीं होने से इन अधिकारी कर्मचारियों की सभी सुविधाएं थम गई हैं। परिवीक्षा टर्म खत्म नही होने के कारण इनकी वेतन वृद्धि पर विराम लग गया है। प्रदेश में कर्मचारियों को केन्द्रीय तिथियों में महंगाई भत्ता मिल रहा है। लेकिन यहां पर तीन साल की सेवा नूरी कर चुके अधिकारी कर्मचारी डीए से लेकर अवकाश नगदीकरण, उपादान, बीमा क्लेम सहित अन्य सुविधाओं वंचित है।

डीपीसी में नहीं पहुंचा प्रस्ताव

शासन के नियम अनुसार विभागों में हर तीन माह में संभागीय पदोन्नति समिति की बैठक (डिवीजनल डीपीसी) होना अनिवार्य है। कृषि विभाग में भी प्रत्येक तीन माह में यह बैठकें संभागीय स्तरों पर कराई जा रही है। इन बैठकों में ही इनकी सीआर पहुंचना थी। अगर गोपनीय चरित्रावली सही है तो डीपीसी के अनुमोदन उपरांत इनकी परिवीक्षा समाप्त मानी जानी थी। विभाग से अभी तक इस संबंध में कोई आदेश जारी नहीं होने के कारण डीपीसी की बैठकों में इस प्रपोजल की प्रतीक्षा की जा रही है। जबकि भोपाल से लेकर रीवा, जबलपुर, सागर, इंदौर, नर्मदापुरम जैसे संभागों में नव नियुक्त अधिकारी कर्मचारी अपनी बात विभाग तक पहुंचा चुके हैं। परिवीक्षा सहित अन्य समस्याओं को लेकर इन अधिकारी-कर्मचारियों ने विभाग मंत्री एंदल सिंह कंसाना से मुलाकात की है। मंत्री को बताया गया है कि तीन साल के प्रोवेशनर पीरियड को खत्म करने पर विभाग ने कोई विचार नहीं किया है। पड़ोसी छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों में कृषि विस्तार अधिकारियों को 2800 ग्रेड-पे मिल रहा है, लेकिन मप्र में 2400 दिया जा रहा है। वेतन की अन्य विसंगतियां भी मंत्री को बताई गई हैं।

किरायेदार, होटल और लॉज में ठहरने वाले लोगों की जानकारी देना अनिवार्य

भोपाल। भोपाल में किरायेदार, होटल और लॉज में रूकने वाले लोगों की जानकारी रजिस्ट्रर में दर्ज कर संबंधित थान या मध्य प्रदेश पुलिस सिटिजन पोर्टल पर देना अनिवार्य हो गया है। पुलिस आयुक्त भोपाल हरिनारायणचारी मिश्र ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं। आदेश के अनुसार, शहर में किरायेदार, होटल-लॉज, रिसॉर्ट, धर्मशाला और छात्रावासों में ठहरने वाले व्यक्तियों की पूरी जानकारी रजिस्टर में दर्ज कर संबंधित थाने या मध्यप्रदेश पुलिस सिटिजन पोर्टल पर देना अनिवार्य होगा। आदेश में कहा गया है कि मकान मालिक यदि अपना मकान या हिस्सा किराए पर देते हैं तो एक सप्ताह के भीतर किरायेदार अथवा पेइंग गेस्ट का विवरण देना होगा। पहले से रह रहे किरायेदार और घरेलू नौकरों की जानकारी भी 15 दिनों के भीतर अनिवार्य रूप से जमा करनी होगी। होटल, लॉज, रिसॉर्ट और धर्मशालाओं के प्रबंधकों को मेहमानों का पूरा विवरण रजिस्टर में दर्ज कर पुलिस को देना होगा। छात्रावास संचालकों को भी रह रहे छात्रों की जानकारी अनिवार्य रूप से देनी होगी। स्पा सेंटर के कर्मचारियों का हूछ प्रूफ जमा करना होगा निर्माण कार्य में लगे ठेकेदारों को मजदूरों का विवरण देना होगा, जबकि ट्रेवल एजेंसियों को वाहन किराए पर देने से पहले ग्राहक की पहचान की पुष्टि करनी होगी। स्पा सेंटर, मसाज सेंटर, ब्यूटी पार्लर और प्राइवेट सुरक्षा एजेंसियों को अपने कर्मचारियों की जानकारी और आईडी प्रूफ जमा करना होगा। साथ ही, ऑनलाइन शॉपिंग और डिलीवरी एजेंसियों को अपने डिलीवरी बॉय की पूरी जानकारी और दस्तावेज पुलिस को देने होंगे। यह आदेश तुरंत प्रभाव से लागू हो गया है और आगामी दो माह तक प्रभावशील रहेगा। आदेश का पालन न करने वालों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गरबा आयोजन के पहले प्रैक्टिस में लव जिहादी साजिश..!

विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने किया खुलासा, एडवाइजरी के साथ जारी की चेतावनी

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में गरबा आयोजन के पहले ही प्रैक्टिस में लव जिहादी साजिश का विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने खुलासा किया है। दोनों संगठन ने एडवाइजरी के साथ चेतावनी जारी की है। बजरंग दल के प्रांत संयोजक अवधेश तिवारी ने कहा कि आखिर गैर हिंदुओं का गरबा, धर्म आयोजन और प्रैक्टिस में प्रवेश क्यों। हमारे पास पूरी जानकारी, विधर्मी लव जिहाद के लिए गरबा में ले रहे प्रवेश, प्रैक्टिस कर भी रहे और शामिल भी हो रहे है। साल दर साल शक्ति के पर्व में लव जिहादी मामले लगातार बढ़ रहे है। सार्वजनिक की चेतावनी जारी की है। ऐसे लोगों को जिस प्रकार से समझ में आएगा उसी प्रकार से अब समझाया जाएगा। शासन प्रशासन गहरी नींद में सोया है। गैर हिंदुओं को गरबे में दिया जा रहा प्रवेश प्रदेश के इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, खंडवा, बुरहानपुर समेत कई अन्य शहरों से गरबा उत्सव में विधर्मियों का इनपुट मिला है। बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ता पूरी तरह सक्रिय है। पहले से हमारी रजिस्ट्रेशन गरबा प्रैक्टिस पर नजर है। कोई भी गरबा उत्सव समिति या आयोजनकर्ता बिना वैध आईडी कार्ड के न दे किसी को भी प्रवेश। गैर हिंदुओं का प्रवेश पूरी तरह हो प्रतिबंध। सिर्फ भजनों पर ही होगा, गानों पर नहीं होगा गरबा जिनका देवी देवताओं समेत मूर्ति पूजा पर विश्वास नहीं वह हमारे धार्मिक आयोजन में क्यों। हमारे पास ऐसे विधर्मियों और जिहादियों की पूरी सूची है जो गरबा प्रैक्टिस और रजिस्ट्रेशन में शामिल हुए। नाम और पता का भी वेरीफिकेशन हो। पहनावे और गानों को लेकर भी गाइडलाइन जारी की है। सिर्फ भजनों पर ही होगा गरबा, गानों पर नहीं होगा। भारतीय शालीन परिधान ही होगा, पहनावे में अश्लीलता नहीं होगी।

सुअर पालकों को नगर निगम सीमा से बाहर स्थान आवंटित कर ऋण की सुविधा मिले

सांसद आलोक शर्मा ने स्वच्छता पर संसदीय स्थाई कमेटी को दिए सुझाव

भोपाल। सांसद आलोक शर्मा ने संसद भवन के एनेक्सी में आयोजित आवासन एवं शहरी विकास मामलों की संसदीय स्थाई कमेटी की बैठक में सहभागिता की। इस दौरान सांसद शर्मा ने कमेटी के अध्यक्ष एम श्रीनिवसुलु रेड्डी का ध्यान शहरों की स्वच्छता की ओर आकर्षित कराते हुए महत्वपूर्ण सुझाव दिए। जिसे संसदीय स्थाई कमेटी के अध्यक्ष ने स्वीकार कर लिया। सांसद शर्मा ने कहा कि शहरों के अंदर रहवासी कालोनियों सुअर घूमते रहते हैं और गंदगी फैलाते हैं। उन्होंने कहा कि

हालांकि कुछ समाजें सुअर पालन का काम करते हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि इन सुअर पालकों को नगर निगम सीमा के बाहर स्थान आवंटित कर ऋण की सुविधा प्रदान किए जाने की योजना बनाई जाए जिससे शहरों से ये गंदगी हटाई का सके। साथ ही सांसद शर्मा ने शहरों में जगह-जगह सीवर चैंबर खुले रहते हैं। इनमें या तो ढक्कन होते नहीं हैं या फिर टूट जाते हैं। इन खुले चेंबरों से कई बार राहगीरों के एक्सीडेंट हो जाते हैं। सांसद शर्मा ने सुझाव दिया कि इनके स्थायित्व की ठोस योजना बनाई जाए। इसी प्रकार सांसद शर्मा ने कहा कि आज हम स्वच्छता की बात कर रहे हैं लेकिन खुले

एनएसयूआई ने एनआरआई कोटे में लगाया भ्रष्टाचार का आरोप, कहा....

भोपाल। मप्र के निजी मेडिकल और डेंटल कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) ने पूरी व्यवस्था पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कांग्रेस प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने कहा कि एमबीबीएस, बीडीएस और पीजी (एमडी /एमएस/ एमडीएस) कोर्सों में एनआरआई कोटे के नाम पर हर साल 800 से 1000 करोड़ रुपए की अवैध कमाई की जा रही है। आरोप है कि यह पूरा खेल शासन, शिक्षा विभाग और निजी कॉलेज संचालकों की मिलीभगत से चलता है, जिससे गरीब और मेधावी छात्रों का भविष्य लगातार दांव पर लग रहा है। एनएसयूआई प्रदेश उपाध्यक्ष रवि परमार ने कहा कि कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया में जानबूझकर गड़बड़ी की जाती है। निजी कॉलेज मोटी रकम लेकर छात्रों को फर्जी एनआरआई सर्टिफिकेट उपलब्ध कराते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 2017 में दिए आदेश में स्पष्ट किया था कि केवल माता-पिता, भाई-बहन, चाचा-चाची या दादा-दादी ही स्पॉन्सर हो सकते हैं।

मप्र कांग्रेस के पॉवर सेंटर्स को चार्ज करने का प्लान

भोपाल। देश भर में कांग्रेस की कमजोर नब्ज को थामकर संगठन सृजन अभियान के साथ पार्टी को मजबूत करने में जुटे राहुल गांधी का अब ट्रेनिंग पर जोर है। मप्र में विधायकों की ट्रेनिंग हो चुकी है। अब निगाह 71 जिलों में बनाए गए अध्यक्षों पर है। मप्र समेत वो राज्य जहां किलेदार बने नेताओं ने अपने-अपने हिस्से की कांग्रेस खड़ी कर ली थी। ऐसे राज्यों में पार्टी नेताओं की नाक के नीचे से कार्यकर्ताओं को निकाला जाएगा और संगठन के साए में खड़ा किया जाएगा। कांग्रेस में पॉवर सेंटर बनाए गए जिलाध्यक्षों को मंडल बूथ से लेकर प्रदेश तक पार्टी को कैसे चार्ज रखें ये ट्रेनिंग देने की तैयारी है। और

माना जा रहा है दिग्गज कांग्रेसियों की जमीन रहे मप्र से पार्टी इन ट्रेनिंग कैम्प की शुरूआत कर सकती है। राहुल गांधी के संगठन सृजन अभियान में कई महीनों की कवायद से जो जिलाध्यक्ष चुने गए हैं। ये जिलाध्यक्ष पार्टी का पॉवर सेंटर हैं। कांग्रेस के मजबूत संगठन के लिए अब इन्ही पॉवर सेंटर्स को चार्ज किए जाने की कवायद शुरू हो रही है।

किसान और निजी व्यक्ति भी बना सकेंगे टाउनशिप

मप्र में लैंड पुलिंग का नियम लागू

भोपाल। मध्य प्रदेश में अब शहरों के आसपास किसान, किसानों के समूह या निजी व्यक्ति लैंड पुलिंग करके टाउनशिप बना सकेंगे। ग्रीन बेल्ट जैसे जैसे प्रविधानों से छूट मिलेगी। कुल क्षेत्र के 15 प्रतिशत क्षेत्र में ईडब्ल्यूएस, एलआईजी आवास बनाने होंगे। इसके लिए भूमि दिलाने के लिए डेवलपर या विकासकर्ता विकास प्राधिकरण या अन्य एजेंसियों से अनुरोध कर सकेंगे। वह आपसी सहमति के आधार पर भूमि दिलाने में भूमिका निभाएगी। अगर परियोजना क्षेत्र में सरकारी भूमि आती है तो अधिकतम 8 हेक्टेयर सीमा की छूट दी जा सकेगी। इसमें लैंड पुलिंग का प्रविधान रखा गया है। नियम सरल बनाए गए हैं। यह प्रविधान विकास प्राधिकरण सहित अन्य हाउसिंग प्रोजेक्ट करने वाली एजेंसियों के लिए भी लागू होंगे। मध्य प्रदेश नगरीय विकास एवं

आवास विभाग ने मध्य प्रदेश एकीकृत टाउनशिप नीति-2025 के नियम जारी कर दिए हैं। एकीकृत टाउनशिप नीति के तहत किसान के साथ मिलकर टाउनशिप बनाने के लिए सरकार प्रोत्साहित करेगी। महाराष्ट्र और गुजरात में यह व्यवस्था पहले से है। बता दें कि अभी तक बिल्डर और कालोनाइजर टाउनशिप का विकास करते थे। नए नियम जारी होने से अब कोई भी या व्यक्तियों का समूह किसान के साथ मिलकर टाउनशिप बना सकेगा। एकीकृत टाउनशिप नीति में शहरों का होगा नियोजित विकास एकीकृत टाउनशिप नीति के तहत स्थानीय निकाय सीमा या योजना क्षेत्र के भीतर पांच लाख से कम आबादी वाले शहरों के लिए भूमि की न्यूनतम अर्हता 10 हेक्टेयर और पांच लाख से अधिक आबादी वाले शहरों के लिए भूमि की न्यूनतम अर्हता 20 आवश्यक होगी तथा मार्ग चौड़ाई 24.0 मीटर से कम न हो। 40 हेक्टेयर और उससे अधिक क्षेत्र वाले बड़ी टाउनशिप के लिए मार्ग की न्यूनतम चौड़ाई 30.0 मीटर आवश्यक होगी। कुल क्षेत्र के 15 प्रतिशत क्षेत्र में ईडब्ल्यूएस, एलआइजी आवास बनाने होंगे। किफायती आवास बनाने पर अलग से अनुदान मिलेगा। लैंड पूलिंग के माध्यम से सार्वजनिक और निजी भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाएगा। जिले की साधिकार समिति कलेक्टर की अध्यक्षता में बनाकर अनुमति देंगे। वहीं प्रदेश स्तर पर प्रमुख सचिव की अध्यक्षता में समिति बनाएंगे। आवेदन करने पर 60 दिन के अंदर अनुमति देनी होगी। एक से अधिक आवेदन आते हैं तो ई बिडिंग प्रक्रिया अपनाई जाएगी। यहां लागू नहीं होंगे नियम अधिसूचित वनक्षेत्र जल निकाय जैसे नदी, नाला, जलाशय, बांध आदि। अधिसूचित राष्ट्रीय उद्यान तथा वन्यजीव अभयारण्य। रक्षा संपदा क्षेत्र, छावनी बोर्ड। अधिसूचित पर्यावरण ईको संवेदनशील क्षेत्र। खदान, खनन क्षेत्र, विशेष आर्थिक क्षेत्र, वन्यजीव गलियारा। ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक स्थलों से प्रभावित स्थल। कोई अन्य क्षेत्र जिसे राज्य शासन द्वारा प्रतिबंधित घोषित किया गया हो।

फर्जी मुख्तारनामा के आधार पर जमीन धोखाधड़ी का खुलासा

ईओडब्ल्यू की जांच में उजागर हुआ करोड़ों का घोटाला

भोपाल। आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ ने राजधानी में जमीन संबंधी एक बड़े फजीवाड़े का खुलासा किया है। आरोपियों ने कूटरचित मुख्तारनामा तैयार कर वास्तविक मालिक की जमीन को धोखाधड़ी से बेच डाला। मामला ग्राम बरखेड़ी कलां, तहसील हुजूर, जिला भोपाल स्थित 0.134 हेक्टेयर (लगभग 0.33 एकड़) भूमि से जुड़ा है। इस जमीन की वास्तविक मालिक मेवल रेबेलो हैं, जो वर्तमान में गोवा में निवासरत हैं। शिकायतकर्ता पीएमके भारद्वाज की रिपोर्ट पर हुई जांच में सामने आया

कि आरोपी राहुल शर्मा ने मेवल रेबेलो के नाम से फर्जी मुख्तारनामा तैयार कराया था। पंजीयन क्रमांक, पुस्तक व पृष्ठ संख्या की जांच में यह पाया गया कि जिस क्रमांक का उल्लेख मुख्तारनामे में किया गया था, उस पर वास्तव में सुरैया हसन और मोहम्मद ताहिर के बीच अन्य दस्तावेज दर्ज था। इसके बावजूद आरोपी राहुल शर्मा ने स्वयं को मुख्तारनामा धारक बताते हुए 12 दिसंबर 2024 को विक्रय पत्र तैयार कराया और भूमि को आरोपी नीरज पटेल के नाम बेच दिया। विक्रय पत्र में 71 लाख 72 हजार रुपये का भुगतान दशार्या गया, जिसमें सात चेक और नकद राशि शामिल थी। लेकिन ईओडब्ल्यू की जांच में पता चला कि पांच चेक बाउंस हो गए और वास्तविक भुगतान केवल 8 लाख 22 हजार रुपये ही हुआ। बैंक विवरणों से भी यह तथ्य पुष्ट हुआ।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश में अब कट्टरपंथियों का राज ! बोले- स्कूलों में डांस और म्यूजिक टीचर घातक

ढाका , एजेंसी। बांग्लादेश में इस्लामिक कट्टरपंथियों ने एक बार फिर से अपनी विचारधारा थोपने की कोशिश शुरू कर दी है। जमात-ए-इस्लामी ने सरकार को सीधी चेतावनी देते हुए कहा है कि स्कूलों में डांस और म्यूजिक टीचरों की भर्ती तुरंत बंद की जाए और उनकी जगह मौलवियों की नियुक्ति की जाए। जमात के महासचिव मिया गुलाम परवार ने बयान जारी कर कहा- संगीत और नृत्य शिक्षकों की नियुक्ति पूरी तरह अस्वीकार्य है। ये विषय छात्रों के लिए अनिवार्य नहीं हो सकते। बच्चों को इस्लामिक शिक्षा देना ही सबसे ज़रूरी है। परवार ने आगे कहा कि- अगर किसी परिवार को डांस या म्यूजिक सीखने की इच्छा है, तो वे निजी शिक्षक रख सकते हैं। लेकिन मजहबी शिक्षा सभी समुदायों के लिए ज़रूरी है। डांस टीचरों की भर्ती देश के लिए आत्मघाती कदम होगी।परवार ने कहा कि डांस टीचरों की भर्ती देश के लिए आत्मघाती कदम है। उन्हें इस्लाम सिखाना चाहिए, उन्हें इस्लामिक शिक्षा देना ज्यादा जरूरी है, ताकि बच्चों में मजबूत इस्लामिक मूल्य आए। बता दें कि मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार बनने के बाद जमात की आवाज और तेज हो गई है। समाज में पहले से बढ़ रही असहिष्णुता और नैतिक संकट का हवाला देकर जमात-ए-इस्लामी, सरकार पर दबाव बना रहा है कि वह मजहबी शिक्षा को अनिवार्य करे। विशेषज्ञों का कहना है किबांग्लादेश का इतिहास हमेशा उसकी समृद्ध संस्कृति, साहित्य, म्यूजिक और डांस से जुड़ा रहा है। 1971 में पाकिस्तान से अलग होने की बड़ी वजह भी बंगालियों पर उर्दू थोपने और उनकी संस्कृति कुचलने की कोशिश थी। लेकिन मौजूदा समय में मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार बनने के बाद जमात-ए-इस्लामी जैसे संगठनों का दबदबा बढ़ता जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि जमात का यह बयान सिर्फ शिक्षा व्यवस्था पर हमला नहीं बल्कि बांग्लादेश के बहुसांस्कृतिक और बहुधार्मिक ताने-बाने के लिए भी खतरे की घंटी है। मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार पर पहले से ही हिंदू समुदाय के खिलाफ कई नीतियां अपनाने के आरोप लगते रहे हैं।

नेपाल और चीन का संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू

काठमांडो, एजेंसी। नेपाल सेना और चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के बीच संयुक्त सैन्य अभ्यास सागरमाथा फ्रेंडशिप का पांचवां संस्करण रविवार को काठमांडो में शुरू हुआ। नेपाल सेना के अनुसार, 10 दिन चलने वाले इस अभ्यास में आपदा प्रबंधन, संयुक्त राष्ट्र शांति मिशन और आतंकवाद-रोधी अभियानों सहित कई विषयों पर दोनों सेनाओं के बीच अनुभव साझा किए जाएंगे। नेपाल और चीन के बीच यह संयुक्त सैन्य अभ्यास 2017 से शुरू हुआ है और इसे बारी-बारी से दोनों देशों में आयोजित किया जाता है।

फलस्तीन को मान्यता देकर भारी गलती कर रहे कई देश

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने हाल के समय में कई देशों द्वारा फलस्तीन को मान्यता देने के एलान की कड़ी आलोचना की है। सार ने इसे बड़ी गलती बताया और चेतावनी दी कि ऐसा करने से क्षेत्र में अशांति आ सकती है और इस्राइल को भी एकतरफा तरीके से कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। तेल अवीव में डेनमार्क के विदेश मंत्री के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए गिदोन सार ने कहा कि फलस्तीन को इस तरह से मान्यता देने से शांति प्रयासों को नुकसान पहुंचेगा और यह हमास जैसे संगठनों की हिम्मत बढ़ाएगा।

कैनसस सिटी में 50 साल के कैदी की मौत को कोर्ट ने हत्या माना

कैनसस सिटी, एजेंसी। अमेरिका के कैनसस सिटी में वायंडॉट काउंटी जेल में इसी साल 5 जुलाई को हिरासत में लिए गए 50 वर्षीय कैदी चार्ल्स अडैर की मौत हो गई थी। कोर्ट ने इसे हत्या करार दिया है। खबरों के मुताबिक उसे ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने के मामले में गिरफ्तार किया गया था। पोस्टमार्टम में मौत का कारण मैकेनिकल एस्फिक्सिया यानी सांस रुकना पाया गया। मृतक हृदय रोग और शराबजनित लीवर सिरोसिस से भी पीड़ित था। रिपोर्ट के अनुसार, जेल में स्टाफ से संघर्ष के बाद उसे सेल में लिटाया गया, लेकिन कुछ ही मिनटों बाद वह बेहोश पाया गया, जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया गया। अब यह मामला अभियोजक कार्यालय के अधीन है।

इरफान अली दूसरी बार बने गुयाना के राष्ट्रपति, शपथ ली

जॉर्जटाउन, एजेंसी। गुयाना की सत्तारूढ़ पीपुल्स प्रोग्रेसिव पार्टी के इरफान अली ने रविवार को तेल-समृद्ध दक्षिण अमेरिकी देश के राष्ट्रपति के रूप में दूसरी बार शपथ ली। चुनाव आयोग ने उनकी जीत की पुष्टि कर दी है। देश की अपेक्षाकृत हालिया तेल संपदा से प्राप्त राजस्व को लोकप्रिय सामाजिक कार्यक्रमों में लगाने के बाद अली ने रविवार को संकल्प लिया कि वह एक विविध अर्थव्यवस्था का निर्माण करेंगे।

क्या कार्यस्थल पर सुरक्षा केवल एक औपचारिकता है?

सिडनी एयरपोर्ट पर कार्यरत कर्मचारी की दर्दनाक मौत

सिडनी एजेंसी।
8 सितंबर 2025 को सिडनी एयरपोर्ट पर एक दुखद और चौंकाने वाली घटना सामने आई, जब एक फ्रेट हैंडलिंग टर्मिनल पर काम कर रहे एक कर्मचारी की ड्यूटी के दौरान मौत हो गई। बताया जा रहा है कि यह व्यक्ति, जिसकी उम्र 40 के आसपास थी, सुबह लगभग 10:30 बजे एक वाहन की चपेट में आ गया।

पैरामेडिक्स की टीम ने मौके पर पहुंचकर घायल व्यक्ति को बचाने की कोशिश की, लेकिन उसकी हालत इतनी गंभीर थी कि उसे बचाया नहीं जा सका। इस घटना ने न केवल एयरपोर्ट स्टाफ को झकझोर दिया है, बल्कि एक बार फिर यह सवाल उठाया है कि क्या हम अपने कार्यस्थलों को वाकई सुरक्षित बना पा रहे हैं?

फ्रेट हैंडलिंग टर्मिनल वह स्थान होता है जहाँ हवाई माल (एयर कार्गो) को लोड और अनलोड किया जाता है। इस प्रक्रिया में भारी मशीनों, फोर्कलिफ्ट्स, कंटेनरों और ट्रकों का उपयोग होता है। ऐसे वातावरण में कार्य करना हमेशा जोखिम से भरा होता है, और इसीलिए सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन अत्यावश्यक होता है। लेकिन यह घटना दर्शाती है कि या तो सुरक्षा उपायों में कोई चूक हुई है, या फिर मानकों को पूरी तरह से लागू नहीं किया गया।

घटना के तुरंत बाद एनएसडब्ल्यू पुलिस और सेफवर्क एनएसडब्ल्यू ने जांच शुरू कर दी है। उनका प्राथमिक उद्देश्य यह पता लगाना है कि हादसा कैसे हुआ और इसमें किसकी लापरवाही जिम्मेदार हो सकती है। क्या वाहन चालक ने गलती की? क्या मृतक कर्मचारी किसी ऐसे क्षेत्र में काम कर रहा था जहाँ उसे नहीं होना चाहिए था? या फिर सुरक्षा गाइडलाइंस का पालन नहीं किया गया? मृतक के सहकर्मी और अन्य स्टाफ गहरे सदमे में हैं। एक साथी कर्मचारी ने कहा, हम रोज़ जोखिम उठाते हैं, लेकिन उम्मीद करते हैं कि कंपनी हमें सुरक्षित काम करने का माहौल देगी। आज एक ज़िंदगी चली गई, और हम सब डरे हुए हैं।

एयरपोर्ट अथॉरिटी और संबंधित कंपनी ने मृतक के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की है और कहा है कि वे हरसंभव मदद उपलब्ध कराएंगे। साथ ही, जांच में पूरा सहयोग दिया जाएगा। ऑस्ट्रेलिया जैसे विकसित देश में भी कार्यस्थलों पर होने वाले हादसे आम बात बनते जा रहे हैं। 2024 में ही देशभर में सैकड़ों वर्कप्लेस एक्सीडेंट दर्ज किए गए, जिनमें कई कर्मचारियों की मौत भी हुई।

रूस ने कैंसर के इलाज के लिए नई वैक्सीन बनाई

प्री-क्लिनिकल ट्रायल्स में 100 प्रतिशत इफेक्टिव

मास्को, एजेंसी।
रूस ने कैंसर के इलाज में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। देश की नई एमआरएनए बेस्ड वैक्सीन एंटरोमिक्स ने प्री-क्लिनिकल ट्रायल्स में 100प्रतिशत प्रभावशीलता और सुरक्षा दिखाई है। मिलकर इस वैक्सीन को विकसित किया है। इस वैक्सीन के क्लिनिकल ट्रायल्स की शुरुआत 48 वॉलंटियर्स के साथ की गई थी। इन ट्रायल्स की घोषणा सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम (एसपीआईएफ2025) में 18 से 21 जून को की गई थी। यह वैक्सीन न केवल कैंसर से लड़ने में सक्षम है, बल्कि भविष्य में कैंसर को रोकने की दिशा में भी एक बड़ा कदम हो सकती है।

फेडरल मेडिकल एंड बायोलॉजिकल एजेंसी (एफएमबीए) ने घोषणा की है कि यह वैक्सीन अब क्लिनिकल उपयोग के लिए तैयार है। एफएमबीए की प्रमुख वेरोनिका स्क्वॉर्ट्सोवा के अनुसार, एंटरोमिक्स एक एमआरएनए आधारित वैक्सीन है, जो हर मरीज के लिए उनकी व्यक्तिगत आरएनए के आधार पर खास रूप से तैयार की जाएगी। यह वैक्सीन शरीर के इम्यून सिस्टम को सुधारती है ताकि वह कैंसर कोशिकाओं को पहचान कर उन्हें खत्म कर सके। यह वैक्सीन ट्यूमर को छोटा करने और उनकी वृद्धि को रोकने में बेहद प्रभावी साबित हुई है। खास बात यह है कि इसे बार-बार इस्तेमाल करने पर भी कोई गंभीर साइड इफैक्ट नहीं देखे गए, जो इसे कीमोथेरेपी और रेडिएशन जैसे इलाजों से अलग बनाता है। एंटरोमिक्स का पहला संस्करण कोलोरेक्टल कैंसर (आंतों का कैंसर) के इलाज के लिए तैयार किया गया है। इसके अलावा, वैज्ञानिक ग्लियोब्लास्टोमा (मस्तिष्क का कैंसर) और मेलेनोमा (त्वचा का कैंसर) के लिए वैक्सीन के अन्य संस्करणों पर काम कर रहे हैं। अब जब क्लिनिकल ट्रायल्स सफलतापूर्वक पूरे हो चुके हैं, वैक्सीन को रेगुलेटरी मंजूरी का इंतजार है।

इजरायल ने फिलिस्तीनी कैदियों को भूखा रखा

हालात बेहद खराब; सरकार को 'सुप्रीम फटकार

येरूसलम , एजेंसी।
इजरायल के सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इजरायली सरकार ने फिलिस्तीनी कैदियों को ठीक से भोजन तक नहीं दिया। इसने सरकार को आदेश दिया कि वह इन कैदियों को पर्याप्त और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराए। यह फैसला एसोसिएशन फॉर सिविल राइट्स इन इजरायल और गीशा नामक मानवाधिकार संस्था की ओर से पिछले वर्ष दायर याचिका पर सुनाया गया। ऐसा बहुत कम देखने को मिला है कि 23 महीने से जारी इजरायल-हमास युद्ध के दौरान उच्चतम न्यायालय ने सरकार के फैसलों पर इस तरह से सवाल उठाया हो।

सुप्रीम कोर्ट के तीन न्यायाधीशों की पीठ ने सर्वसम्मति से फैसला सुनाते हुए कहा, इजरायली सरकार की यह कानूनी जिम्मेदारी है कि वह फिलिस्तीनी कैदियों को बुनियादी जीवन स्तर सुनिश्चित करने के लिए दिन में तीन बार भोजन उपलब्ध कराए। अदालत ने अधिकारियों को यह दायित्व निभाने का आदेश दिया। अदालत ने माना कि सरकार ने जानबूझकर जेलों में फिलिस्तीनी कैदियों को पर्याप्त भोजन नहीं दिया, जिससे इजरायल-हमास युद्ध के दौरान उन्हें कुपोषण और भुखमरी का सामना

करना पड़ा। फैसले में कहा गया, 'हम यहां आरामदायक जिंदगी या किसी तरह की सुविधा की बात नहीं कर रहे, बल्कि बस उतनी जरूरी चीजों की बात कर रहे हैं जो जिंदा रहने के लिए कानून के मुताबिक जरूरी हैं। हमें अपने सबसे बुरे दुश्मनों के साथ भी ऐसा व्यवहार नहीं करना चाहिए।' इजरायली सेना ने गाजा और कब्जे वाले वेस्ट बैंक में बड़ी संख्या में फिलिस्तीनियों को आतंकवादी संबंधों के संदेह में गिरफ्तार किया है। इनमें से हजारों लोगों को महीनों तक बिना किसी आरोप के शिविरों व जेलों में रखा गया और बाद में रिहा कर दिया गया।

इन लोगों ने बताया कि हिरासत के दौरान हालात बेहद खराब थे। जगह बहुत छोटी थी और पर्याप्त भोजन नहीं मिलता था।

वजन घटाओ, नोट कमाओ

बीजिंग , एजेंसी।
चीन में एक कंपनी अपने कर्मचारियों को वजन कम करने के लिए प्रोत्साहित करने के मकसद से एक चैलेंज का आयोजन किया है। इस चैलेंज में वजन कम करने वाले एक कर्मचारी को 2,800 डालर (करीब 2.5 लाख रुपये) मिले हैं।

साउथ चाइना मार्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, शेन्जेन स्थित टेक फर्म अरशी विजन इंक अपने वार्षिक मिलियन युआन वेट लास चैलेंज की वजह से सुर्खियां बटोर रही है। कंपनी अब तक कर्मचारियों को 20 लाख युआन यानी करीब 2.4 करोड़ रुपये कर्मचारियों को पुरस्कार के तौर पर दे चुकी है।

सभी कर्मचारी इस चैलेंज के रजिस्ट्रेशन के लिए पात्र हैं और प्रत्येक 500 ग्राम वजन कम करने पर प्रतिभागियों को 500 युआन का नकद पुरस्कार दिया जाता है। दिलचस्प बात यह है कि इस चुनौती में जुर्माने का नियम भी शामिल है। जिन प्रतिभागियों का वजन फिर से बढ़ जाता है, उन्हें हर आधा किलो वजन बढ़ने पर 800 युआन (9,337 रुपये) का जुर्माना देना होता है। बता दें कि आमतौर पर 360 के नाम से भी जाना जाता है। पिछले 12 अगस्त को ये टेक कंपनी अपने सालाना मिलियन युआन वेट लॉस चैलेंज के कारण सुर्खियों में आ गई। बताया जाता है कि हर साल होने वाले इस प्रोग्राम का उद्देश्य कंपनी के कर्मचारियों को रोजाना एक्सरसाइज और संतुलित आहार से लेकर एक हेल्दी लाइफ स्टाइल अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

भाई की शादी पर नहीं मिली छुट्टी, महिला ने चुना ऐसा रास्ता तो बॉस रह गए हैरान!

लंदन, एजेंसी।
कई बार ऑफिस का माहौल इतना टॉक्सिक हो जाता है कि कर्मचारियों को अपनी पर्सनल लाइफ और रिश्तों की अहमियत समझानी पड़ती है। हाल ही में ऐसी ही एक घटना सोशल मीडिया पर वायरल हुई है। एक महिला ने अपने भाई की शादी में शामिल होने के लिए कंपनी से छुट्टी मांगी, लेकिन उसे अल्टीमेटम दिया गया-या तो नौकरी चुनो, या शादी।कंपनी का यह रवैया महिला को बिल्कुल नागवार गुज़रा। उसने बिना देर किए फैसला किया और नौकरी छोड़ दी। अब उसकी यह कहानी इंटरनेट पर छा गई है और लोग उसे सलाम कर रहे हैं।

रेडिट पर एक महिला ने अपनी यह घटना साझा की। उसने बताया कि उसने समय रहते कंपनी से छुट्टी मांगी थी ताकि भाई की शादी में जा सके। लेकिन मैनेजमेंट ने उसे साफ़ कह दिया कि छुट्टी नहीं दी जाएगी। यहां तक कि उसे यह चुनने के लिए मजबूर किया गया कि वह शादी में जाएगी या नौकरी बचाएगी।महिला लिखती है- मैंने कभी नहीं सोचा था कि मेरे बॉस मुझे इस तरह मजबूर करेंगे। नौकरी मेरे लिए ज़रूरी है, लेकिन परिवार मेरी ज़िंदगी है। मैं अपने भाई की शादी मिस नहीं कर सकती थी। इसलिए मैंने इस्तीफा दे दिया। महिला के इस फैसले ने वर्क-लाइफ बैलेंस पर एक बार फिर बहस छेड़ दी है। लोग कह रहे हैं कि नौकरी हमारी पूरी ज़िंदगी नहीं है, यह सिर्फ़ उसका एक हिस्सा है। परिवार और रिश्ते कहीं ज़्यादा अहम होते हैं। सोशल मीडिया यूज़र्स ने महिला के इस कदम की जमकर तारीफ़ की।

भारत पर टैरिफ लगाना सही फैसला

कीव, एजेंसी।
यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने भारत पर अमेरिका की ओर से टैरिफ लगाए जाने के फैसले को सही करार दिया है। उनका कहना है कि अमेरिका ने रूस को ताकत पहुंचाने वाले देश पर यदि सख्ती की है तो उसमें गलत क्या है। एबीसी न्यूज को दिए इंटरव्यू में जेलेंस्की ने चीन, रूस और भारत के नेताओं के एक मंच पर आने पर भी बात की। उनसे पूछा गया कि क्या अमेरिकी टैरिफ का फैसला बैकफायर कर गया है क्योंकि मोदी, पुतिन और शी जिनपिंग एक मंच पर नजर आए हैं और जुगलबंदी दिखी है। इस पर जेलेंस्की ने कहा कि मैं मानता हूं कि भारत पर टैरिफ लगाने का अमेरिका का फैसला सही है। रूस के साथ कारोबार करने वालों पर पाबंदियां लगाना जरूरी है।

उनसे एक और सवाल पूछा गया कि आपकी मांग है कि रूस पर ज्यादा से ज्यादा पाबंदियां लगें और यूक्रेन को मदद मिले। इस पर जेलेंस्की ने कहा कि मैं डोनाल्ड ट्रंप सरकार की ओर से उठाए कदमों से खुश हूं। रूस के साथ किसी भी तरह की डील करना सही नहीं है। उस पर पाबंदियों का मैं समर्थन करता हूं। उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप जानते हैं कि कैसे व्लादिमीर पुतिन को रोका जा सकता है। व्लादिमीर पुतिन का हथियार यह है कि वह दुनिया के कई देशों को तेल और गैस बेचते हैं। उनकी उस ताकत को छीनना होगा।

हमने इस सप्ताह मोदी, पुतिन और शी जिनपिंग के बीच मीटिंग देखी। आपने जब मोदी को वहां देखा तो आपको कैसा लगा? क्या आप मानते हैं कि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की ओर से टैरिफ लगाने का फैसला बैकफायर कर गया। इस पर जेलेंस्की ने कहा कि मैं मानता हूं कि भारत पर टैरिफ लगाने का अमेरिका का फैसला सही है। रूस के साथ कारोबार करने वालों पर पाबंदियां लगाना जरूरी है। अलास्का समिट के बारे में पूछे जाने पर वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि मैं वहां नहीं था। जेलेंस्की ने कहा कि इस मीटिंग के जरिए ट्रंप ने पुतिन को वह सब दिया।

यूक्रेन पर हमले से ट्रंप नाराज, रूस पर नए प्रतिबंध लगाने की तैयारी

वाशिंगटन, एजेंसी।
यूक्रेन मुद्दे को लेकर अमेरिका और रूस के बीच लगातार खींचतान जारी है। कुछ हफ्ते पहले ही अलास्का में हुई ट्रंप और पुतिन की मीटिंग के बाद इस बात के आसार लगाए जा रहे थे कि अब युद्ध खत्म हो जाएगा। लेकिन वक्त के साथ वह आसार भी हवा हो गए। अब राष्ट्रपति ट्रंप एक बार फिर से रूस से ऊपर नए प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रहे हैं। उनका यह बयान रूस की तरफ से यूक्रेन पर किए गए एक बड़े हवाई हमले के बाद सामने आया है। वाइट हाउस के बाहर मीडिया से बात करते हुए ट्रंप से पूछा गया कि क्या हाल में यूक्रेन पर हुए हमले के बाद वह रूस पर नए प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रहे हैं। इसका जवाब देते हुए ट्रंप ने कहा कि वह इसके लिए पूरी तरह से तैयार हैं। हालांकि ट्रंप की तरफ से इस

बात पर कोई ज्यादा जानकारी नहीं दी गई कि वह रूस के ऊपर किस तरह के नए प्रतिबंधों की तैयारी कर रहे हैं। आपको बता दें कि ट्रंप द्वारा यह बयान ऐसे समय में दिया गया है जब रूस की तरफ से यूक्रेन की राजधानी कीव पर जोरदार हमला बोला गया है। 800 से ज्यादा ड्रोन्स, मिसाइलों और रॉकेट्स के जरिए किए गए इस हमले में कीव में बड़े स्तर पर तबाही हुई है। इस हमले में करीब दो लोगों की मौत हो गई है और 15 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। यूक्रेनी अधिकारियों के मुताबिक 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद यह कीव के ऊपर सबसे बड़ा रूसी हमला है। पिछले महीने ही अलास्का में ट्रंप को पुतिन की बैठक के बाद रूस लगातार यूक्रेन को निशाना बनाता आ रहा है। ट्रंप के इस बयान को लेकर दूसरे मायने भी निकाले जा रहे हैं, कुछ घंटों पहले ही अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने रूसी तेल खरीदने वाले देशों के ऊपर और प्रतिबंध लगाने के आह्वान किया था। रूसी तेल खरीदने के मामले में भारत दूसरे नंबर पर है, और चीन पर अमेरिका प्रतिबंध लगाने के मूड में नहीं है। इसलिए बेसेंट का यह आह्वान भारत के संबंध में ही प्रतीत होता है। अपने इस आह्वान के पीछे तर्क देते हुए बेसेंट ने कहा था कि अगर ऐसा हो जाता है तो रूस की अर्थव्यवस्था पर इसका काफी बुरा असर पड़ेगा, मुद्दे को लेकर ट्रंप लगातार कोशिश करते नजर आ रहे हैं। इस मुद्दे और कथित तौर पर अपनी निजी खुन्नस के चलते उन्होंने भारत के साथ भी अपने संबंध खराब कर लिए हैं। भारत पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे ट्रंप अब इस मोर्चे पर भी फेल होते नजर आ रहे हैं। यूरोप के उनके साथी भी उन पर तंज कस रहे हैं। हाल ही में फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने इस मुद्दे पर कहा था कि अगर पुतिन यूक्रेन पर हमले कम नहीं करते या बातचीत के लिए तैयार नहीं होते, तो यह तय है कि उन्होंने एक बार फिर से ट्रंप के साथ ब्लफ कर दिया है।

नेतन्याहू को पीएम मोदी से सीखना चाहिए..., गाजा में तबाही के बाद इजरायली डिफेंस एक्सपर्ट ने कहा

तेल अवीव , एजेंसी। इजरायल के रक्षा नीति विशेषज्ञ जकी शालोम ने अपने देश को भारत से सीख लेने की सलाह दी है। जकी का कहना है कि भारत जिस तरह से अमेरिका के टैरिफ के सामने डटकर खड़ा है, उससे इजरायल को भी कुछ सीखना चाहिए।

जकी शालोम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जिक्र करते हुए कहा, अमेरिका की टैरिफ नीति के खिलाफ पीएम मोदी का सख्त रुख और भारत-पाकिस्तान तनाव के दौरान दी गई प्रतिक्रिया से सबक मिलता है कि राष्ट्रीय सम्मान विलासिता की वस्तु नहीं है, बल्कि यह बहुत बड़ी रणनीतिक संपत्ति है। पिछले कुछ दिनों में भारत और अमेरिका के रिश्तों में खटास देखने को मिली है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने रूस से तेल खरीदने का हवाला देकर भारत पर भारी टैरिफ लगा दिया है। ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर करवाने का भी दावा किया था, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिरे से खारिज कर दिया। इसके बाद से ही ट्रंप भारत के खिलाफ तेवर दिखाने लगे। शालोम के अनुसार, आर्थिक और सैन्य संकटों पर पीएम मोदी ने सख्त रवैया दिखाकर न सिर्फ निजी बल्कि राष्ट्रीय सम्मान को भी बचाया है।

लगातार 14 वर्ष 1111 सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का हुआ आयोजन

नगर प्रतिनिधि | दमोह

दमोह शहर के फुटेरा वार्ड दो स्थित वर्ल्ड बॉस हनुमान मंदिर में प्रतिवर्ष पितृपक्ष व महाराजा अग्रसेन जयंती पर्व के पूर्व सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया जाता है जिनकी संख्या निर्धारित 1111 से हर वर्ष अधिक हो जाती है प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी 14 वर्ष में पंडित बृजेश पाठक गोपाल जी छोटू जी के सानिध्य में सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन फुटेरा वार्ड स्थित दक्षिण मुखी वर्ल्ड बॉस हनुमान मंदिर में किया गया

वर्ल्ड बॉस हनुमत सेवा समिति व अग्रवाल जन जागरण समिति के कपिल अग्रवाल विकास अग्रवाल के द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया कि प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी निश्चित संख्या से अधिक संख्या में पाठ ठीक 11ः00 बजे पूर्ण हो गए इसके बाद सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन किया गया आरती कर प्रसाद वितरण किया गया जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों की उपस्थिति रहीं भक्तों में मुख्य रूप से लखनलाल अनिल हिमांशु अनमोल लकी गणेश अग्रवाल दीपक छुट्टू किशोरी लाल अग्रवाल गया प्रसाद साहू श्रीनाथ अग्रवाल विद्यावती यादव निधि श्रीवास्तव नीरज अग्रवाल प्रथमेश श्याम अनमोल सतीश अग्रवाल विनोद चौबे कृष्णकांत अग्रवाल पवन अग्रवाल प्यारेलाल पटेल हिमांशु अग्रवाल गोलू अग्रवाल मुकुल नामदेव गौरी अग्रवाल कृष्ण कुमार मिश्रा ओमप्रकाश अग्रवाल जीवनलाल अग्रवाल अनिल अग्रवाल रामलाल अग्रवाल अंशुल अग्रवाल रामजी अग्रवाल अशोक साहू नीलेश असाटी सक्षम अग्रवाल दिनेश अग्रवाल अंकित अग्रवाल मुकेश ठाकुर अंकित अग्रवाल राजेंद्र सोनी अनिमेष अग्रवाल अमित अग्रवाल अंशुल शुभम छोटू हर्ष खटीक राजकुमार अग्रवाल संकेत अग्रवाल सतीश सेन शुभम अग्रवाल सिद्धार्थ नामदेव रंचित अग्रवाल रम्मा अग्रवाल अमित अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में भक्तों की उपस्थिति रही।

इंदौर में चूहे काटने की घटना में दोषियों पर हो सख्त कार्रवाईः उप मुख्यमंत्री शुक्ल

स्वास्थ्य संस्थानों में प्रभावी उपायों के दिए निर्देश

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय, भोपाल में इंदौर में घटित चूहे काटने की घटना पर की गई कार्रवाई की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि पूरी कार्यवाही निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं तथ्यों के आधार पर की जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि इस प्रकार की घटनाएँ स्वास्थ्य सेवाओं की छवि को धूमिल करती हैं, दोषी व्यक्तियों की पहचान कर कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही, ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी रोकथाम उपाय तुरंत लागू किए जाएँ।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने यह भी कहा कि अस्पताल परिसरों की स्वच्छता, सुरक्षा और मरीजों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री संदीप यादव, आयुक्त चिकित्सा शिक्षा श्री तरुण राठी, तथा एम.डी. एम.पी. पब्लिक हेल्थ सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड श्री मयंक अग्रवाल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि अस्पताल अधीक्षक डॉ. अशोक यादव, प्रो. एवं विभागाध्यक्ष डॉ. बृजेश लाहोटी, प्रो. डॉ. मनोज जोशी एवं सहायक प्रभारी नर्सिंग अधिकारी श्रीमती कलावती भलावी को उक्त घटना के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं। सहायक अधीक्षक एवं भवन प्रभारी डॉ. मुकेश जायसवाल, प्रभारी नर्सिंग अधिकारी सुश्री प्रवीणा सिंह, नर्सिंग अधिकारी सुश्री आकांक्षा बेंजामिन एवं सुश्री श्वेता चौहान को निलंबित किया गया है। नर्सिंग अधीक्षक श्रीमती मार्गरेट जोसफ को पद से हटाया गया है तथा नर्सिंग अधिकारी श्रीमती प्रेमलता राठौर का स्थानांतरण मानसिक चिकित्सालय में किया गया है।

भगवान् श्री अग्रसेन जी एवं कुलदेवी माता लक्ष्मी की 18वीं महाआरती सम्पन्न

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

आज अग्र कुल प्रवर्तक एवं अग्रवाल समाज के आराध्य देव भगवान श्री अग्रसेन जी महाराज एवं कुलदेवी माता लक्ष्मी की 18वीं आरती आज अग्रसेन वाटिका, आईटीसी पार्क, कमला पार्क के सामने, भोपाल में संपन्न हुई। महाआरती की जजमानी स्वास्ति-दिनेश अग्रवाल (शुभम डेवलपर्स एवं श्री प्रभाकर डेवलपर्स) भोपाल द्वारा की गई। मीडिया प्रभारी विनीत अग्रवाल एवं समाज से नितिन कुमार गुप्ता ने बताया कि इस बार रविवार को चंद्र ग्रहण होने के कारण आरती आज की गई है। अगले माह से रविवार को यथावत की जाएगी। मुकेश गोयल ने बताया कि भगवान श्री अग्रसेन महाराज जी के करूणामीय स्वभाव, एक ईंट-एक रूपया से समाजवाद के प्रथम प्रणेता, युग पुरूष, महादानी एवं राम राज्य के समर्थक के सिद्धांतों को अपनाकर एवं समाज के कल्याण की भावना के साथ ही बच्चों को भगवान श्री अग्रसेन महाराज जी के जीवन से प्रेरणा मिले, इसी उद्देश्य से महाआरती का आयोजन निरंतर किया जा रहा है। महाआरती में कैलाश अग्रवाल, रोहित गुप्ता, डॉ अंकुर अग्रवाल, अमित मित्तल, निशा गुप्ता, रश्मि अग्रवाल, रानी मित्तल सहित अनेक अग्रवाल समाज के महिलाएं, पुरुष एवं बच्चे शामिल हुए।

जीएमसी भोपाल के प्लेटिनम जुबिली कार्यक्रम में आवश्यक सहयोग के उप मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश

नगर प्रतिनिधि | भोपाल

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) भोपाल प्रदेश की गौरवशाली धरोहर है, जिसने अब तक हजारों डॉक्टर और विशेषज्ञ तैयार कर चिकित्सा सेवाओं के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। कॉलेज की प्लेटिनम जुबिली एक ऐतिहासिक अवसर है, जिसका सुव्यवस्थित और गरिमामय आयोजन होना चाहिए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम की संपूर्ण व्यवस्थाओं में हर स्तर पर आवश्यक सहयोग सुनिश्चित किया जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल से मंत्रालय भोपाल में जीएमसी एल्यूमनी एसोसिएशन के प्रतिनिधि मंडल ने सौजन्य भेंट की। प्रतिनिधि मंडल ने उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल को प्लेटिनम जुबिली समारोह में आमंत्रित किया और इस अवसर पर आयोजित होने वाले प्रमुख कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने प्रतिनिधियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि शासन की ओर से हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि पूर्व छात्र संस्थान की परिस्थितियों और जरूरतों से भली-भांति परिचित होते हैं, उनके सुझाव सुधार और सशक्तीकरण में अत्यंत सहायक होंगे। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि एल्यूमनी एसोसिएशन के प्रतिनिधि को सामान्य सभा की बैठकों में शामिल किया जाए, ताकि उनके अनुभव और सुझावों का लाभ कॉलेज प्रशासन को निरंतर मिलता रहे। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने जीएमसी भोपाल की प्लेटिनम जुबिली के लिए शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह आयोजन प्रदेश और देश भर के पूर्व छात्रों को जोड़ने का एक अवसर बनेगा और संस्थान की गौरवशाली परंपरा को नई ऊँचाइयों तक ले जाएगा। साथ ही उन्होंने संस्थान की व्यवस्थाओं के उन्नयन, अधोसंरचना और सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए सुझाव भी रखे तथा शासन से सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की। प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री संदीप यादव, आयुक्त श्री तरुण राठी, एम.डी. एम.पी. पब्लिक हेल्थ सर्विसेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड श्री मयंक अग्रवाल सहित जीएमसी एल्यूमनी एसोसिएशन के प्रतिनिधि और विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

राहुल - प्रियंका की तरह मेहनत करें तो बन सकती है कांग्रेस की सरकार

नेता- कार्यकर्ता एकजुट हों- संगठन बने मजबूत

भोपाल (नप्र)। जिस प्रकार लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी तथा सांसद श्रीमती प्रियंका गांधी मेहनत कर रहे है उसी प्रकार सभी नेता मेहनत करें तो देश- प्रदेश शहर में कांग्रेस की सरकार बन सकती है। इसके लिये जयपुर और रायपुर में लिये गये फैसलों को लागू करना होगा।

राजधानी के वरिष्ठ कांग्रेसी नेता वकील खान ने बताया कि महंगाई बेरोजगारी , रिश्वतखोरी, बिगड़ती कानून व्यवस्था महिला अत्याचार बढ़ते माफिया राज से परेशान जनता एक बार फिर कांग्रेस की सरकार बनवाने को तैयार बैठी है। जिस प्रकार राहुल गांधी ने वोट चोरी का मुद्दा उठाया और प्रियंका गांधी ने अपनी दादी स्व. श्रीमती इंदिरा गांधी की तरह बोलना शुरू किया है। उसके कांग्रेस में भी उत्साह का माहौल है। अब 2027 में होने वाले नगर निगम चुनाव 2028 में होने वाले विधानसभा के चुनाव 2029 में होने वाले लोकसभा के चुनाव जीतने के लिये जरूरी है कि सभी नेताओं कार्यकर्ताओं को एकजुट किया है। युवाओं महिलाओं के साथ घर बैठे पुराने नेताओं को पद- पावर इज्जत सम्मान देकर सक्रिय किया जाये। संगठन में एक व्यक्ति एक पद

का फार्मूला लागू किया जायें। मुख्य संगठन चारों मोर्चा संगठन सभी प्रकोष्ठों- विभागों की नई टीम प्रदेश जिला ब्लाक वार्ड पंचायत स्तर तक शीघ्र बनाई जायें। गुटबाजी खत्म की जायें। हर कार्यक्रम की सूचना फोन करके देने की व्यवस्था पीसीसी और डीसी से हर नेता कार्यकर्ता के लिये कराई जाये। पहले की तरह जिला, ब्लाक वार्ड में सेवादल के सैनिक नजर आये। युवक कांग्रेस की टीम नजर आये। कार्यकर्ता के सुख- दुख में नेता खड़े रहे। जनता की समस्याओं के मुद्दे पर जिला ब्लाक वार्ड स्तर धरना प्रदर्शन बैठक सम्मेलन किये जाये। जमीनी कार्यकर्ताओं को ही संगठन में पद और चुनाव में टिकट दिया जाये। वकील खान 45 साल से कांग्रेस की सेवा कर रहे है। उनका कहना है कि लोकसभा और विधानसभा का प्रभारी जिलों को प्रभारी संभाग का प्रभारी ऐसे नेता को बताया जाये जो सभी नेताओं को एकजुट कर सके। पोलिंग बूथ पर बैठने वाले लोग फर्जी मतदाताओं को मतदान करने से रोके। वार्ड स्तर पर छानबीन की जाये तक जो लोग दुनिया में नहीं है अथवा क्षेत्र के मतदाता नहीं है। उनका नाम मतदाता सूची में काटा जाये। बड़े नेता छोटे कार्यकर्ताओं की आर्थिक मदद करें। सांसद निधि विधायक निधि महापौर , पार्षद कोटे से बेरोजगारों को रोजगार की व्यवस्था करें। मरीजों के इलाज की व्यवस्था करायें। गरीब बेटियों की शादियां कराये। वकील खान की यह भी मांग है कि हाथ से हाथ जोड़ो अभियान घर-घरचलो अभियान हर घर तिरंगा लगाओं अभियान नारी सम्मान योजना के फार्म भरने का अभियान सदस्यता अभियान फिर चलाया जाये। रोजा अफ्तार ईद मिलन होली मिलन, दीवाली मिलन कार्यक्रम चालू किये जाये। टिकट के दावेदार रोजाना जनता की अदालत में हाजिर रहें। पार्टी जिसे टिकट दें उसे जितवाने का काम करें। बत्ती देने और भीतरीघात का काम नहीं करें। उनका दावा है कि उनकी मांगों पर अमल किया गया तो कांग्रेस हर चुनाव में जीत का परचम लहरायेगी।

मुख्यमंत्री से फिल्म अभिनेता विंदु दारा सिंह ने की सौजन्य भेंट

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से शनिवार को समत्व भवन मुख्यमंत्री निवास में फिल्म अभिनेता श्री विंदु दारा सिंह ने भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री विंदु दारा सिंह का शाल ओढ़ाकर अभिनन्दन किया और प्रदेश की फिल्म निर्माण नीति की जानकारी दी।

श्री विंदु दारा सिंह इन दिनों मध्यप्रदेश के प्रवास पर हैं। उन्होंने जय वीर हनुमान (1995), विष्णु पुराण (2000) और अयोध्या की रामलीला (2020) में हनुमान जी की भूमिका निभाई है। इसके अलावा अनेक फिल्मों में अभिनय भी किया है।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के सम्मान में गरिमामयी सम्मान समारोह सम्पन्न

भोपाल (नप्र)। समाजवादी चिंतक रघु ठाकुर की विशेष उपस्थिति, सामाजिक व श्रमिक क्षेत्र के पदाधिकारियों को किया गया सम्मानित हीरानंद नरवरिया सहित कई कर्मचारी नेता एवं समाजसेवियों का हुआ सम्मान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, श्रमिक हितैषी एवं समाजसेवा के क्षेत्र में सतत सक्रिय डॉ. कृष्णा मोदी के सम्मान में 6 सितंबर 2025 को एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह आयोजन प्रसिद्ध समाजवादी चिंतक रघु ठाकुर की मुख्य उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में प्रदेश के शासकीय कर्मचारी संगठनों एवं निगम-मंडल कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने विशेष रूप से भाग लिया।इस अवसर पर सामाजिक, धार्मिक एवं श्रमिक क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कई पदाधिकारियों का सम्मान किया गया।रघु ठाकुर, जो एक लेखक, चिंतक, समाजसेवी एवं श्रमिक हितैषी हैं, को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।कार्यक्रम की जानकारी आयोजक सुरसरि प्रसाद पटेल, ने दी।सम्मान समारोह में सम्मानित एवं विशेष उपस्थिति दर्ज कराने वाले प्रमुख व्यक्तियों में शामिल रहे- जितेंद्र मेहरा, कामदगिरी द्विवेदी, परमानंद डेहरिया, हीरानंद नरवरिया, हीरालाल सैनी, जय सिंह पटेल, राजकुमार शर्मा, माखन सिंह परमार, गोपाल बंजारी, शेषमणि सोनकर, रामलाल सेन, रविंद्र यादव, अखिलेश तिवारी, जयपाल सिंह तोमर, सरोज सिंह, प्रेमलता गुप्ता, एम. ए. जमाल, मोहम्मद कादिर खान, राहुल शर्मा, तुलसीराम बाथम, राजेंद्र श्रीवास्तव। इस अवसर पर डॉ. कृष्णा मोदी के सहयोगी श्यामसुंदर शर्मा, कर्मचारी संगठन के प्रतिनिधि गजेन्द्र कोठारी, अनिल वाजपेई, परमानंद डेहरिया, महेन्द्र शर्मा, गणेशदत्त जोशी, बी. के. शर्मा, माखन सिंह परमार, रमेश राठौर सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं कर्मचारी संगठनों के सदस्य उपस्थित रहे।कार्यक्रम में सभी वक्ताओं ने डॉ. कृष्णा मोदी के योगदान को सराहते हुए कहा कि उनका जीवन प्रेरणास्रोत है और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक मजबूत सामाजिक आदर्श प्रस्तुत करता है।

पर्यटन कूटनीति के अंतर्गत बड़ी पहल

अंतरराष्ट्रीय पर्यटन एक्सपो वियतनाम 2025 में आईआरसीटीसी ने बढ़ाया वैश्विक प्रभाव

भोपाल (नप्र)। भारत के प्रधानमंत्री ने वर्ष 2025 को आसियान-भारत पर्यटन वर्ष घोषित किया है और आसियान देशों के साथ भारत के सांस्कृतिक, आर्थिक और पर्यटन संबंधों को और सुदृढ़ करने की प्रतिबद्धता दोहराई है। यह महत्वपूर्ण घोषणा पर्यटन को लोगों के बीच आपसी जुड़ाव, साझा समृद्धि और भारत व आसियान देशों के बीच मित्रता के बंधन को मजबूत करने का माध्यम मानती है।

इस नई पहल के तहत भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) को वियतनाम में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित इंटरनेशनल टूरिज़्म एक्सपो वियतनाम 2025 में भारत की भागीदारी आयोजित करने का दायित्व दिया गया है। यह आयोजन 4 से 6 सितंबर 2025 तक सैगॉन एक्ज़िबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर, हो ची मिन्ह सिटी, वियतनाम में आयोजित किया गया जिसमें आईआरसीटीसी के डायरेक्टर राहुल हिमालयन और कई दूसरे प्रतिनिधियों में हिस्सा लिया। आईआरसीटीसी यहां एक

विशेष आसियान-भारत पैवेलियन स्थापित किया, जिसमें भारत के विविध पर्यटन उत्पाद प्रदर्शित किए जाएंगे ङ्क जिनमें देश की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, आध्यात्मिक एवं वेलनेस पैकेज, प्राकृतिक सौंदर्य, साहसिक गतिविधियाँ और विश्वस्तरीय लक्ज़री ट्रेनें शामिल हैं। इन ट्रेनों में महाराजा एक्सप्रेस, गोल्डन चैरीअट और बौद्ध सर्किट लक्ज़री एसी ट्रेन आकर्षण के प्रमुख केंद्र रहे। साथ ही आसियान देशों के पर्यटन दृश्य और आकर्षण भी प्रदर्शित किया गया। हो ची मिन्ह सिटी में भारतीय वाणिज्य दूतावास के महावाणिज्यदूत श्री विप्र पांडेय ने इस पैवेलियन का उद्घाटन किया।

इस नए सहयोग और 2025 को आसियान-भारत पर्यटन वर्ष के रूप में मनाने की तैयारी के तहत, आईआरसीटीसी ने विदेश मंत्रालय के सहयोग से भारत और आसियान देशों के पर्यटन क्षेत्र के प्रतिनिधियों को पाटा ट्रैवल मार्ट 2025 (बैंकॉक) में एकजुट किया। यह भारत-आसियान सांस्कृतिक और पर्यटन सहयोग के लिए एक नए युग की शुरुआत थी। बैंकॉक स्थित आसियान-भारत पैवेलियन का उद्घाटन थाईलैंड में भारत के राजदूत श्री नागेश सिंह ने किया। उनकी सक्रियता से इस पहल को और अधिक गति मिली। इसके अतिरिक्त, 28 अगस्त 2025 को थाईलैंड में एक रोड शो भी आयोजित किया गया, जिसमें पर्यटन उद्योग से जुड़े प्रमुख प्रतिनिधियों ने भाग लिया और यह कार्यक्रम कार्यक्रम सफल रहा।

आईटीई वियतनाम में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व आईआरसीटीसी कर रहा है। इसमें भारत के प्रमुख पर्यटन जीएसए, राज्य पर्यटन बोर्ड के अधिकारी और आसियान देशों के प्रतिनिधि ङ्क पर्यटन व्यापार और नीति निर्माण संस्थाएं ङ्क शामिल हैं। यह सामूहिक भागीदारी प्रधानमंत्री की उस दृष्टि को मूर्त रूप देती है, जिसमें भारत और आसियान एक साथ विकास और पर्यटन सहयोग की दिशा में आगे बढ़ें। आसियान-भारत पैवेलियन की स्थापना के अलावा आईआरसीटीसी को पूरे भारतीय प्रतिनिधिमंडल की लॉजिस्टिक्स व्यवस्था की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। साथ ही, आईआरसीटीसी हो ची मिन्ह सिटी में आसियान-भारत पर्यटन रोड शो का आयोजन कर रहा है, जिसमें भारत-आसियान पर्यटन उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की गयी। इस दौरान स्थानीय ट्रैवल एजेंटों और टूर ऑपरेटरों से सीधा संवाद स्थापित कर नए कारोबारी साझेदारी के अवसर तलाश किए। भारत के प्रधानमंत्री द्वारा आसियान-भारत पर्यटन वर्ष की घोषणा एक ऐतिहासिक कदम है, जो भारत को एक वैश्विक पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित करने में मददगार साबित हुआ। हो ची मिन्ह सिटी में आसियान-भारत पैवेलियन की स्थापना ने भारत और आसियान देशों के बीच संस्कृति और पर्यटन को बढ़ावा देने के नए रास्ते खोले हैं।

रानी कमलापति और जबलपुर से गया के मध्य चलने वाली पितृपक्ष स्पेशल ट्रेन में स्थाई तौर पर दो अतिरिक्त कोच की वृद्धि

भोपाल (नप्र)। रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा एवं मांग को देखते हुए अतिरिक्त कोच लगाए जाते है। रेल प्रशासन द्वारा श्राद्धपक्ष के अवसर पर अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा के लिए पितृपक्ष स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया गया है। इसी कड़ी में पश्चिम मध्य रेल पर अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा हेतु रानी कमलापति-गया-रानी कमलापति एवं जबलपुर-गया-जबलपुर के मध्य पितृपक्ष स्पेशल ट्रेनों में 2 अतिरिक्त कोच वातानुकूलित 3 टियर एवं स्लिपर श्रेणी के स्थायी रूप से लगाए जा रहे है। इस कोच वृद्धि के बाद अब कुल 24 कोच हो गये है, जिसमें वातानुकूलित तृतीय श्रेणी कोचों की संख्या 3 और शयनयान श्रेणी कोचों की संख्या 14 हो गयी है। यात्रियों को रानी कमलापति स्टेशन से प्रारम्भ होने वाली 7 सितम्बर 2025 से और जबलपुर स्टेशन से प्रारम्भ होने वाली 9 सितम्बर 2025 से गया से प्रारम्भ होने वाली 20 सितम्बर 2025 तक इस सुविधा का लाभ मिलेगा।

अतिरिक्त कोच बढ़ जाने से कोच संरचनाः- 1 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, 3 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 14 शयनयान श्रेणी, 4 सामान्य श्रेणी एवं 2 एसएलआरडी सहित अब 24 कोच हैं।

रानी कमलापति-गया-रानी कमलापति पितृपक्ष स्पेशल ट्रेन (03-03 फेरे)

01661 पितृपक्ष स्पेशल ट्रेन दिनांक 07.09.2025, 12.09.2025 एवं 17.09.2025 को दोपहर 13:20 बजे रानी कमलापति से प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 09:30 बजे गया पहुँचेगी। (03 सेवाएं)

01662 पितृपक्ष स्पेशल ट्रेन दिनांक 10.09.2025, 15.09.2025 एवं 20.09.2025 को दोपहर 14:15 बजे गया से रवाना होगी और अगले दिन सुबह 10:45 बजे रानी कमलापति पहुंचेगी। (03 सेवाएं)

ठहराव :- भोपाल, विदिशा, गंजबासौदा, बीना, सागर, दमोह, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्ज़ापुर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, भभुआ रोड, सासाराम, देहरी ऑन सोन एवं अनुग्रह नारायण रोड।

जबलपुर-गया-जबलपुर पितृपक्ष स्पेशल ट्रेन (03-03 फेरे)

01705 पितृपक्ष स्पेशल ट्रेन दिनांक 09.09.2025, 14.09.2025 एवं 19.09.2025 को रात 19:35 बजे जबलपुर से प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 09:30 बजे गया पहुँचेगी। (03 सेवाएं) 01706 पितृपक्ष स्पेशल ट्रेन दिनांक 08.09.2025, 13.09.2025 एवं 18.09.2025 को दोपहर 14:15 बजे गया से रवाना होगी और अगले दिन भोर 04:15 बजे जबलपुर पहुंचेगी। (03 सेवाएं)

ठहराव :- सिहोरा रोड, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, भभुआ रोड, सासाराम, देहरी ऑन सोन एवं अनुग्रह नारायण रोड। रेल प्रशासन यात्रियों से अपील करता है कि वे इस सुविधा का लाभ उठाएं और यात्रा से पूर्व गाड़ियों की समय-सारिणी एवं ठहराव की जानकारी के लिए अधिकृत स्रोतों जैसे रेल मदद 139 या NTES ऐप का उपयोग करें।

2000 करोड़ी फिल्म वाला दांव फिर खेलेंगे आमिर खान

सुपरस्टार आमिर खान की अगली फिल्म का हर कोई इंतजार कर रहा है. 'सितारे जमीन पर' की सक्सेस के बाद अब अपनी नई फिल्म को लेकर आमिर खाम सुर्खियों का हिस्सा बने हुए हैं. आमिर अपनी अगली बड़ी फिल्म के साथ-साथ अपने नए और आकर्षक लुक के लिए भी चर्चा में छाए हुए हैं. रेडिट पर वायरल हो रहे एक वीडियो में सुपरस्टार का 'सितारे ज़मीन पर' में अपने दुबले-पतले शरीर की तुलना में काफी वज़न बढ़ा हुआ दिखाई दे रहा है.

आमिर का नया लुक लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच रहा है. वायरल वीडियो के सामने आने के बाद लोग अंदाजा लगा रहा है कि ये लुक उनका अपकमिंग दादा साहब फाल्के बायोपिक के लिए है. रेडिट यूजर्स के अलग-अलग रिएक्शन सामने आ रहे हैं. एक यूजर ने लिखा, क्या आमिर खान दादा साहब फाल्के की बायोपिक के लिए वज़न बढ़ा रहे हैं? अब उनका शरीर थोड़ा बढ़ा लग रहा है, खासकर 'सितारे ज़मीन पर' में उनके युवा और नए अंदाज़ को देखते हुए.

कुछ अन्य लोगों ने यूजर्स को उनकी बढ़ती उम्र की याद दिलाई और कहा, भाई, वो 60 साल के हो गए हैं. कृप्या स्वीकार करें कि लोग बूढ़े होते हैं. कुछ लोगों ने तो उनके फैसले का बचाव करते हुए कहा, किसे परवाह है? उनका शरीर, उनकी पसंद. जिने दो. खबरें हैं कि भारतीय सिनेमा के पितामह कहे जाने वाले दादा साहब फाल्के की बायोपिक के लिए राजकुमार हिरानी ने आमिर खान को चुना है. इन खबरों के सामने आने के बाद फैन्स की एक्साइटमेंट काफी बढ़ गई है. गौर करने वाली बात ये है कि इससे पहले आमिर खान ने साल 2016 में आई 'दंगल' के लिए वजन बढ़ाया था और इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 2000 करोड़ से भी ज्यादा का कलेक्शन करके दिखाया था.आमिर की टीम की ओर से जारी एक ऑफिशियल बयान में इस प्रोजेक्ट पर प्रकाश डाला गया है. उनका कहना है कि यह हैरानी की बात है कि हिंदी सिनेमा में अभी तक किसी ने भी हमें सिनेमा में सिनेमा की कहानी नहीं सुनाई है. लॉस एंजिल्स के वीएफएक्स स्टूडियो ने फिल्म के उस दौर और अवधि के लिए,द्ध डिज़ाइन पहले ही तैयार कर लिए हैं. रिपोर्ट की मानें तो राजकुमार हिरानी के साथ इस प्रोजेक्ट को अंतिम रूप देने से पहले आमिर ने कई स्क्रिप्ट्स की बारीकी से समीक्षा की.रिपोर्ट के अनुसार, अपनी अगली फिल्म की पुष्टि करने से पहले आमिर खान एक साथ दस प्रोजेक्ट्स पर विचार-विमर्श कर रहे थे, जिनमें सीक्वल, बायोपिक और राजकुमार संतोषी, अनुराग बसु और राकेश ओमप्रकाश मेहरा जैसे फिल्ममेकर्स के साथ सहयोग शामिल थे. खबरों के मुताबिक आमिर खान और राजकुमार हिरानी लंबे समय से दादा साहेब फाल्के पर एक फिल्म बनाने की सोच रहे थे. फिल्ममेकर जब स्क्रिप्ट पर काम कर रहे थे, तब आमिर क्रिएटिव रूप से कई प्रोजेक्ट्स में शामिल थे और यह सुनिश्चित कर रहे थे कि वह केवल उन्हीं सब्जेक्ट पर काम करें जिनमें दमदार संभावनाएं हों।

इंडिया में 4 दिन पहले रिलीज हुई ये फिल्म दुनियाभर में कमा चुकी 1650 करोड़

द कन्यूरिंग लास्ट राइट्स ने इंडिया में 5 सितंबर को रिलीज होने के बाद से बागी 4, द बंगाल फाइल्स और दिल मद्रासी से लेकर लोका चैप्टर 1 तक, हर फिल्म को कमाई में पीछे छोड़ दिया है.जहां टाइगर श्रॉफ की फिल्म बागी 4 50 करोड़ी बनने के लिए तरस गई है, वहीं इस फिल्म ने 3 दिनों में ही 50 करोड़ का आंकड़ा पार करते हुए चौथे दिन फिर से कमाल की कमाई जारी रखी है.फिल्म ने ओपनिंग डे पर इंडिया में सैक्निल्क के मुताबिक, 17.5 करोड़ रुपये कमाए थे. दूसरे और तीसरे दिन फिल्म की कमाई 17.5 करोड़ और 15.5 करोड़ रही. अब चौथे दिन यानी आज 10ः30 बजे तक हॉरर फिल्म की कमाई 5 करोड़ रुपये हो चुकी है. टोटल कलेक्शन की बात करें तो ये 55.50 करोड़ रुपये पहुंच चुका है. बता दें कि ये आंकड़े फाइनल नहीं हैं. इनमें अभी बदलाव हो सकता है.द कन्यूरिंग लास्ट राइट्स इस हॉरर फ्रेंचाइजी की चौथी और आखिरी फिल्म है. इसे इसके पहले के पार्ट्स से यादा बजट में तैयार किया गया है. कोईमोई की रिपोर्ट के मुताबिक, 55 मिलियन डॉलर यानी करीब 485 करोड़ रुपये में बनाया गया है. फिल्म के वर्ल्डवाइड कलेक्शन की बात करें तो इसने दुनियाभर में सैक्निल्क के मुताबिक, 1650 करोड़ रुपये कलेक्ट कर लिए हैं. यानी बजट का 340 प्रतिशत यादा निकालकर ये फिल्म पहले ही वीकेंड में हिट हो चुकी है.इस फ्रेंचाइजी की फिल्म का पहला पार्ट 2011 में आया था. इसके बाद 2016 में दूसरा और 2021 में तीसरा पार्ट रिलीज किया गया. इन सभी फिल्मों ने भी बॉक्स ऑफिस पर अछी कमाई की थी.हर पार्ट की तरह इस पार्ट में भी हॉलीवुड के बड़े एक्टर पैट्रिक विल्सन और वेरा फारमिगा हैं. फिल्म के डायरेक्शन की कमान माइकल केल्स ने संभाली है।

नेटफ्लिक्स ने आर्यन खान की फिल्म
The Ba**ds of Bollywood का ट्रेलर किया जारी

मूलतः, यह सीरीज़ आसमान सिंह (लक्ष्य) की कहानी है, जो सिनेमा की दुनिया में बड़े सपने देखने वाला एक महत्वाकांक्षी नवागंतुक है। अपने वफ़ादार दोस्त परवेज़ (राघव जुयाल), तेज़-तर्रार मैनेजर सान्या (अन्या सिंह), और अपने मददगार पारिवारिक चाचा अवतार (मनोज पाहवा), माँ नीता सिंह (मोना सिंह) और पिता रजत सिंह (विजयंत कोहली) के साथ, आसमान फिल्म उद्योग की चुनौतियों और चकाचौंध से जूझता है।

आसमान को जल्द ही पता चलता है कि अपने सपनों को पूरा करने के लिए अपनी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, खासकर जब महत्वाकांक्षा और अहंकार का टकराव होता है। सुपरस्टार अजय तलवार (बॉबी देओल) और उनकी बेटी, बॉलीवुड की नवोदित अभिनेत्री करिश्मा (सहर बंबा) के सामने उसे अब तक की सबसे बड़ी परीक्षा का सामना करना पड़ता है। चतुर निर्माता फ्रेडी सोडावाला (मनीष चौधरी) और पूर्व अभिनेता जाराज सक्सेना (रजत बेदी) के साथ, जो वापसी के लिए बेताब हैं, कहानी हिंदी सिनेमा की जीवंत दुनिया में एक मजाकिया और आत्म-जागरूक यात्रा के रूप में सामने आती है।

काजल अग्रवाल की एक्सीडेंट में मौत की उड़ी अफवाह

एक्ट्रेस बोलीं- मैं जिंदा हूं

काजल अग्रवाल हाल ही में पति गौतम किचलू के साथ मालदीव्स वेकेशन पर गई थीं. वेकेशन से उन्होंने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें भी शेयर की थीं और लिखा था-मालदीवः मेरा बार-बार आने वाला प्यार. एक ऐसी मासिक मुलाकात जिसका मैं खुशी-खुशी सामना करूंगी. इसके कभी ना खत्म होने वावे आकर्षण, चमक और नेचर के सबसे आकर्षक रनवे जैसे सूर्यास्त हर बार मुझे अपनी ओर खींच लेते हैं. हर बार मेरी सांसें थम सी जाती हैं.

साउथ की दिग्गज एक्ट्रेस काजल अग्रवाल को लेकर ऐसी अफवाहें आ रही थीं कि एक एक्सीडेंट मे उनकी मौत हो गई है. कई खबरों में ये भी कहा जा रहा था कि एक्ट्रेस सड़क हादसे में बुरी तरह घायल हो गई हैं. अब खुद काजल ने एक पोस्ट करते हुए इन खबरों को फेक और बेसलेस बताया है. उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट करते हुए बताया है कि वो बिल्कुल ठीक हैं.

काजल अग्रवाल ने इंस्टाग्राम पर लिखा- मुझे कुछ बेबुनियाद खबरें मिली हैं जिनमें दावा किया गया है कि मैं एक हादसे का शिकार हो गई (और अब जिंदा नहीं हूं) और ईमानदारी से कहूं तो, ये काफी मजेदार है क्योंकि ये पूरी तरह से झूठ है. ईश्वर की कृपा से, मैं आप सभी को तसल्ली देना चाहती हूं कि मैं बिल्कुल ठीक हूं. सुरक्षित हूं और बहुत अछा कर रही हूं. मैं आपसे विनम्र निवेदन करती हूं कि ऐसी झूठी खबरों पर भरोसा न करें और न ही फैलाएं. आइए, हम अपना ध्यान पॉजीटिव और सचाई पर फोकस करें.

हाल हीं में मालदीव्स गई थीं काजल अग्रवाल

काजल अग्रवाल हाल ही में पति गौतम किचलू के साथ मालदीव्स वेकेशन पर गई थीं. वेकेशन से उन्होंने इंस्टाग्राम पर तस्वीरें भी शेयर की थीं और लिखा था-मालदीवः मेरा बार-बार आने वाला प्यार. एक ऐसी मासिक मुलाकात जिसका मैं खुशी-खुशी सामना करूंगी. इसके कभी ना खत्म होने वावे आकर्षण, चमक और नेचर के सबसे आकर्षक रनवे जैसे सूर्यास्त हर बार मुझे अपनी ओर खींच लेते हैं. हर बार मेरी सांसें थम सी जाती हैं.

काजल अग्रवाल का वर्कफ्रंट

वर्कफ्रंट पर काजल अग्रवाल आखिरी बार विष्णू मांचू की फिल्म कन्नप्पा में नजर आई थीं. इसके अलावा वो नितेश तिवारी की माइथोलॉजिकल फिल्म रामायण में भी दिखाई देंगी. इस फिल्म में वो रावण की बीवी मंदोदरी का किरदार निभा रही हैं. इसके अलावा उनके पास द इंडिया स्टोरी और इंडियन 3 जैसी फिल्में भी पाइपलाइन में हैं।

वरुण धवन की फिल्म में खेसारी लाल यादव की धांसू एंट्री

बॉलीवुड की चर्चित फिल्म ॒सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी॒ इन दिनों लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। वरुण धवन और जान्हवी कपूर की यह रोमांटिक कॉमेडी पहले से ही दर्शकों की जिज्ञासा बढ़ा रही थी, लेकिन अब इसमें भोजपुरी इंडस्ट्री का बड़ा सरप्राइज जुड़ गया है। दरअसल, भोजपुरी सुपरस्टार खेसारी लाल यादव ने खुद इस बात की पुष्टि की है कि वे फिल्म में अपनी आवाज देंगे। धर्मा प्रोडक्शन ने सोशल मीडिया पर इसका वीडियो साझा किया, जिसमें खेसारी ने अपने फैंस को खास अंदाज़ में यह खुशखबरी दी।

खेसारी लाल यादव सिर्फ भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार ही नहीं, बल्कि आज एक राष्ट्रीय चेहरे बन चुके हैं। उनके गानों की दीवानगी हर उम्र के दर्शकों में देखी जाती है। यूपी-बिहार में उनके गानों और एक्टिंग के लाखों लोग दिवाने हैं। ऐसे में जब उन्होंने घोषणा की कि वे 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में ॒रैपचिक॒ गाना गाने जा रहे हैं, तो दर्शकों की उत्सुकता और भी बढ़ गई। यह गाना फिल्म के प्रमोशन को नए स्तर पर ले जाने वाला है, क्योंकि भोजपुरी टच दर्शकों को तुरंत जोड़ लेता है।

धर्मा प्रोडक्शन हमेशा से ही अपनी फिल्मों को लेकर कुछ नया करने के लिए जाना जाता है। वरुण धवन की यह फिल्म वैसे भी उनके फैंस के लिए खास है, क्योंकि उन्होंने ॒हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया॒ और ॒बद्रीनाथ की दुल्हनिया॒ जैसी हिट फिल्मों से अपनी पहचान एक रोमांटिक कॉमेडी हीरो के तौर पर बना ली है। अब जब खेसारी लाल जैसे सुपरस्टार की आवाज इस फिल्म का हिस्सा बनेगी, तो यह सहयोग बॉलीवुड और भोजपुरी दोनों दर्शकों को साथ जोड़ने का शानदार प्रयास कहा जा सकता है।

गौर करने वाली बात यह है कि खेसारी लाल से पहले हरियाणवी सिंगर मासूम शर्मा भी इस फिल्म से जुड़े थे। मासूम शर्मा ने संगीतकार प्रीतम के साथ एक तस्वीर साझा कर बताया था कि वे फिल्म में एक डांसिंग नंबर गाने जा रहे हैं।

फिल्म में वरुण धवन और जान्हवी कपूर की जोड़ी पहले से ही चर्चा का विषय बनी हुई है। दर्शक मानते हैं कि वरुण जब भी कॉमिक रोल निभाते हैं तो पर्दे पर अलग ही एनर्जी दिखती है। वहीं जान्हवी का ग्लैमरस और मासूम अंदाज़ इस फिल्म को और भी रोचक बना रहा है। अब खेसारी और मासूम शर्मा की आवाजें इसमें नई जान डालने वाली हैं।

धर्मा प्रोडक्शन के इंस्टाग्राम अकाउंट पर आए वीडियो में खेसारी लाल यादव बड़े ही मजेदार अंदाज़ में कहते नजर आए, ॒पनवाड़ी के पीछे वाली पतली गली में है तुम्हारे सजन की कोठरीज मैं हूं खेसारी लाल यादवज एक बहुत ही प्यारी फिल्म बनी है सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी जो आपको थिएटर में देखने को मिलेगी। इसमें आपके भाई की आवाज में एक गाना भी है। लव यू ऑल। इस अंदाज़ ने फैंस को और भी एक्साइटेड कर दिया है।

ग्रैंडस्लैम में 100वीं जीत के साथ सबालेंका ने बरकरार रखा यूएस ओपन का खिताब

न्यूयॉर्क, एजेंसी। सबालेंका ने इस खिताबी के साथ कई रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए हैं। वह ओपन एरा की तीसरी खिलाड़ी हैं जिन्होंने अपने पहले चार ग्रैंडस्लैम हार्ड कोर्ट पर जीते हैं। विश्व की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी एरिना सबालेंका ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अमांडा एनिसोवा को हराकर वर्ष के आखिरी ग्रैंडस्लैम यूएस ओपन में खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। सबालेंका ने महिला एकल के फाइनल में एनिसोवा को एक घंटे 34 मिनट तक चले फाइनल मुकाबले में 6-3, 7-6(3) से हराया। सबालेंका का यह चौथा ग्रैंडस्लैम खिताब है।

नंबर एक का ताज बरकरार

सबालेंका ने फाइनल में आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। उन्होंने 13 विनर्स लगाए और 15 बेजां भूलें की। दूसरी ओर, एनिसोवा ने 29 बेजां भूलें की और सात डबल फॉल्ट किए। पहले सेट में कड़े संघर्ष के बाद सबालेंका ने अपने अनुभव का भरपूर इस्तेमाल किया। दूसरे सेट में भी सलाबेंका अमेरिकी युवा अनिसिमोवा से बीस साबित हुईं और उन्होंने लगातार सेटों में जीत दर्ज की। सबालेंका ने इस दौरान चार बार सर्विस गंवाई, हालांकि खिताबी जीत के साथ उन्होंने नंबर एक का ताज भी बरकरार रखा है, जबकि हार के बावजूद एनिसोवा चौथे स्थान पर पहुंच जाएंगी।

शुरुआती चार ग्रैंडस्लैम हार्ड कोर्ट पर जीते

सबालेंका ने इस खिताबी के साथ कई रिकॉर्ड अपने नाम कर लिए हैं। वह ओपन एरा की तीसरी खिलाड़ी हैं जिन्होंने अपने पहले चार ग्रैंडस्लैम हार्ड कोर्ट पर जीते हैं। इस मामले में उन्होंने नाओमी ओसाका और किम क्लीस्टर की बराबरी कर ली है। ओसाका ने अपने करियर में यूएस ओपन (2018 और 2020) तथा ऑस्ट्रेलियन ओपन (2019, 2021) जीते हैं। क्लीस्टर ने 2005, 2009 और 2010 में यूएस ओपन तथा 2011 में ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता था।

सेरेना विलियम्स की बराबरी पर पहुंचीं

सबालेंका ओपन एरा की दूसरी खिलाड़ी हैं जिन्होंने फाइनल में अपने ग्रैंडस्लैम करियर का 100वां मुकाबला जीता है। इससे पहले यह उपलब्धि इगा स्वियातेक ने विंबलडन के दौरान हासिल की थी। दोनों खिलाड़ियों ने फाइनल में एनिसोवा को हराकर ग्रैंडस्लैम करियर का 100वां मैच जीता। वहीं, 2012-2014 में सेरेना विलियम्स के बाद यूएस ओपन के महिला एकल वर्ग में लगातार दो खिताब जीतने वाली सबालेंका पहली खिलाड़ी हैं। सबालेंका से पहले ओपन एरा में चुनिंदा खिलाड़ियों ने ही यह उपलब्धि हासिल की है। इस सूची में सेरेना विलियम्स (2012-2014), किम क्लीस्टर (2009-2010), वीनस विलियम्स (2000-2001), मोनिका सेलेस (1991-1992), स्टेफी ग्राफ (1988-1989, 1995-1996), मार्टिना नावरातोलोवा (1983-1984, 1986-1987) और क्रिस एवर्ट (1975-1978) शामिल हैं।

महिला एशिया कप 2025:

भारत और जापान के बीच मैच 2-2 से ड्रॉ रहा

हांगझोउ, एजेंसी। भारतीय महिला हॉकी टीम ने हॉकी एशिया कप में दमदार प्रदर्शन करते हुए जापान के खिलाफ मैच 2-2 से ड्रॉ करा लिया। भारत के लिए रुतुजा दादासो पिसल (30वें मिनट) और नवनीत कौर (60वें मिनट) ने गोल किए। जापान के लिए हिरोका मुरायामा (10वें मिनट) और चिको फुजीबयाशी (58वें मिनट) ने गोल किए। भारतीय टीम टूर्नामेंट में अब तक अजेय है। थाईलैंड के खिलाफ पहला मैच टीम इंडिया ने 11-0 से जीता था। मैच में भारतीय टीम ने तेज शुरुआत की थी, लेकिन जापान की रक्षात्मक पंक्ति ने शानदार तरीके से भारतीय आक्रमण को रोका। जापान के लिए हिरोका मुरायामा (10वें मिनट) ने पहला गोल किया। जापान ने 1-0 की बढ़त बना ली और पहले क्वार्टर में भारत पर बढ़त बनाए रखी। ब्रेक के बाद, भारतीय टीम ने बराबरी के लिए आक्रामक रुख अपनाया। पहले हाफ के आखिरी मिनटों में रुतुजा दादासो पिसल (30वें मिनट) ने गोल किया और मुकाबला 1-1 से बराबरी पर ला दिया। ब्रेक तक दोनों टीमें 1-1 से बराबरी पर थीं। दूसरे हाफ की शुरुआत में दोनों टीमें सतर्क रुख अपनाते हुए खेलीं ताकि कोई भी बढ़त न खो दे। तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमों ने एक-दूसरे पर जोरदार प्रहार किए लेकिन ब्रेक तक स्कोर 1-1 से बराबर रहा। अंतिम क्वार्टर में, दोनों टीमों ने निर्णायक जीत की तलाश में आक्रमण को तेज किया। जापान का दबाव शुरुआत में ही रंग लाया और उन्होंने अंतिम हूटर से कुछ मिनट पहले गोल कर दिया। चिको फुजीबयाशी (58वें मिनट) को पेनल्टी स्ट्रोक मिला और उन्होंने गोल करके स्कोर 2-1 कर दिया। भारत के लिए नवनीत कौर पेनल्टी कॉर्नर पर (60वें मिनट) गोल दागा। इस गोल से भारतीय टीम ने 2-2 से बराबरी हासिल की और मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ। भारत का अगला मुकाबला 8 सितंबर को भारतीय समयानुसार दोपहर 12:00 बजे सिंगापुर से होगा।

एशिया कप हॉकी:

भारत का जलवा, चीन पर 7-0 की धमाकेदार जीत से फ़ाइनल में प्रवेश

राजगीर, एजेंसी। भारत ने एशिया कप हॉकी 2025 के सुपर-4 चरण के अपने आख़िरी मैच में चीन को 7-0 से रौंदकर फ़ाइनल में धमाकेदार एंट्री कर ली है। इस जीत के साथ ही टीम इंडिया का आत्मविश्वास चरम पर पहुँच गया है। फ़ाइनल में उसका मुकाबला मेज़बान दक्षिण कोरिया से होगा। पहले हाफ़ से ही भारतीय खिलाड़ियों ने मैच पर पूरी तरह पकड़ बना ली थी। शिलानंद लाकड़ा, दिलप्रीत सिंह और मंदीप सिंह ने शानदार फील्ड गोल करते हुए भारत को 3-0 की बढ़त दिलाई। दूसरे हाफ़ में भारत का आक्रामक अंदाज़ और तेज़ हुआ। राजकुमार पाल और सुखजीत सिंह ने गोल दागे, जबकि अभिषेक नैन ने दो गोल कर चीन को पूरी तरह बैकफ़ुट पर धकेल दिया। भारत अब चौथी बार एशिया कप जीतने के इरादे से मैदान में उतरेगा। दिलचस्प बात यह है कि टीम दूसरी बार घरेलू धरती पर इस खिताब को जीतने की कोशिश करेगी।

एशिया कप 2025:

भारत-पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने नहीं मिलाया हाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। एशिया कप का बुखार चढ़ने लगा है. 9 सितंबर से टूर्नामेंट शुरू है. भारत और पाकिस्तान का मुकाबला इसमें हालांकि 14 सितंबर को है. मगर उससे पहले दोनों चिर-प्रतिद्वन्दी दुबई के आईसीसी एकेडमी के ग्राउंड पर प्रैक्टिस करते दिखे. दोनों टीमों की प्रैक्टिस के लिए मैदान एक ही था, बस नेट्स अलग-अलग थे.

इस बीच ऐसी रिपोर्ट है कि एक ही मैदान पर प्रैक्टिस के बावजूद भारत-पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने हाथ नहीं मिलाए. रिपोर्ट के मुताबिक, एक ही मैदान पर प्रैक्टिस के बावजूद भारत-पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने हाथ नहीं मिलाने की वजह उनके एक-दूसरे से मुलाकात का ना होना हो सकता है. पाकिस्तान की टीम जब दुबई के आईसीसी एकेडमी पर पहुंची, तो उस वक्त वहां टीम इंडिया पहले से ही

दोनों टीमों ने एक ही मैदान पर की प्रक्टिस

प्रैक्टिस कर रही थी. पाकिस्तान खिलाड़ियों ने नेट्स पर पसीना बहाते भारतीय खिलाड़ियों को देखा भी. उसके बाद वो अपनी ट्रेनिंग और ड्रिलिंग में लग गए.

एशिया कप से पहले पाकिस्तान ने की ट्राई-सीरीज फाइनल की तैयारी

पाकिस्तान की टीम 6 सितंबर की शाम 7 बजे के बाद दुबई के आईसीसी एकेडमी पहुंची थे. उनके वहां पहुंचने का मकसद एशिया कप से पहले ट्राई-सीरीज के फाइनल के लिए खुद को ट्रेन करने का था. टी20 ट्राई सीरीज के फाइनल में पाकिस्तान का मुकाबला अफगानिस्तान से है. अफगानिस्तान की टीम इस सीरीज में हार का कड़वा घूंट पिला चुकी हैं, इसलिए पाकिस्तान की टीम फाइनल को लेकर थोड़ा ज्यादा सतर्क नजर आई.

14 सितंबर को एशिया कप में भिड़ेंगे भारत-पाकिस्तान

एशिया कप का आगाज 9 सितंबर से है. मगर उसमें भारत अपने अभियान का आगाज जहां 10 सितंबर को करेगा. वहीं पाकिस्तानी टीम 12 सितंबर को अपना पहला मैच खेलेगी. उसके बाद 14 सितंबर को भारत-पाकिस्तान, एशिया कप 2025 के अपने-अपने दूसरे मैच में आमने-सामने होंगे. दोनों चिर-प्रतिद्वन्दियों के बीच वो मुकाबला दुबई में ही खेला जाना है.

बीसीसीआई ने 5 सालों में की रिकॉर्डतोड़ कमाई, पिछले साल कमाए 4,193 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को मौजूदा समय में विश्व का सबसे अमीर क्रिकेट बोर्ड कहा जाता है. दुनिया का कोई भी क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई से ज्यादा पैसा नहीं कमाता है. यही वजह है कि भारतीय क्रिकेटरों को भी दुनियाभर में सबसे ज्यादा सैलरी मिलती है. बीसीसीआई की इनकम को लेकर एक ताजा रिपोर्ट सामने आई है, जो वाकई हैरान करने वाली है. रिपोर्ट में बताया गया है कि बीसीसीआई ने पिछले पांच सालों में बंपर कमाई की है. बीसीसीआई ने पिछले 5 सालों में 14,627 करोड़ रुपये कमाए हैं. इनमें से 4,193 करोड़ रुपये पिछले वित्तीय वर्ष में ही आए हैं. इस प्रकार बीसीसीआई का बैंक बैलेंस 20,686 करोड़ रुपये हो गया है. एक रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है.

चक्रिकबज' की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि राज्य इकाइयों को सभी बकाया राशि का भुगतान करने के बाद भी, सामान्य कोष में भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई और 2019 में यह कोष 3,906 करोड़ रुपये का था, जो 2024 में बढ़कर लगभग दोगुना यानी 7,988 करोड़ रुपये हो गया है. ये आंकड़े राज्य एसोसिएशन के साथ शेयर किए गए हैं. रिपोर्ट के अनुसार, 2024 की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में पेश किए गए लेखा-जोखा में कहा गया है कि मानद सचिव ने सदस्यों को बताया कि 2019 से बीसीसीआई की नकद और बैंक में जमा राशि 6,059 करोड़ रुपये से बढ़कर 20,686 करोड़ रुपये हो गई है. इसमें कहा गया है कि 6,059 करोड़ रुपये तब थे जब राज्य क्रिकेट संघों को भुगतान नहीं किया गया था, जबकि 20,686 करोड़ रुपये राज्य क्रिकेट संघों का बकाया भुगतान करने के बाद हैं.

बीसीसीआई को जल्द मिलेगा नया अध्यक्ष

बीसीसीआई में चुनाव 28 सितंबर को होंगे, उसी दिन अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष और संयुक्त सचिव पदों पर नई नियुक्ति होगी. बता दें कि बोर्ड के प्रेसिडेंट रोजर बिन्नी की उम्र 70 से ज्यादा हो गई है, इसलिए उन्हें अध्यक्ष पद छोड़ना पड़ा है. अब जल्द बीसीसीआई को नया अध्यक्ष मिलेगा.

वर्ल्ड चैम्पियनशिप:

पहले दौर से बाहर होने के बाद मुक्केबाज लवलीना ने ट्रेनिंग पर जताई निराशा, खड़े किए सवाल

लिवरपूल, एजेंसी। लवलीना ने पेरिस ओलंपिक और उसके बाद के मुकाबलों के लिए तैयारी के दौरान कम अनुभव मिलने पर अफसोस जताया और टोक्यो खेलों से पहले मिली सहयोग प्रणाली से तुलना की। भारत की स्टार मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन का प्रदर्शन विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अच्छा नहीं रहा था और उन्हें पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद लवलीना ने ट्रेनिंग पर निराशा जताई और सवाल खड़े किए। लवलीना ने ट्रेनिंग के कम अवसर मिलने पर सवाल खड़े किए और कहा कि उन्हें हमेशा वह ट्रेनिंग नहीं मिलती जो उन्हें चाहिए होती है। एक साल से अधिक समय बाद अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में वापसी करने वाली टोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना शनिवार को 75 किग्रा वर्ग के राउंड ऑफ 16 मुकाबले में तुर्किये की बुसरा इस्लिदार के खिलाफ 0-5 की हार के दौरान लय में नहीं दिखी। इस 27 वर्षीय भारतीय मुक्केबाज ने पेरिस ओलंपिक और उसके बाद के मुकाबलों के लिए तैयारी के दौरान कम अनुभव मिलने पर अफसोस जताया और टोक्यो खेलों से पहले मिली सहयोग प्रणाली से तुलना की।

लवलीना ने एक्स पर लिखा, एक साल बाद मैंने अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। मैं अपने पहले ही मुकाबले में हार गई, इससे पीड़ा पहुंचती है। मुझे खेद है कि मैं इस बार ऐसा नहीं कर पाई। लेकिन सभी जानते हैं कि मैं कभी भी किसी और चीज के लिए नहीं लड़ती, सिर्फ अपनी ट्रेनिंग के लिए। मैं कभी विलासिता की चीजें नहीं मांगती। मैं सिर्फ अच्छी ट्रेनिंग मांगती हूं।

लवलीना ने हालांकि स्पष्ट किया कि वह मौजूदा कोच की आलोचना नहीं कर रही हैं। उन्होंने कहा, मैं मौजूदा कोच और टीम के सदस्यों को दोष नहीं दे रही। उन्होंने हमेशा मेरा साथ दिया है और मेरी मदद करने की कोशिश की है। लेकिन हां, कुछ नया सीखने में हमेशा थोड़ा और समय लगता है।

लवलीना बोलीं- बार-बार खुद को साबित करना पड़ता है

उन्होंने कहा, टोक्यो ओलंपिक से पहले हमारे पास अच्छे अंतरराष्ट्रीय शिविर थे। मैं ट्रेनिंग के लिए अंतरराष्ट्रीय स्पारिंग जोड़ीदार के लिए अनुरोध करती थी लेकिन पेरिस ओलंपिक से पहले मुझे बहुत कम प्रतियोगिताएं और बहुत कम अंतरराष्ट्रीय शिविर का मौका मिला। अच्छे जोड़ीदार के बिना मैं खुद को कैसे बेहतर बना सकती हूं? पेरिस ओलंपिक में भी मैं अकेली थी। मुझे खुद को बार-बार साबित करना पड़ता है। और सभी जानते हैं कि खेल में मानसिक शक्ति उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी शारीरिक शक्ति। फिर भी अपने देश के लिए सब कुछ देने के बाद भी मुझे हमेशा वह ट्रेनिंग या कोच नहीं मिलता जो मुझे सच में चाहिए। मैं हर लड़ाई में अकेले ही मुश्किलों का सामना करती हूं। मुझे बताओ क्या यह सही है कि मैं

आर्चरी: भारतीय पुरुष कम्पाउंड तीरंदाजी टीम ने रचा इतिहास

गवांग्जू, एजेंसी। ऋषभ यादव, अमन सैनी और प्रथमेश फुगे की तिकड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया और खिताबी मुकाबले में फ्रांस को 235-233 के अंतर से हराया। भारतीय पुरुष कम्पाउंड तीरंदाजी टीम ने इतिहास रच दिया है।

भारतीय टीम ने विश्व चैंपियनशिप में रविवार को फ्रांस को हराकर पहली बार इस टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता। ऋषभ यादव, अमन सैनी और प्रथमेश फुगे की तिकड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया और खिताबी मुकाबले में फ्रांस को 235-233 के अंतर से हराया। भारत ने फाइनल से पहले ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और तुर्किये पर भी प्रभावशाली जीत दर्ज की थी।

इससे पहले, ज्योति सुरेखा वेनम और ऋषभ यादव की मिश्रित टीम जोड़ी को फाइनल में नीदरलैंड्स के खिलाफ 155-157 से हार का सामना कर रजत पदक से संतोष करना पड़ा था। लेकिन 23 वर्षीय ऋषभ ने इसके बाद सैनी और प्रथमेश के साथ मिलकर पुरुष कम्पाउंड टीम का खिताब अपने नाम किया। तीसरे सेट के बाद स्कोर 176-176 पर बराबर था, लेकिन दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय टीम ने निर्णायक दौर में 59 अंक बटोरी, जबकि फ्रांस 57 अंक ही हासिल कर सकी। इस तरह भारत ने ऐतिहासिक स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

बिहार के उमेश विक्रम ने पूरी दुनिया में लहराया परचम...

पैरा बैडमिंटन में बन गए वर्ल्ड नंबर1

जमशेदपुर, एजेंसी। भारत के लिए पैरा बैडमिंटन में बड़ी खबर है। बिहार के सीतामढ़ी के रहने वाले और जमशेदपुर से जुड़े उमेश विक्रम कुमार दुनिया के नंबर वन खिलाड़ी बन गए हैं। बीडब्ल्यूएफ की जारी ताजा रैंकिंग में उन्हें पुरुष एकल वर्ग में विश्व नंबर 1 घोषित किया गया है। यह भारत और खासकर बिहार- झारखंड के लिए गर्व का बड़ा पल है।

पूरा साल रहा उमेश विक्रम के नाम

साल 2025 उमेश विक्रम के लिए शानदार रहा। उमेश विक्रम कुमार ने जनवरी में मिस्र की चैम्पियनशिप में उन्होंने एकल में स्वर्ण पदक और युगल में रजत पदक जीता। इसके बाद मार्च में स्पेन चैम्पियनशिप में रजत, मई में दुबई चैम्पियनशिप में एकल और युगल दोनों में रजत और जून में बहरीन चैम्पियनशिप में कांस्य पदक हासिल किया।

दुनियाभर में जीते मेडल

इसके बाद भी उनका प्रदर्शन जारी रहा। थाईलैंड में एशियन पैरा बैडमिंटन चैम्पियनशिप में कांस्य, जुलाई में ब्रिटिश एंड आयरिश इंटरनेशनल में रजत और अगस्त में पेरू इंटरनेशनल में कांस्य जीता। बीडब्ल्यूएफ विश्व चैम्पियनशिप में भी उन्होंने पुरुष युगल में दो कांस्य पदक अपने नाम किए। इतनी लगातार सफलता के बाद उमेश विक्रम को दुनिया का नंबर 1 घोषित किया गया। अपनी खुशी जताते हुए उमेश ने कहा कि यह उनके लिए किसी सपने के सच होने जैसा है। उसने बताया कि इस सफलता के पीछे मेरे परिवार, मेरे कोच और टाटा स्टील स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट का बड़ा हाथ है। यहां की सुविधाओं ने मेरे खेल को नई ऊंचाई दी है।'

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली की हवा सबसे ज्यादा जहरीली, 6 साल की स्टडी के बाद वैज्ञानिकों ने अच्छी खबर भी दी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में सांस लेना अब और भी खतरनाक हो गया है। पुणे के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रॉपिकल मेटेरोलॉजी की छह साल की रिसर्च में पता चला है कि दिल्ली की हवा में पारा सबसे ज्यादा है। पारा एक जहरीला धातु है जो तंत्रिका तंत्र, किडनी और हृदय के लिए नुकसानदेह है। अध्ययन में दिल्ली, अहमदाबाद और पुणे की हवा की तुलना की गई। इसके नतीजे हैरान कर देने वाले हैं। अध्ययन ने बताया गया है कि दिल्ली में पारा का स्तर दक्षिण एशिया में अब भी सबसे अधिक बना हुआ है। दिल्ली की हवा में पारा का स्तर 6.9 नैनोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर पाया गया, जबकि अहमदाबाद में यह 2.1 और पुणे में 1.5 नैनोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर है। दिल्ली का पारा स्तर वैश्विक स्तर से 13 गुना ज्यादा था। रिसर्च में बताया गया कि इन शहरों में पारा का 72% से 92% हिस्सा मानव गतिविधियों जैसे कोयला जलाना, ट्रैफिक और उद्योगों के कारण है। सर्दियों में और रात के समय पारा की मात्रा बढ़ जाती है, जो कोयला जलाने, पराली जलाने और स्थिर मौसम की वजह से होता है। आईआईएससी के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज के चेयर प्रोफेसर गुफ़रान बीग ने कहा, पारा डब्लूएचओ के अनुसार सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए 10 खतरनाक रसायनों में शामिल है। अगर छोटे मात्रा में भी 5–10 साल तक सांस के जरिए एक्सपोजर होता रहे, तो यह खतरनाक हो सकता है। लंबे समय तक पारा सांस में लेने से तंत्रिका तंत्र, पाचन तंत्र, इम्यून सिस्टम, किडनी और फेफड़ों को नुकसान पहुंचता है। दिल्ली की हवा में पारा का स्तर सबसे ज्यादा है, जबकि अहमदाबाद और पुणे में कम पाया गया। वैज्ञानिकों का दावा है कि हाल के वर्षों में धीरे–धीरे कमी का संकेत भी मिला है। दिल्ली की हवा में पारा बढ़ने का मुख्य कारण मानव गतिविधियां जैसे कोयला जलाना, ट्रैफिक और उद्योग हैं। सर्दियों और रात के समय पारा का स्तर बढ़ जाता है, जो दिमाग, किडनी, फेफड़े, हृदय और पाचन तंत्र पर गंभीर असर डाल सकता है।

साधु बनकर लाल किले से उड़ा ले गया हीरे–पन्ना जड़ा सोने का कलश, चोर का चेहरा आया सामने

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के लाल किला परिसर में जैन समाज के धार्मिक कार्यक्रम के दौरान करीब एक करोड़ रुपये मूल्य का हीरे–पन्ना और माणिक जड़ा सोने का कलश चोरी हो गया। पुलिस को कार्यक्रम स्थल से संदिग्ध चोर की सीसीटीवी फुटेज मिली है। फुटेज में आरोपी साधु का वेश धारण कर आयोजन में शामिल होता दिख रहा है। सूत्रों के अनुसार, संदिग्ध ने जैन साधुओं की तरह वस्त्र पहन रखे थे और आयोजन में सक्रिय रूप से भाग ले रहा था। मौका मिलते ही उसने कलश को वस्त्रों में छिपाया और रसोईघर पहुंचा। वहां उसने चांदनी चौक की एक दुकान का झोला उठाया और उसमें कलश डाल दिया। इसके बाद वह भीड़ का फायदा उठाकर आराम से बाहर निकल गया। पुलिस के पास संदिग्ध की पंडाल से बाहर निकलते समय की साफ फुटेज भी है। जांच अधिकारियों ने बताया कि फुटेज के आधार पर संदिग्ध की तलाश की जा रही है, लेकिन वह अब तक फरार है। पुलिस को शक है कि इस वारदात में अकेला व्यक्ति शामिल नहीं है। पूरी जांच टीम कार्यक्रम की सभी फुटेज खंगाल रही है। यह चोरी लाल किला परिसर स्थित 15 अगस्त पार्क में आयोजित जैन धर्म के दस लक्षण पर्व के दौरान मंगलवार को हुई। पुलिस ने बताया कि संदिग्ध ने साधु के वेश में पहले भी कई मंदिरों में चोरी की घटनाएं की हैं। कोतवाली पुलिस ने मामले में कई टीमों को लगाया है। फेस रिकगनिशन तकनीक की मदद से आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी की कोशिश की जा रही है।

टीवी एक्टर आशीष कपूर का दिल्ली एम्स में हुआ च्मर्दानगी' टेस्ट, गैंगरेप केस में हैं आरोपी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के सिविल लाइंस इलाके में हुए कथित गैंगरेप मामले में गिरफ्तार आरोपी टीवी एक्टर आशीष कपूर का शनिवार को एम्स में पोटेंसी टेंस्ट (मर्दानगी टेस्ट) कराया गया। वहीं, तीस हजारी कोर्ट ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। 24 वर्षीय पीड़ित युवती ने 11 अगस्त को गैंगरेप की एफआईआर दर्ज कराई थी। युवती ने अपनी शिकायत में कहा था कि इंस्टाग्राम पर दोस्त बने आशीष कपूर ने 10 अगस्त की शाम उसे सिविल लाइंस स्थित घर पर बुलाकर शराब पिलाई और अपने दो साथियों के साथ मिलकर बाथरू में ले जाकर गैंगरेप किया। पीड़िता का आरोप है कि इस दौरान एक अन्य युवती भी आरोपियों का साथ दे रही थी। पुलिस के अनुसार, घटना के बाद आशीष मोबाइल बंद कर फरार हो गया था। टेक्निकल सर्विलांस की मदद से एसआई महिपाल और एसआई प्रिंस ने उसकी तलाश की और सूचना पर मंगलवार को पुणे से दबोच लिया। आरोपी अपनी एक महिला मित्र के फ्लैट में छिपा हुआ था।

राजनीति में एंट्री लेने को निशांत तैयार, बस नीतीश कुमार के परमिशन का है इंतजार

नई दिल्ली, एजेंसी। पंजाब में विनाशकारी बाढ़ ने हाहाकार मचा रखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी पंजाब में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने वाले हैं। जानकारी के मुताबिक वह 9 सितंबर को पंजाब जाएंगे और बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करेंगे। पीएम मोदी गुरदासपुर जाकर जमीनी स्तर पर हालात देखेंगे। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बड़े राहत पैकेज का भी ऐलान कर सकते हैं। बाढ़ में मरने वालों की संख्या बढ़कर 46 हो गई है, जबकि 1.75 लाख हेक्टेयर भूमि पर खड़ी फसलें बर्बाद हो गई हैं। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल , सेना, सीमा सुरक्षा बल, पंजाब पुलिस और जिला प्रशासन द्वारा राहत और बचाव अभियान युद्धस्तर पर चलाया जा रहा है। पंजाब दशकों में आई सबसे भीषण बाढ़ का सामना कर रहा है। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी वर्षा के कारण सतलुज, ब्यास और रावी नदियों तथा मौसमी नालों के उफान के चलते यह स्थिति बनी है। इसके अलावा, हाल के दिनों में पंजाब में हुई भारी बारिश ने हालात को और गंभीर कर दिया है, जिससे लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को पोंग बांध का जलस्तर मामूली घटकर 1,394.19 फुट दर्ज किया गया, हालांकि यह अब भी उसकी अधिकतम सीमा 1,390 फीट से चार फुट ऊपर है। शुक्रवार शाम बांध का जलस्तर 1,394.8 फुट था।

अधिकारियों के अनुसार, शुक्रवार को बांध में पानी का प्रवाह 99,673 क्यूसेक था, जो घटकर 47,162 क्यूसेक रह गया, जबकि निकासी 99,673 क्यूसेक पर यथावत बनी रही। भाखड़ा बांध के मामले में शनिवार को जलस्तर 1,678.14 फुट दर्ज किया गया, जो शुक्रवार को 1,678.47 फुट था। सतलुज नदी पर बने इस बांध में पानी का प्रवाह 62,481 क्यूसेक और निकासी 52,000 क्यूसेक रही। राज्य के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने बाढ़ को पांच दशकों में सबसे भीषण बताया। उन्होंने कहा कि पंजाब और पड़ोसी पहाड़ी राज्यों में लगातार हुई बारिश ने व्यापक तबाही मचाई है, जिससे सभी जिलों के लगभग 2,000 गांव प्रभावित हुए हैं। ताजा बुलेटिन के अनुसार, 3.87 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं और 46 मौतों की पुष्टि हुई है। एक अगस्त से पांच सितंबर के बीच 14 जिलों से 43 मौतें दर्ज की गई थीं। कुल 23 जिलों के 1,996 गांव बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। सबसे अधिक सात-सात मौतें होशियारपुर और अमृतसर से हुईं। इसके बाद पठानकोट में छह, बरनाला में पांच, लुधियाना और बठिंडा में चार-चार, मानसा में तीन, गुरदासपुर, रूपनगर और एसएएस नगर में दो-दो और पटियाला, संगरूर, फाजिल्का और फिरोजपुर से एक-एक मौत दर्ज की गई। पठानकोट में तीन लोग लापता हैं। इसी बीच, फिरोजपुर जिले के तल्ली गुलाम गांव का 50 वर्षीय व्यक्ति उफनती नदी की तेज धारा में बह गया और उसकी मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से जिले में पानी का स्तर खतरनाक स्तर पर है और लगातार बाढ़ से गांवों में रहने वालों का जीवन कठिन हो गया है। बाढ़ से संबंधित यह आंकड़े एक अगस्त से छह सितंबर तक की अवधि के हैं। अधिकारियों ने बताया कि अब तक 22,854 लोगों को प्रभावित इलाकों से निकाला जा चुका है। चीमा ने कहा कि राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ कृषि क्षेत्र को 18 जिलों में भारी नुकसान हुआ है। इसके अलावा, बुनियादी ढांचे, मकानों और पशुधन को भी बड़ा नुकसान पहुंचा है। उन्होंने बताया कि घग्गर नदी का जलस्तर भी 750 फुट के खतरे के निशान को पार कर गया है। उन्होंने कहा कि राज्य की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने इस अभूतपूर्व बाढ़ पर तुरंत कार्रवाई करते हुए संवेदनशील रवैया अपनाया है। मंत्री ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार से जवाबदेही और समर्थन की आवश्यकता पर बल दिया तथा कहा कि इस संकट के लिए राजनीतिक अवसरवाद के बजाय सहयोगात्मक प्रतिक्रिया की आवश्यकता है। चीमा ने कहा कि तबाही के बावजूद पंजाब सरकार ने तेज और समन्वित तरीके से कार्रवाई की है। उन्होंने बताया कि राज्यभर में लगभग 200 राहत शिविर लगाए गए हैं, जहां 7,000 से अधिक विस्थापित लोगों को शरण दी गई है। एनडीआरएफ की 24 और एसडीआरएफ की दो टीमें, 144 नौकाओं की मदद से राहत और बचाव अभियान चला रही हैं। पंजाब के मंत्री अमन अरोड़ा ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान पर शनिवार को निशाना साधते हुए कहा कि वह बाढ़ के लिए नदियों में अवैध खनन को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं।

नौकरी के अंतिम पड़ाव में कई शिक्षकों को देनी होगी टीईटी परीक्षा

गाजियाबाद , एजेंसी। गाजियाबाद जिले के सरकारी स्कूलों में तैनात कई शिक्षकों को सेवा के अंतिम पड़ाव पर टीईटी परीक्षा देनी होगी। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले ने जिले के बेसिक शिक्षकों के माथे पर चिंता की लकीरें खींच दी हैं। शिक्षक संगठनों के मुताबिक, परीक्षा नहीं देने वालों को या तो खुद इस्तीफा देना होगा अथवा उन्हें निकाल दिया जाएगा। एक सितंबर को आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले के मुताबिक, नौकरी में बने रहने के लिए कक्षा एक से 8वीं तक के सभी शिक्षकों को दो साल में टीईटी परीक्षा पास करनी होगी। जिले के बेसिक स्कूलों में तैनात शिक्षक जहां दबी जुबान में फैसले का विरोध कर रहे हैं, तो वहीं शिक्षक संगठन खुलकर इसे अन्यायपूर्ण बता रहे हैं। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के महानगर अध्यक्ष अमित गोस्वामी ने बताया कि जिनकी सेवानिवृत्ति में केवल पांच साल हैं, उन्हें फैसले से बाहर रखा गया है। यदि पांच साल से एक महीना भी अधिक है तो भी परीक्षा अनिवार्य है। दो साल में परीक्षा पास नहीं की तो शिक्षक अपनी सेवा के अंतिम तीन साल पूरे किए बिना ही नौकरी से बाहर हो जाएगा। ऐसे में अंतिम पड़ाव में शिक्षकों को शिक्षक बने रहने के लिए परीक्षा देनी होगी। वहीं शिक्षकों का कहना है कि अब परीक्षा की तैयारी करें या बच्चों को पढ़ाएं। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संगठन के जिला अध्यक्ष दीपक शर्मा ने बताया कि शिक्षक भर्ती में टीईटी परीक्षा 2010 से लागू हुई है। उससे पहले बीटीसी व अन्य शर्तों के आधार पर शिक्षक भर्ती हुई, लेकिन साल 2017 में सरकार ने सभी शिक्षकों को चार साल में टीईटी परीक्षा पास करने की अनिवार्यता कर दी। इसके विरोध में कुछ शिक्षक सुप्रीम कोर्ट चले गए।

इसी क्रम में एक सितंबर 2025 को कोर्ट ने सभी शिक्षकों को दो साल में टीईटी परीक्षा पास करने का फैसला दिया है। शिक्षक संगठन के जिला अध्यक्ष दीपक शर्मा के मुताबिक जिले में कुल 2133 शिक्षक हैं। इनमें लगभग 400 शिक्षक 2010 के बाद के हैं और तकरीबन 130 शिक्षकों के कार्यकाल में पांच साल शेष बचे हैं।

दिल्ली में हुए भीषण सड़क हादसे में 8 महीने के मासूम की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की राजधानी दिल्ली में हाल ही में हुए एक दर्दनाक हादसे में आठ महीने के एक बच्चे की मौत हो गई। यह हादसा उस वक्त हुआ जब शहर के मंदिर मार्ग इलाके में एक ऑटोरिक्शा ने दूसरे को टक्कर मार दी। हादसे के वक्त बच्चे के माता-पिता भी उसी ऑटो में सवार थे। पीड़ित परिवार आनंद विहार से जनकपुरी जा रहा था इसी दौरान रास्ते में यह एक्सीडेंट हो गया। एक दिन बाद पुलिस ने आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया। घटना की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन में 2 सितंबर की सुबह करीब पौने छह बजे एक दुर्घटना होने की सूचना मिली, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। उन्होंने पाया कि एक हरे रंग के ऑटोरिक्शा ने एक अन्य ऑटोरिक्शा को टक्कर मार दी है। जिसमें आठ महीने के बच्चे की मौत हो गई, जबकि उसके माता-पिता घायल हो गए। मृत बच्चे की पहचान वाशु के रूप में हुई, जो कि नंगली जालिम इलाके में रहने वाले शख्स पप्पू का बेटा था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक्सीडेंट के बाद बच्चे को दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया गया। एक्सीडेंट के बाद बच्चे के पिता और शिकायतकर्ता पप्पू (उम्र-30 वर्ष) के बयान के आधार पर मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता की धारा 281 (तेज़ गति से गाड़ी चलाना) और 106(1) (लापरवाही से मौत) के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने बताया कि टक्कर मारने वाले ऑटोरिक्शा के आरोपी चालक की पहचान उत्तर प्रदेश के गोंडा निवासी लल्लू (45) के रूप में हुई है। हादसे के अगले दिन उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आगे की जांच जारी रहने की बात कही है।

मंदिर में बनाई 'ऑपरेशन सिंदूर' वाली रंगोली, आरएसएस के 27 कार्यकर्ताओं पर केस दर्ज

मुथुपिलक्कड़ , एजेंसी। ओणम उत्सव के दौरान कोल्लम जिले के एक मंदिर में पुष्पों की रंगोली बनाने के आरोप में आरएसएस के 27 स्वयंसेवकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। मंदिर समिति द्वारा इसे केरल हाई कोर्ट के आदेश का उल्लंघन बताए जाने के बाद इस संबंध में एक मामला दर्ज किया गया। हालांकि, बीजेपी ने पुलिस कार्रवाई की निंदा की और दावा किया कि मुथुपिलक्कड़ स्थित पार्थसारथी मंदिर में बनायी गयी रंगोली च्ऑपरेशन सिंदूर' के सम्मान में थी। मंदिर समिति के एक पदाधिकारी अशोकन सी. ने शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराएं 223 (लोक सेवकों द्वारा वैध रूप से जारी आदेशों की अवहेलना), 192 (दंगा भड़काने के इरादे से

जानबूझकर उकसावे की कार्रवाई) और 3(5) (कई लोगों द्वारा किया गया आपराधिक कृत्य) के तहत मामला दर्ज किया है।

एफआईआर के मुताबिक, आरोपियों ने मंदिर के मुख्य मार्ग पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के झंडे का चित्रण करने वाली पुष्प रंगोली बनाई थी जो हाई कोर्ट के उस आदेश का उल्लंघन था जिसमें समिति की अनुमति के बिना मंदिर परिसर में फ्लेक्स बोर्ड' सहित किसी भी प्रकार की सजावट पर प्रतिबंध लगाया गया है। मंदिर से 50 मीटर की दूरी पर छत्रपति शिवाजी का एक फ्लेक्स बोर्ड' भी लगाया गया था। कथित तौर पर इस कृत्य का उद्देश्य प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक समूहों के बीच हिंसा भड़काना था।

मंदिर समिति के सदस्य मोहनन ने बताया कि त्योहारों के दौरान मंदिर के पास झंडा लगाने को लेकर पहले भी कई बार झड़पें होती रही हैं। उन्होंने कहा, ऐसे टकरावों से बचने के लिए, हमने हाई कोर्ट का रुख किया था, जिसने 2023 में मंदिर परिसर के पास झंडे सहित किसी भी सजावटी सामान पर प्रतिबंध लगा दिया।' उन्होंने बताया कि इसके बावजूद, आरएसएस स्वयंसेवकों ने मंदिर समिति के फूलों के डिजाइन के ठीक बगल में अपने झंडे के साथ फूलों की रंगोली बनायी और फूलों से 'ऑपरेशन सिंदूर' लिखा। पदाधिकारी ने कहा, चूंकि इससे उच्च न्यायालय के आदेश का उल्लंघन हुआ और इससे झड़पें हो सकती थीं, इसलिए हमने शिकायत दर्ज कराई। हम ऑपरेशन सिंदूर का पूरा सम्मान करते हैं, लेकिन यह वैसा नहीं है जैसा आरोपी इसे चित्रित कर रहे हैं।' बीजेपी ने एक बयान में पुलिस पर निशाना साधते हुए मामले को चौंकाने वाला'' बताया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने सवाल किया कि क्या केरल में जमात-ए-इस्लामी या पाकिस्तान का शासन है। उन्होंने कहा कि अगर प्राथमिकी तुरंत वापस नहीं ली गई तो पार्टी अदालत का दरवाजा खटखटाएगी। उन्होंने कहा, देश में पहली बार फूलों की रंगोली बनाने को लेकर मामला दर्ज किया गया है। ओणम मलयाली लोगों का त्योहार है। 'ऑपरेशन सिंदूर' लिखने पर कानूनी कार्रवाई करके सरकार क्या हासिल करना चाहती है।

दिल्ली-एनसीआर में 250 से अधिक बाइक-स्कूटी चुराने वाले गैंग का भंडाफोड़, 5 आरोपी गिरफ्तार

गाजियाबाद , एजेंसी। गाजियाबाद पुलिस की क्राइम ब्रांच ने शुक्रवार देर रात दिल्ली-एनसीआर से 250 से अधिक दोपहिया वाहन चुराने वाले अंतरराज्यीय वाहन चोर गैंग का खुलासा किया है। पुलिस ने गैंग के सरगना समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से चोरी की 15 बाइक बरामद की हैं।

एसीपी (क्राइम) सूर्यबली मौर्य ने बताया कि पकड़े गए आरोपी मुरादनगर निवासी रोहन चौधरी उर्फ राजेश उर्फ राजन, उत्तराखंड निवासी इरफान, बिहार निवासी अश्वनी मिश्रा, हरियाणा निवासी मेजर सिंह, नंदग्राम निवासी अश्वनी शर्मा हैं। रोहन चौधरी गैंग का सरगना है। एसीपी ने बताया कि क्राइम ब्रांच और क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस की जॉइंट टीम ने शुक्रवार देर रात एबीईएस कॉलेज तिराहा शाहबेरी क्रॉसिंग रोड पर चेकिंग के दौरान बदमाशों को गिरफ्तार किया। आरोपियों की निशानदेही पर अंसल एक्रापोलिस सोसाइटी के बंद पड़े निर्माणाधीन टावर से 15 दोपहिया वाहन भी बरामद किए गए। गैंग के सदस्य वाहन चोरी करने के बाद मेजर सिंह के सहयोग से अपने साथी गोल्डी उर्फ मनप्रीत के साथ मिलकर दिल्ली के मायापुरी में वाहनों को बिकवाता और कटवाता था। एसीपी ने बताया कि गैंग के अन्य सदस्यों की तलाश की जा रही है। साथ ही जहां वाहन बेचे और कटवाए जाते थे, वहां पर भी पुलिस टीम भेजी गई है। मास्टर माइड हत्या के मामले में जेल जा चुका पुलिस की पूछताछ में सामने आया है कि गैंग का सरगना रोहन चौधरी वर्ष 2007 में हत्या के मामले में दिल्ली से जेल गया था। गुरुग्राम से भी हत्या के मामले में जेल जा चुका है। वाहन चोरी के मामले में कई बार दिल्ली के रोहिणी और गाजियाबाद के मोदीनगर, मुरादनगर, निवाड़ी, साहिबाबाद, इंदिरापुरम, मेरठ के थाना परतापुर से भी जेल जा चुका है। मार्च 2025 मे गाजियाबाद की डासना जेल से छूटकर बाहर आया है। गैंग बनाकर दिल्ली एनसीआर में दोपहिया वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम दे रहा था। पुलिस के अनुसार आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

दिल्ली से पटना के लिए चलेगी स्लीपर वंदे भारत ट्रेन, कितनी होगी स्पीड

नई दिल्ली, एजेंसी। दीवाली और छठ पर बिहार जाने की तैयारी कर रहे लोगों के लिए खुशखबरी है। देश की पहली वंदे भारत स्लीपर एक्सप्रेस ट्रेन इस साल दीवाली से पहले दिल्ली से बिहार के लिए शुरू हो सकती है। रेलवे सूत्रों के अनुसार, ट्रेन सितंबर के अंत तक पटना के लिए शुरू हो सकती है। हालांकि, अभी इस ट्रेन के रूट की घोषणा नहीं हुई है, लेकिन संभावना है कि यह ट्रेन दिल्ली से पटना के बीच चलेगी और आगे दरभंगा या सीतामढ़ी तक इसका विस्तार किया जा सकता है।

इस स्लीपर वंदे भारत ट्रेन की शुरुआत खासकर दीवाली और छठ पूजा के समय हो रही है, जब दिल्ली में रहने वाले लाखों लोग बिहार अपने घर वापस जाते हैं। इस ट्रेन की शुरुआत के बाद से यात्रियों को तेज और आरामदायक सफर आनंद मिलेगा। इससे दिल्ली से पटना जाने में लगने वाला समय भी काफी कम हो जाएगा।

तेज रफ्तार और आधुनिक सुविधाओं से लैस होगी : रेलवे मंत्रालय से मिली जानकारी के अनुसार, वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों की शुरुआत देश की रेलवे आधुनिकीकरण यात्रा का अहम कदम मानी जा रही हैं। बताया जा रहा है कि ये ट्रेनें 160 किलोमीटर प्रति घंटे की अधिकतम रफ्तार पर चलेंगी। इस ट्रेन में केबिन के दोनों तरफ ड्राइवर होने से टर्मिनल पर इंजन बदलने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इससे सफर में लगने वाला समय भी काफी कम हो जाएगा। इस ट्रेन में लोगों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा गया है। ट्रेन में कवच एंटी-कोलिजन सिस्टम, क्रैशवर्थी कोच डिजाइन, यूरोपीय मानकों के हिसाब से अग्नि सुरक्षा, और हर कोच में कैमरे लगाए गए हैं।

कैसी होगी सुविधा : मिली जानकारी के अनुसार, इस ट्रेन के इंटीरियर में ग्लास फाइबर पैनल, आरामदायक लाइटिंग, और आरामदायक बर्थ दिए गए हैं। ऊपर की बर्थ पर आसानी से चढ़ने के लिए नए डिजाइन की सीट बनाई गई है। इसके साथ ही एंट्री गेट और डिब्बों के बीच ऑटोमैटिक सेंसर आधारित दरवाजे लगाए गए हैं और साफ-सफाई के लिए टच-फ्री बायो-डाइजेस्टर टॉयलेट उपलब्ध होंगे। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि यह ट्रेन लंबी दूरी की यात्रा को तेज, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाएगी, जिससे खासकर त्योहारों के समय बिहार जाने वाले यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।

नोटबंदी के दौरान कारखाना खरीदने के लिए 450 करोड़ के दिए पुराने नोट, शशिकला पर सीबीआई का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। तमिलनाडु की दिवंगत मुख्यमंत्री जे जयललिता की करीबी सहयोगी वीके शशिकला पर गंभीर आरोप लगे हैं। उन्होंने 2016 में नोटबंदी के दौरान चीनी कारखाना खरीदने के लिए 450 करोड़ रुपये के पुराने नोट दिए थे। केंद्रीय जांच ब्यूरो की ओर से दर्ज प्राथमिकी में इसका उल्लेख किया गया है। सीबीआई ने मद्रास हाई कोर्ट के निर्देश पर पद्मादेवी शुगर्स लिमिटेड के खिलाफ इंडियन ओवरसीज बैंक को 120 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाने का मामला दर्ज किया था। इस खाते को 2020 में धोखाधड़ी में इस्तेमाल घोषित किया गया था।

प्राथमिकी में शशिकला का नाम आरोपी के तौर पर नहीं है। इसके मुताबिक पीएसएल (जिसे पहले एसवी शुगर मिल्स के नाम से

जाना जाता था) की चीनी मिल को बैंक ने गिरवी के तौर पर लिया था। इसे आयकर विभाग ने बेनामी संपत्ति लेनदेन अधिनियम के तहत जब्त कर लिया था। आरोप है कि 2017 में शशिकला के खिलाफ एक मामले के सिलसिले में आयकर विभाग की तलाशी में दस्तावेज जब्त किए गए थे। दस्तावेजों के मुताबिक, बैंक ने सीबीआई को दी गई अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि नोटबंदी के दौरान, पटेल समूह की एक चीनी मिल की खरीद के लिए 450 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया था। यह शिकायत अब प्राथमिकी का हिस्सा है। जयललिता का 5 दिसंबर 2016 को चेन्नई के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया था। आईओबी की शिकायत में आरोप लगाया गया कि पीएसएल के वित्तीय मामलों का प्रबंधन करने वाले और प्रभात समूह के प्रभारी हितेश शिवगण पटेल ने शपथ पत्र दिया था। इसमें उन्होंने कहा कि उन्हें कांचीपुरम स्थित चीनी कारखाने की बिक्री के लिए पुराने नोटों में कुल 450 करोड़ रुपये मिले थे।

सावधान! भारी बारिश के बीच आंधी–तूफान का खतरा

नई दिल्ली, एजेंसी। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में देश के कई हिस्सों में भारी से अत्यधिक भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। दक्षिणी राजस्थान में निम्न दबाव क्षेत्र के पश्चिम–उत्तर की ओर बढ़ने और गुजरात में अवसाद में बदलने की संभावना है। इसके कारण 7 सितंबर को गुजरात और राजस्थान में अत्यधिक भारी बारिश हो सकती है। राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में भी 12 सितंबर तक अलग–अलग स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। गोवा, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में भी भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान है। पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में भी अगले सात दिनों तक बारिश का दौर जारी रहेगा। ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम और मेघालय में 12 सितंबर के बीच भारी बारिश की संभावना है। उत्तर–पूर्वी राज्यों जैसे नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश में भी भारी बारिश और गरज के साथ बिजली चमकने की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग ने लोगों से सतर्क रहने और स्थानीय प्रशासन के दिशानिर्देशों का पालन करने की सलाह दी है। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में रविवार को आंधी–तूफान के साथ बारिश होने का अनुमान है। दिल्ली के शाहदरा, मध्य, पूर्व, पश्चिम, उत्तर, उत्तर–पूर्व और उत्तर–पश्चिम जिलों में अगले कुछ घंटों में बारिश होने की संभावना है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक और प्रकाशक शरद पाराशर द्वारा साईं प्रिंटर्स म.नं. 19 शॉप नं. 3 जिंसी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल म.प्र.से मुद्रित करवाकर ए-52 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित।
संपादक- शरद पाराशर मो.9425023929, समाचार सम्पादक :-सेजल दीक्षित (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)